ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कला और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए जगह उपलब्ध कराया जाएगा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 29 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-268

न्यायिक प्रणाली में बड़े बदलाव की तैयारी में मोदी सरकार!

सख्त परीक्षा पास करने पर ही बन सकेंगे जज

शुभ-लाभ सरोकार

मोदी सरकार भारतीय न्यायिक प्रणाली में बड़े सकारात्मक बदलाव की तैयारी कर रही है। एक सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के 75वें स्थापना दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस बदलाव का संकेत देते हुए कहा था कि न्यायपालिका में सुधार की प्रक्रिया को तेज किया जाना चाहिए। स्थापना दिवस समारोह एक सटीक मंच था, जहां से यह संदेश देना उचित था। समारोह में देशभर की जिला अदालतों से आए लगभग 800 जज मौजूद थे। राष्ट्रपति ने कहा था, लोगों को लगता है कि न्यायपालिका में संवेदनशीलता नहीं है। लोगों की इस भावना को देखते हुए न्यायपालिका को आवश्यक बदलाव के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए।

यह पहली बार नहीं था जब राष्ट्रपति मुर्मू ने न्यायिक प्रणाली में सुधार की आवश्यकता के साथ-साथ जजों की नियुक्ति प्रणाली पर सवाल उठाए। कॉलेजियम का नाम लिए बिना उन्होंने बार-बार सुझाव दिया है कि जजों की नियुक्ति भी उसी तरह होनी चाहिए, जैसे आईएएस अधिकारियों की होती है। राष्ट्रपति के सुझाव की थोड़ी पृष्ठभूमि देखें तो सामने आता है 1958 में भारत के लॉ कमीशन की 14वीं रिपोर्ट के जरिए रखा गया ऑल इंडिया ज्यूडिशियल सर्विस (एआईजेएस) बनाने का प्रस्ताव। इसके बाद 1978 की 77वीं रिपोर्ट, फिर 1986 की 116वीं रिपोर्ट और हाल ही में 2022 में भी यह सुझाव दो-हराया गया। 1958 से आज तक छह दशकों से अधिक समय बीत गया लेकिन इस दिशा में एक भी ठोस कदम नहीं उठाया गया। वजह स्पष्ट है। हर बार खुद जजों ने ही इसका विरोध किया।

फिर उठा सवाल, क्यों रद्द किया था एनजेएसी कानून?

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों ने लगातार कहा कि इससे हमारे अधिकार क्षेत्र में दखल होगा।

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) के द्वारा होने वाली सिविल सर्विस एग्जाम (सीएसई) के माध्यम से सरकार की 64 शीर्ष सेवाओं में नियुक्तियां होती हैं। इनमें आईएएस, आईएफएस, आईपीएस सबसे ऊपर हैं। इन्हीं परीक्षाओं से आईआरएस, डिफेंस अकाउंट, रेलवे, डाक विभाग और कई अन्य विभागों के उच्च अधिकारी चुने जाते हैं। कानून के क्षेत्र के लिए इंडियन सिविल लॉ सर्विस (आईसीएलएस) और इंडियन लॉ सर्विस (आईएलएस) जैसी सेवाएं हैं, लेकिन इनमें से कोई भी जजों का चयन नहीं करती। जरूरी है कि जजों की नियुक्ति भी आईएएस जैसी सख्त परीक्षा और गहन प्रशिक्षण से हो। और यह केवल हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के लिए नहीं बल्कि फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट, सिटी सिविल कोर्ट और सेशन्स कोर्ट के लिए हो।

▶10 पर

57 महत्वपूर्ण हस्तियों ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

हिमालय क्षेत्र की हिफाजत सबसे जरूरी

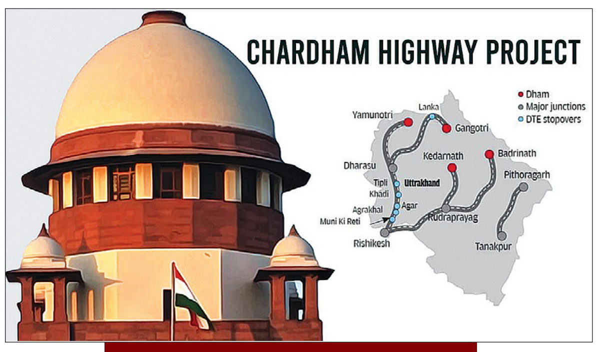

पहाड़ पर निर्माण और पर्यटन की कमाई से भीषण नुकसान

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में हालिया बाढ़ और भूस्खलनों से हुई तबाही ने हिमालय की संवेदनशील पारिस्थितिकी पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी पृष्ठभूमि में हिमालय की सुरक्षा को लेकर देश के कई वरिष्ठ राजनेता, पर्यावरणविद और वैज्ञानिकों ने चार धाम परियोजना पर पुनर्विचार की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अपीलकर्ताओं में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ. करण सिंह, पर्यावरणविद शेखर पाठक, इतिहासकार रामचंद्र गुहा और सामाजिक कार्यकर्ता केएन गोविंदाचार्य समेत 57 प्रमुख लोग शामिल हैं। 14 दिसंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम निर्णय में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के 15 दिसंबर 2020 के परिपत्र को वैध ठहराया था।

अपीलकर्ताओं की सुप्रीम कोर्ट से दो प्रमुख मांगें हैं। पहली, 14 दिसंबर 2021 के निर्णय को वापस लिया जाए। दूसरी, 2020 के परिपत्र को निरस्त कर 2018 की नीति बहाल की जाए, जिसमें 5.5 मीटर चौड़ी इंटरमीडिएट सड़क की सिफारिश की गई थी। अपीलकर्ताओं ने कहा कि गंगा-हिमालय बेसिन 60 करोड़ लोगों का जीवन-आधार है। यदि हिमालय नष्ट होता है तो पूरा देश प्रभावित होगा। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 51-ए (जी) का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की गुहार लगाई है। अपील में मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया गया है कि उत्तराखंड में बन रही चार धाम राजमार्ग परियोजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट के 14 दिसंबर 2021 के निर्णय की समीक्षा कर उसे वापस लिया जाए। जिसमें सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के 15 दिसंबर 2020 के परिपत्र को वैध ठहराया गया था। इस परिपत्र ने सीमा से लगे पहाड़ी क्षेत्रों में फीडर हाईवे की चौड़ाई 10 मीटर (डीएल-पीएस मानक) अनिवार्य कर दी थी। अपीलकर्ताओं का कहना है कि यह निर्णय हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा के लिए विनाशकारी साबित हुआ है। उनका तर्क है कि चौड़ीकरण के नाम पर बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई, भूस्खलन और हिमस्खलन का खतरा बढ़ा है।

▶10 पर

एक और जंग जीतकर भारत बना एशिया कप चैंपियन

एशिया कप में भारत का राज 'तिलक'

पाकिस्तान को भारत ने 3.0 से किया पस्त

दुबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टीम ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब ऑपरेशन एशिया कप भी अपने नाम कर लिया। एशिया कप 2025 के फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को हराकर 9वीं बार खिताब पर कब्जा जमाया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 146 रन बनाए, जिसका पीछा भारत ने तिलक वर्मा (53 गेंदों में नाबाद 69 रन, 3 चौके, 4 छक्के) और शिवम दुबे (22 गेंदों पर 33 रन, 2 चौके और 2 छक्के) की बल्लेबाजी के दम पर 2 गेंद शेष रहते जीत लिया। रिंकू सिंह (4 नाबाद) ने चौके के साथ मैच खत्म किया।

18वें ओवर में जब हारिस रऊफ को 13 रन पड़े तो मैच का रोमांच चरम पर पहुंच गया। इसी ओवर ने टर्निंग प्वाइंट का काम किया। भारत को आखिरी दो ओवरों में 17 रन चाहिए थे। हालांकि फहीम अशरफ की फिटनेस समस्या के चलते मैच लगभग 7 मिनट रुका। 19वें ओवर में दुबे आउट हो गए और भारत को आखिरी ओवर में 10 रन की दरकार रही। पहली तीन गेंदों पर तिलक वर्मा ने 9 रन बनाकर स्कोर बराबर किया और अंततः भारत विजयी हुआ। यह लगातार तीसरा मौका है जब एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान को हराया है।

147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर अभिषेक शर्मा मात्र 5 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान सूर्यकुमार यादव (1) का शानदार कैच सलमान अली आगा ने लपका। शुभमन गिल (12) भी जल्द पवेलियन लौटे। 20 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद टीम मुश्किल में थी।

हालांकि इसके बाद संजू सैमसन (24 रन, 21 गेंद) और तिलक ने पारी को संभाला। सैमसन ने अबरार अहमद की गेंद पर कैच छोड़ने का जीवनदान मिलने के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेली और जल्द आउट हो गए। इसके बाद तिलक और शिवम दुबे ने मिलकर 40 गेंदों में 60 रनों की साझेदारी कर जीत की नींव रखी।

▶10 पर

दिसंबर में भारत आएंगे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन

दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी पर कोई खतरा नहीं

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने किया आश्वस्त

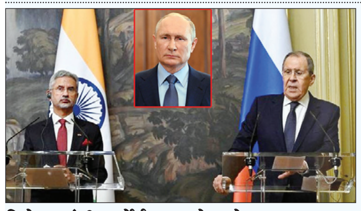

मास्को, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की ओर से संभावित द्वितीयक प्रतिबंध लगाने के मसले पर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, भारत और रूस के बीच आर्थिक साझेदारी पर कोई खतरा नहीं है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कर दिया है कि भारत अपने साझेदार खुद चुनता है। लावरोव ने कहा, यदि अमेरिका के पास भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार को समृद्ध करने के प्रस्ताव हैं, तो वे इसके लिए शर्तों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, चाहे अमेरिका जो भी शर्तें रखे। लेकिन जब बात भारत और तीसरे देशों के बीच व्यापार, निवेश, आर्थिक, सैन्य, तकनीकी और अन्य संबंधों की आती है, तो यह ऐसी चीज है जिस पर भारत केवल संबंधित देशों के साथ ही चर्चा करेगा। भारत और रूस संबंधों पर लावरोव ने कहा, हम भारत के राष्ट्रीय हितों का पूरा सम्मान करते हैं और पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा इन हितों को बढ़ावा देने वाली विदेश नीति का भी। हम उच्चतम स्तर पर नियमित संपर्क में रहते हैं। भारत और अमेरिका या भारत और किसी अन्य देश के बीच जो भी परिस्थितियां पैदा हों,

▶10 पर

डिजिटल इंडिया ने बदला ग्रामीण भारत का चेहरा

2.68 लाख पंचायतों तक पहुंचा इंटरनेट

6.26 लाख गांव उठा रहे इंटरनेट का लाभ

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

देश की ग्राम पंचायतें अब डिजिटल इंडिया की नई पहचान बन चुकी हैं। गांवों तक इंटरनेट और तकनीक पहुंचने से शासन-प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और वित्तीय सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही आई है। 2.68 लाख से अधिक पंचायतें, जो 70 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं, अब सीधे ऑनलाइन प्रणाली से जुड़ी हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश के 6.44 लाख गांवों में से 6.26 लाख गांवों तक 3जी/4जी मोबाइल नेटवर्क के जरिए इंटरनेट सेवा पहुंच चुकी है। भारतनेट के तहत 13 लाख से अधिक फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) कनेक्शन भी दिए गए हैं। इससे ग्रामीण भारत के लिए योजना निर्माण से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई है। पंचायतों की इस डिजिटल यात्रा ने शासन व्यवस्था को पारदर्शी और तेज बना दिया है। एआई आधारित बैठक रिकॉर्ड, भू-स्थानिक नियोजन और नागरिक केंद्रित मोबाइल एप गांवों में विकास की नई राह खोल रहे हैं। अगस्त 2025 तक 1.73 लाख गांवों की 2.63 करोड़ सम्पत्तियां ऑनलाइन दर्ज हो चुकी हैं

▶10 पर

देशभर के पर्यवक्षकों के साथ चुनाव आयोग की बैठक 3 को

बिहार चुनाव और उपचुनावों में होंगे 470 पर्यवेक्षक

बिहार जाएगी आयोग की टीम तभी चुनाव का ऐलान होगा

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में उपचुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक (सामान्य, पुलिस और व्यय) तैनात करने का फैसला लिया है। विभिन्न राज्यों में सेवाएं दे रहे कुल 470 अधिकारियों को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 320 अधिकारी, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 60 अधिकारी और भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के 90 अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा, आईआरएएस, आईसीएएस जैसी सेवाओं से अधिकारी इसमें शामिल हैं। ये सभी अधिकारी बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव और जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, झारखंड, तेलंगाना, पंजाब, मिजोरम और ओड़ीशा में होने वाले उपचुनावों के लिए नियुक्त किए जा रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग ने राज्य में 2003 के बाद वोटर लिस्ट का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराया है। जल्द ही एसआईआर वाली फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। चुनाव आयोग द्वारा प्रस्तावित देशव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में बिहार पहला राज्य बन जाएगा।

▶10 पर

भारत की जिम्मेदारी बढ़ाने का चीन और रूस ने किया समर्थन

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल हों भारत और ब्राजील

भूटान ने कहा, भारत को मिलनी चाहिए स्थायी सदस्यता

न्यूयॉर्क, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध के बीच रूस और चीन ने एक बार फिर भारत से करीबी का इजहार किया है। रूस और चीन ने सुरक्षा परिषद में भारत और ब्राजील को ज्यादा जिम्मेदारी देने का समर्थन किया है।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की 80वीं बैठक से इतर ब्रिक्स देशों की बैठक में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि भारत, ब्राजील और अफ्रीकी देशों को सुरक्षा परिषद में स्थायी प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए, क्योंकि इन देशों की बड़ी आबादी और वैश्विक प्रभाव को ध्यान में रखा जाना जरूरी है। इसके बाद चीन ने भी इसी तरह के विचार रखते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ज्यादा समावेशिता सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लिए आवश्यक है। मजबूत वैश्विक भू-राजनीति के लिहाज से यह कदम इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में जी-20 सम्मेलन के दौरान भारत-चीन व रूस के बीच एक मजबूत गठजोड़ देखने को मिला था। इस दौरान पीएम मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक साथ नजर आए थे और इन तस्वीरों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार की अपील

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

एनबीटी अब ला रहा निष्पक्ष और तथ्य आधारित किताबें

युवाओं को भरोसेमंद सामग्री उपलब्ध कराने पर ध्यान

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) अब ऐसी किताबें तैयार कर रहा है जो न तो किसी व्यक्ति विशेष की विचारधारा से प्रभावित होंगी और न ही राजनीतिक झुकाव दिखाएंगी। एनबीटी के चेयरमैन प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने कहा कि संस्था का मकसद है तथ्य आधारित और निष्पक्ष किताबें प्रकाशित करना ताकि पाठकों, खासकर युवाओं को भरोसेमंद सामग्री उपलब्ध हो।

मराठे ने कहा कि आजकल सूचनाओं के नाम पर बहुत भ्रम फैल रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में डिजिटल क्रांति हुई है, लेकिन इस पर कोई प्रामाणिक किताब नहीं मिलती। राजनीतिक दल या तो इसे बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं या फिर कमतर दिखाते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए

निष्पक्षता और प्रामाणिकता का वादा...

nbt.india
एक: सूते सकलम्
राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA
Ministry of Human Resource Development, Govt. of India

विशेष विचारधारा या राजनीतिक झुकाव से होगा परहेज

एनबीटी ने आईआईटी कानपुर को यह जिम्मेदारी दी है कि वह पिछले दशक की डिजिटल क्रांति का निष्पक्ष विश्लेषण करे। इसी तरह, सुशासन के प्रभाव पर किताब लिखने का काम आईआईएम मुंबई को सौंपा गया है। मराठे का कहना है कि युवाओं की सोच साफ और सीधेपन वाली है। वे न तो अतिशयोक्ति चाहते हैं और न ही किसी चीज़ का अपमानजनक चित्रण। वे केवल तथ्य चाहते हैं ताकि अपनी राय खुद बना सकें। इसी दृष्टिकोण से एनबीटी कुछ खास किताबों का प्रकाशन कर रहा है। एनबीटी का नारा अब भी गुणवत्ता और किफायत है। संस्था का लक्ष्य है कि किताबें न सिर्फ युवाओं को व्यक्तिगत विकास की ओर प्रेरित करें बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान दें। मराठे के अनुसार, किताबें व्यक्तिगत विकास से राष्ट्रीय विकास तक की कड़ी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एनबीटी भारतीयता से जुड़ी रचनाओं को बढ़ावा देने की

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,17,530/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,45,250/- (प्रति किलोग्राम)

जीतो बेंगलूरु साउथ का तीसरा वार्षिक आम बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर फाउंडेशन ने सफलतापूर्वक अपना तीसरा वार्षिक आम बैठक (एजीएम) हॉलिडे इन, गांधीनगर में आयोजित किया। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के साथ हुई, जिसके बाद विशिष्ट अतिथियों, निर्देशकों और पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। चेयरमैन रंजीत सोलंकी, जीतो बेंगलूरु साउथ ने शिखर विशिष्ट अतिथियों, वर्तमान और पूर्व निर्देशकों, केकेजी सदस्यों और चैप्टर सदस्यों सहित सभी का स्वागत किया। अपने संबोधन में, उन्होंने पिछले वर्ष में चैप्टर, महिला विंग और यूथ विंग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सदस्यों के समर्थन और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया और आने वाले वर्ष में निरंतर सहयोग की आशा व्यक्त की। मुख्य सचिव नितिन लुनिया ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया और पिछले वर्ष में चैप्टर द्वारा आयोजित सभी आयोजनों, कार्यक्रमों और सेमिनारों की विस्तृत समीक्षा प्रदान की। उनकी व्यापक प्रस्तुति को सभी सदस्यों द्वारा सराहा गया और चैप्टर की सक्रिय भागीदारी और उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया। जेएलडब्ल्यू मुख्य सचिव निधि पालरेचा और जेवाईडब्ल्यू अध्यक्ष मेहुल श्रीश्रीमल ने अपने संबंधित विंग द्वारा पिछले एक वर्ष में की गई गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और प्रस्तुत की। बैठक में दर्शन कुमार एंड कंपनी को वैधानिक ऑडिटर के रूप में नियुक्त करने और अतिरिक्त निर्देशकों को कंपनी के निर्देशक के रूप में नियमित करने सहित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, सह-कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाड़िया और नरेंद्र संकलेचा के साथ, वर्ष 2024 - 2025 के लिए लेखा-परीक्षित वित्तीय विवरण प्रस्तुत किए, जिन्हें सदस्यों द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में, जे.ए.टी.एफ. बी. पी. बोहरा शिक्षा फाउंडेशन, जो यूपीएससी अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है, जो जे.ए.टी.एफ. मुंबई में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। इस कदम का उद्देश्य छात्रावास के सुचारू संचालन और अधिक अधिकारियों के निर्माण के प्रभाव को बढ़ाना है। तेजराज गुलेचा, जीतो एपेक्स व बेंगलूरु के पूर्व चेयरमैन ने भविष्य के नेताओं के निर्माण और चैप्टर सदस्यता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जे.ए.टी.एफ. और साधर्मिक बंधु टीमों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य की प्रशंसा की, शिक्षा आज की दुनिया में सर्वोच्च प्राथमिकता है और जीतो की महत्वाकांक्षी परियोजना का उल्लेख किया जिसमें पनवेल, नवी मुंबई के पास 80 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय पर काम जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, जिसमें 2028 तक उद्घाटन की तिथि निर्धारित की गई है। नरेंद्र सिंह सामर, निर्देशक और विशेष आमंत्रित सदस्य कार्यकारी समिति शिखर ने संगठन के भीतर अधिक नेतृत्व बनाने के महत्व पर जोर दिया, ताकि शिखर स्तर पर मजबूत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। महेश नाहर, जे.ए.टी.एफ. जोनल मुख्य सचिव और बेंगलूरु के पूर्व मुख्य सचिव ने गुणवत्ता कार्यक्रमों और व्यवसाय सशक्तिकरण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया। उन्होंने अपने व्यवसाय शुरू करने में सदस्यों का समर्थन करने के लिए लौटाने योग्य आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करने का सुझाव दिया। वर्तमान में बेंगलूरु केंद्र में 35 छात्र यूपीएससी मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं जो अप्रैल के महीने में आयोजित की जाएगी। बैठक में कई विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया, जिनमें जीतो एपेक्स सचिव श्रीपाल बच्चावत, निर्देशक प्रभारी यूथ विंग प्रवीण शाह, निर्देशक और केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, जीतो बेंगलूरु साउथ उपाध्यक्ष महेंद्र जियानी, राजकुमार कोठारी, राजेंद्र दांतेवाड़िया, सचिव कोमल भंडारी और प्रतीक गांधी, चैप्टर के निर्देशक और प्रबंध समिति के सदस्य, जेएलडब्ल्यू अध्यक्ष बबीता रायसोनी, मुख्य सचिव निधि पालरेचा, कोषाध्यक्ष संगीता पारेख, जेवाईडब्ल्यू चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमल, पूर्व केकेजी जोन चेयरमैन अशोक सालेचा और पूर्व एपेक्स सचिव व यूथ विंग निर्देशक संजय धारीवाल शामिल थे।

सरस्वती माता का वाहन हंस सौंदर्य और स्वच्छता का प्रतीक: साध्वी शीतल गुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने सरस्वती माता के महापूजन के अवसर पर कहा कि सरस्वती को श्रुतदेवी के रूप में जाना जाता है। वह जिनवाणी या द्वादशांगवाणी के रूप में भी पूजी जाती हैं।

संक्षेप में, सरस्वती ही श्रुत ज्ञान की देवी हैं, क्योंकि वह ज्ञान के सभी रूपों और उससे संबंधित कलाओं की अधिष्ठात्री देवी हैं। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि सरस्वती माता का वाहन हंस है, जो सौंदर्य और स्वच्छता का प्रतीक है। हंस का रंग सफेद है, अतः वह शांति और पवित्रता का भी प्रतीक माना जाता है। हंस ही है जो दूध और पानी को अलग-अलग करने की क्षमता रखता है। यह अद्भुत क्षमता ज्ञान, पवित्रता और एकाग्रता से ही आ सकती है। ज्ञान ही हमें सही-गलत की पहचान करना सिखाता है, शुद्ध - अशुद्ध में अंतर करना सिखाता है, इस तरह हंस ज्ञान और विवेक से संपन्न होता है और इसीलिए माता सरस्वती ने उसे अपने वाहन के रूप में चुना है।

माता सरस्वती के वस्त्रों का रंग भी श्वेत है, जो सभी रंगों में सबसे हल्का और आंखों को सुकून देने वाला होता है। यह रंग शांति, उमंग, उत्सव, ताजगी और कोमलता का भी प्रतीक है। इसी के साथ, माता सरस्वती के कई चित्रों में उनके साथ मोर को भी दर्शाया जाता है। मोर भी सौंदर्य और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इसी के साथ वह विद्या और ज्ञान का भी प्रतीक है। राजु भंडारी ने बताया कि सरस्वती महापूजन में आरती मंगल दीपक का लाभ महावीर कुमार वगतावरमल संचेती परिवार ने लिया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती भंवरलाल पेराजमल जगदीश प्लास्टिक, गुरुदेव की आरती पुष्पा बाई प्रकाशचंद जैन मैसूरु ने लाभ लिया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के 108 अभिषेक का लाभ बाबुलाल देवराज परमार परिवार ने लिया। मुख्य पिठिका के लाभार्थी महावीरकुमार वगतावरमल संचेती परिवार का बहुमान संघ द्वारा किया गया।

श्री मरुधरा जैन संघ का दीपावली स्नेह मिलन 2 नवंबर को

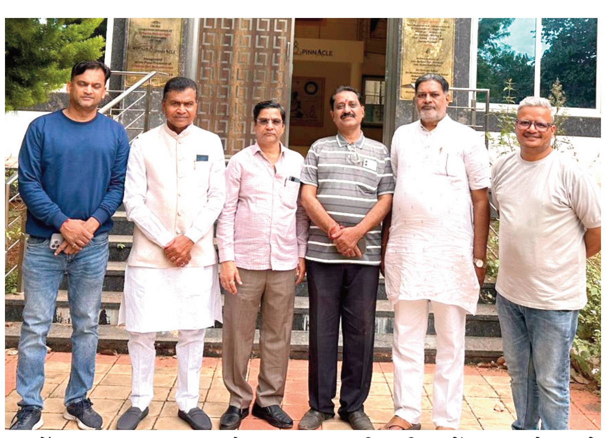

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री मरुधरा जैन संघ के 32वें गौरवशाली दीपावली स्नेह मिलन हेतु तैयारियाँ शुरू कर दी गई है। संघ के अध्यक्ष डॉ. जवरीलाल लूनावत ने बताया कि 2 नवंबर को तुमकुरु रोड पर स्थित भिक्षुधाम में होने वाले दिपावली स्नेह मिलन की रुपरेखा तैयार करने हेतु रविवार को भिक्षु धाम में संघ के उपाध्यक्ष कांतिलाल गुलेच्छा, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष किरण सालेचा, सलाहकार मनोज बडेरा, पूर्व कोषाध्यक्ष केवलचंद सालेचा व जयंतिलाल श्रीश्रीमाल ने सभी प्रस्तावित बिंदुओं पर अपने अपने सुझाव दिये।

डॉ. लूनावत ने बताया कि पहली बार सभी उम्र वाले युवक-युवतियों व बच्चों के लिये 6 तरह के बोर्ड गेम की व्यवस्था रखी गयी है।

इस बार संघ की बैठक की शुरुआत सुबह 10.31 बजे पंच परमेष्टि जैन ध्वज व कन्नड़ राज्य का झंडारोहण करने के बाद मंगलाचरण से होगी। डॉ. लूनावत ने बताया कि इस बार स्नेह मिलन के 11 लाभार्थी परिवार होंगे व स्नेह मिलन में मंडल द्वारा अनेक तरह के गेम भी रखे गये हैं।

प्रभु महावीर की वाणी ही जीवन का आधार

सौभाग्यमुनिजी बहुत ही विद्वान, तेजस्वी और श्रेष्ठ वक्ता थे: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सानिध्य में रविवार को श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनि कुमुदजी की पुण्यतिथि मनाई गई। गुरुदेव ने फरमाया कि प्रभु महावीर के सूत्रों का वाचन चल रहा है। हमारे लिए प्रभु महावीर की वाणी ही जीवन का आधार है। उसमें ही मनुष्य के जीवन का उद्धार है। निवेदन में मनुष्य की आत्मा बोलनी चाहिए। मुंह से बोलना ही प्रर्याप्त नहीं है। जब तब हृदय से नहीं बोलेंगे तब तक मनुष्य जीवन का उद्धार नहीं होगा। जैसे बच्चा हृदय से रोता है तो मां उसकी भूख मिटाटी है। वैसे ही मनुष्य की भूख मिटाने के लिए हृदय से बोलना जरूरी है। ऐसा करने पर ही इस भव से पार लगेगा। अन्यथा मानव भव भटकता ही रह जाएगा। मनुष्य अपने ही हाथों से कांटों का बीज बोता जा रहा है। जब प्रभु के चरणों में जाएगा तो ही दुख का जाल हटेगा। प्रभु करुणा के सागर हैं और वही दुखों के जाल को हटा सकते हैं। भगवंतों की भक्ति से मनुष्य के संकट कट जाते हैं। अज्ञान मिटता है और सुख की प्राप्ति होती है। मुमुक्षु की संसार से पार लगाने की ही कामना होती है। ऐसे ही महानपुरुष गुरु श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनि कुमुदजी का आज पुण्य दिवस है। जिसमें गुण हैं उसका ही जीना होता है।

ऐसे ही महानपुरुष सौभाग्यमुनिजी थे। वे श्रमण संघ के महामंत्री रहे और वर्षों तक संघ का हित किया। ऐसे महान मुनि के प्रति आज हम श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं। मेवाड़ की भूमि वीरो की भूमि है। वे मरना मंजूर करते हैं पर झुकते नहीं है। वे भूखे मरना मंजूर करते हैं पर सिर नहीं झुकाते हैं। ऐसे महापुरुषों की भूमि मेवाड़ है। जहां संस्कार और संस्कृति नहीं वहां कुछ नहीं होता है। जिसके साथ बढो का आशीर्वाद नहीं होता है उसका भगवान भी साथ नहीं देते हैं। जो संस्कारी और खानदानी कुलवान का होता है वह साधु संतों को देखते हुए सिर झुका लेता है। किसी से नमस्कार और नमन करने से आशीर्वाद ही मिलता है। खानदानी आदमी अकड़ कर चलने के बजाय सभी के सामने झुकना पसंद करता है। पहले ऐसे कई महापुरुष थे, जो फेस देख कर पूरा जीवनी बता देते थे। मेवाड़ में ही एक आकोला गांव हैं, जहां सौभाग्यमुनि का जन्म हुआ था। उनका बचपन का नाम सुजानमल था। कभी कभी यथा नाम तथा गुण होता है। उनका जैसा नाम था वैसे ही वे गुणी थे। किसी के नाम में महत्व नहीं बल्कि काम में महत्व होता है। नाम हल्का हो और काम भी हल्का हो ऐसी बात नहीं होती है। पहले के समय में गुरुदेवों की साधना और तपस्या ही उनका जीवन बदलने का मुख्य कारण था। ऐसे ही अंबालाजी महाराज के शिष्य सौभाग्यमुनि जी थे। वे कभी दिखावा नहीं करते थे। तप, साधना से अपना जीवन तो बदला, साथ ही दूसरों को भी बदलने की प्रेरणा दी। कोई भी काम करो चुप चाप करना चाहिए। गुप्त तपस्या और दान का मजा ही अलग होता है। यह मौका सरल लोगों को ही मिलता है। सभी को ऐसा मौका नहीं मिलता है। गुरुदेव ने फरमाया कि साधु संत भाव के भूखे होते हैं। वे जो करते हैं वह भाव, भावना और उमंग से करते हैं। ऐसे ही मानव को भी बिना फल के चिंता किए गुप्त तरीके से भाव पूर्वक सेवा कार्य करना चाहिए। यह सब समय रहते ही करना संभव है। एक बार अगर समय चला गया तो पछताने से भी कुछ नहीं मिलेगा। सौभाग्यमुनिजी का बहुत ही समताशील स्वभाव था। वे दया और करुणा के धनी थे। दया और करुणा संतों का स्वभाव ही होना चाहिए।

सौभाग्यमुनि जी बहुत ही विद्वान, तेजस्वी, श्रेष्ठ वक्ता, श्रेष्ठ लेखक थे। उनमें सभी प्रकार की योग्यताएं थी। उनमें जो योग्यता थी वह एक आदमी में मिलता बहुत ही मुश्किल है। जोधपुर जैसे शहर में व्याख्यान देना आसान नहीं है। उन्होंने वहां व्याख्यान देकर अपनी छाप छोड़ी। वे सभी से मिलते थे, सभी के प्रति हमदर्दी थी। वे बहुत ही महान संत थे। सौभाग्यमुनिजी जहां भी गए वहां सभी को जोड़ा। संघों और संगठनों को एकत्रित किया। वे गुरु ऐसे थे जिनकी बातों को समाज भी मानता था। यह सब उनकी प्रभावना थी। ऐसे महानपुरुषों का गुणगान सुनकर जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने संसार को ठुकरा कर संयम को धारण किया। धर्म शिक्षा लेकर उन्होंने लाखों के जीवन को तार दिया। ऐसे महापुरुषों के बताए मार्गों पर चलने वालों का जीवन चमक जाएगा। सभा में श्री श्रेयांश पारना समिति की ओर से निकाली गई श्री गुरु दर्शन यात्रा संघ में बेंगलूरु के विभिन्न बाजारों के लगभग 400 लोगों ने एक एक सामायिक के साथ गुरु दर्शन एवं प्रवचन का लाभ लिया। राजेंद्रकुमार नाहर, रमेशचंद सियाल, मीठालाल लोढ़ा, धर्मीचंद बोहरा, महावीरचंद डागा, रमेश चंद खाबिया, महेंद्र कोठारी, स्नेहकुमार शर्मा, प्रकाश चोपड़ा, महेंद्र बगानी, मनोज कोठारी, श्रीपाल लोढ़ा, आनंद श्रीश्रीमाल, जसवंत छाजेड़, हैदराबाद से महावीरचंद बोहरा की विशेष उपस्थिति रही। प्रवचन में चंद्रकांत अलीजार, प्रभाबाई खाबिया और संतोष बाई बाफना ने गीतिका प्रस्तुत की। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

आत्म कल्याण के लिए गुरु सेवा जरूरी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि आत्म कल्याण के लिए गुरु सेवा जरूरी है। गुरु ज्ञान दर्शन चारित्र के दाता होते हैं। गुरु सेवा से मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है। मेड़ता शहर में 92 वर्षीय आचार्य श्री भूधर जी महाराज साहब का अंतिम समय जानकर योग्य शिष्य मुनि जयमल ने उन्हें संथारा का पाथेय दिया और दृढ़ संकल्प कर लिया कि गुरु के देहावसान बाद वे गुरु स्मृति में आजीवन शयन आसन नही करेंगे और यह भीष्म प्रतिज्ञा का आचार्य जयमल जी ने 50 साल तक पालन किया। उपाध्याय श्री गुणवंत मुनि जी ने भी अपने जीवन में 30 वर्ष तक शयन आसन नही किया था। प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा ने कहा कि उच्च शिक्षा से बढ़कर उच्च संस्कार जरूरी है।

जैन समाज दान के क्षेत्र में हमेशा आगे रहा है किंतु शिक्षा संस्थान निर्माण में उस स्तर के प्रयास नहीं हुए हैं। हम बच्चों के लिए समृद्धि की चिंता तो करते हैं किंतु संस्कृति के प्रति लापरवाह होते जा रहे हैं। संपत्ति के चक्कर में संतति हाथ से निकलती जा रही है। संगति बिगड़ रही है। बच्चों के पास बैठने की परंपरा ही खत्म हो चुकी है। मोबाइल से सारा तानाबाना क्षत विक्षत हो गया है। मात्र गुरु सत्संग की अंतिम उम्मीद बची है। इसलिए हम अपने बच्चों को अवश्य गुरु संपर्क में लावें। प्रवचन सभा में अखिल भारतीय जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण गोटावत और राष्ट्रीय महामंत्री प्रकाशचंद बोहरा भी उपस्थित थे। बोहरा ने जयमल श्रावक संघ की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का साफा और शॉल माला से सम्मान किया। हिताशा मुथा और केसर जैन ने शिविर के बारे में अपने अनुभव बताए। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि सोमवार से श्रीपाल चरित्र पर प्रवचन होंगे। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

जीवनदान की श्रेष्ठ प्रक्रिया है जैन दीक्षा : आचार्य

वर्षीदान वरघोड़े में मुमुक्षुओं ने दिया त्याग और संयम का संदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वासुपूज्य भवन माधवनगर में प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिस प्रकार हमें हमारा जीवन प्यारा है उसी प्रकार प्रत्येक जीव को उसका जीवन प्यारा होता है। स्वार्थी व्यक्ति मात्र खुद के सुख दुःख की चिंता करता है। जबकि धर्मी व्यक्ति औरों के सुखदुःख के प्रति भी संवेदनशील होता है। जगत के सभी जीवों को जीने का समान अधिकार है और किसी के जीने के अधिकार का हनन करने से हिंसा का पाप लगता है। वैसे तो सभी धर्म अहिंसा का उपदेश देते है लेकिन जैन दर्शन की अहिंसा का स्वरूप व्यापक है। यदि अन्य जीवों के प्रति संवेदनशीलता, उनकी सुरक्षा की सावधानी और उनके जीने के अधिकारों के प्रति जागरूकता है और प्रवृति में हिंसा हो भी जाएं तो भी वह अपराध नगण्य है। दूसरी ओर, यदि अन्य जीवों के जीने के अधिकारों की उपेक्षा, उनकी सुरक्षा के प्रति लापरवाही हो और प्रवृति में अहिंसा का पालन हो फिर भी वह अपराध गिना जाएगा। इसीलिए कहा जाता है कि कर्मबंध प्रवृत्ति पर नहीं बल्कि वृत्ति पर आधारित हैं। दीक्षा जीवन एक ऐसी आचार संहिता है जहां संपूर्ण अहिंसा की अवधारणा चरितार्थ की जा सकती है। तीर्थंकरों की यह खूबी है कि स्वयं संपूर्ण अहिंसक जीवन का पालन करके औरों को भी उसका उपदेश दिया। जगत के सभी जीवों को सुखी करना व्यक्ति के बस की बात नहीं है, लेकिन यदि वह चाहे तो यह संकल्प अवश्य कर सकता है कि वह किसी को दुःखी नहीं करेगा। जैन दीक्षा इसी संकल्प की पर्यायवाची है। इससे पूर्व रविवार को श्री वासुपूज्य मुनिसुव्रतस्वामी जैन संघ के तत्वावधान में आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मुमुक्षुओं के बेंगलूरु आगमन के उपलक्ष्य में कल्याण मित्र परिवार द्वारा कुमारापार्क जैन मंदिर से माधवनगर तक रथयात्रा सह वर्षीदान वरघोड़े का आयोजन किया गया। मुमुक्षुओं का वर्षीदान वरघोड़ा कुमारापार्क स्थित श्री मुनिसुव्रतस्वामी जैन मंदिर से प्रारंभ होकर श्री वासुपूज्य भवन, माधवनगर पहुंचा। श्री वासुपूज्य- मुनिसुव्रतस्वामी जैन संघ की ओर से मुमुक्षुओं का बहुमान किया गया। संगठन के सदस्य निलेश जैन ने बताया कि सभी मुमुक्षु मुंबई और अहमदाबाद से यहां आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरिश्वरजी के आशीर्वाद लेने बेंगलूरु आए है। संगठन के ही रजत सोनेगरा ने मुमुक्षुओं का परिचय दिया। कुमारापार्क जैन संघ के प्रकाश कोठारी ने गच्छाधिपति आचार्य श्री युगभूषणसूरीश्वरजी द्वारा किये जा रहे शास्त्र एवं तीर्थ संरक्षण के कार्यों की सराहना की। संचालन निक्की कोठारी ने किया। संघ के उपाध्यक्ष गौतम सुरणा ने बताया कि हर वर्ष सैकड़ों युवक-युवतियाँ भौतिक चाकाचौंध से प्रभावित हुए बिना सच्चे सुख की प्राप्ति के लिए भगवान महावीर के बताए हुए दीक्षा धर्म को स्वीकार कर अन्यों को भी कल्याण के मार्ग पर आरूढ़ होने की प्रेरणा देते हैं। दीक्षा जीवन का प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु पिछले कुछ वर्षों से गुरुकुलवास में आराधना - अभ्यास कर रहे अहमदाबाद के जय शाह (19) व मोक्षा शाह (19), मुम्बई के निशांत दोशी (24), यश्वी जैन (21) और दृष्टि शाह (14) इन 5 मुमुक्षुओं की दीक्षा 16 नवंबर को गच्छाधिपति आचार्य श्री युगभूषणसूरीश्वरजी के हाथों मुम्बई में संपन्न होगी।

कला और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए जगह उपलब्ध कराया जाएगा: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि जगन्नाथ बलाग और कला एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित मसादा माधुर्य कार्यक्रम नेक इरादे से आयोजित किया गया है। हम यहाँ 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं।

बुजुर्गों की इच्छा के अनुसार यहाँ एक सार्थक उत्सव मनाया जा रहा है कि कला और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए जगह हो और आम जनता यहाँ आए-जाए।

वे भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन के पास मसादा माधुर्य 100 समारोह जुलूस के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। प्रदेश भाजपा प्रभारी डॉ. राधा मोहनदास अग्रवाल ने कला और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे बेहद अनूठा बताया। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने जुलूस का उद्घाटन किया और अपनी शुभकामनाएँ दीं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक ने महीने भर चलने वाले इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गुड़िया नृत्य, कंसले, यक्षगान, पटकुनिता, नादस्वर, गुड़िया, कीलुकुद्रे, तमते वाद्य, चंदे, रथ के साथ शुरू हुई शोभायात्रा ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और भाजपा कार्यालय जगन्नाथ भवन से तेलुगु विज्ञान समिति श्री कृष्ण देवराय हॉल तक गई। भाजपा राज्य सह-प्रभारी डॉ. सुधाकर रेड्डी, विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, पूर्व मंत्री और भाजपा राज्य उपाध्यक्ष एन. महेश, राज्यसभा सदस्य जग्गेश, भाजपा राज्य महासचिव नंदीश रेड्डी, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, मसाडा माधुर्य कार्यक्रम के संयोजक दत्तगुरु हेगड़े, भाजपा कला और सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की संयोजक रूप अय्यर, सह-संयोजक एच.ए. आत्मानंद और सभी सदस्य उपस्थित थे।

बस मालिक की हत्या के सिलसिले में तीन गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
पुलिस ने 27 सितंबर को मालपे थाना क्षेत्र में हुई निजी बस मालिक सैफुद्दीन की हत्या के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मोहम्मद फैसल खान (27), निवासी मिशन कंपाउंड, मोहम्मद शरीफ (37), निवासी करमबल्ली और अब्दुल शुकूर (43), निवासी कटिपल्ला के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। यह अभियान उडुपी उप-मंडल पुलिस उप-निरीक्षक डी. टी. प्रभु के मार्गदर्शन और मालपे क्षेत्र निरीक्षक रामचंद्र नायक के नेतृत्व में, मालपे थाने के पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार डी और उनकी टीम की सक्रिय भागीदारी में चलाया गया।

करूर भगदड़ मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के नेतृत्व में हो: सुधाकर रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के राज्य सह-प्रभारी सुधाकर रेड्डी ने कहा कि तमिलनाडु के करूर में विजय की पार्टी की रैली के दौरान हुई भगदड़ और 39 लोगों की मौत बेहद दुखद है। ईश्वर मृतकों के परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इलाज करा रहे सभी लोग शीघ्र स्वस्थ हों, यही प्रार्थना है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस घटना की विस्तृत जाँच सुप्रीम कोर्ट के कार्यरत न्यायाधीशों द्वारा की जानी चाहिए। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों द्वारा नहीं। इस घटना के लिए कार्यक्रम के आयोजक और अधिकारी जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि 10 हजार लोगों के लिए परमिट वाले इस कार्यक्रम में एक लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए थे। उन्होंने माँग की कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में बेंगलूरु में भी भगदड़ मची थी।

मुख्यमंत्री ने कृष्णा-भीमा नदी के तटों पर बाढ़ की स्थिति और बचाव एवं राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
भीमा नदी और बेनेटोरा के तटों पर बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राजस्व मंत्री और संबंधित अधिकारियों को कड़ी निगरानी रखने और आवश्यक बचाव एवं राहत कार्य करने के निर्देश दिए हैं। जिले में लगातार हो रही बारिश और कृष्णा नदी पर महाराष्ट्र के उजनी और नीरा जलाशयों से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। इस संदर्भ में, मुख्यमंत्री ने राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, राज्य सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और कलबुर्गी के जिला कलेक्टर को आवश्यक बचाव एवं राहत कार्य करने के निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर और जिला मुख्य कार्यकारी अधिकारी व्यक्तिगत रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करें और तत्काल कार्रवाई करें, और जिला प्रभारी सचिव तुरंत जिले का दौरा करें, स्थिति का आकलन करें और जिला प्रशासन को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दें। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव और जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव को घटनास्थल का दौरा करने और मानव, मवेशी और पशुधन की जान-माल की हानि रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने एहतियाती कदम उठाते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि लोगों और मवेशियों की जान न जाए, इसके लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए और पीड़ितों के लिए भोजन केंद्र और मवेशियों के लिए आवश्यक चारा उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बेंगलूरु में शहर के चौराहों और सड़कों का निरीक्षण किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि बरसात के मौसम में सड़कों पर गड्ढे बढ़ गए हैं और उन्हें ठीक करके सड़कों को चलने लायक बनाने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। उन्होंने रविवार को बेंगलूरु शहर की सड़कों की स्थिति का आकलन करने के लिए शहर का दौरा करने के बाद मीडिया से बात की।

शहर की सड़कों पर गड्ढे बंद करने के निर्देश दिए गए हैं और यह काम उच्च गुणवत्ता का होना चाहिए। सड़क की मरम्मत के घटिया काम के कारण संबंधित कार्यकारी अभियंता को निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है क्योंकि उन्होंने गड्ढों को बिना तारकोल डाले वैसे ही छोड़ दिया था। हेनूर रोड पर सड़क की सफेदी का काम चल रहा है और सड़क के रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार की है। सरकार 5 किलोमीटर सड़क के काम पर प्रति किलोमीटर 13 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। सड़क का काम पूरा करने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। उन्होंने कहा कि सड़कों को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि गड्ढे न रहें। भाजपा शासन में सड़कों की मरम्मत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सड़कों के निरीक्षण के कारण गड्ढों को बंद कर दिया गया और गड्ढों के कारण सड़क दुर्घटनाएँ हो रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह सच है कि गड्ढे हैं। लेकिन अगर भाजपा सरकार के दौरान इन गड्ढों की मरम्मत की गई होती, तो सड़कों की यह हालत नहीं होती। उन्होंने कहा कि मानसून समाप्त होने से पहले गड्ढों को बंद करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँगे। उन्होंने सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा सर्वेक्षण में किसी के भी शामिल न होने के आह्वान का जवाब दिया और सर्वेक्षण को रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। सर्वेक्षण न्यायालय के निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग 10 लाख लोगों का सर्वेक्षण पहले ही पूरा हो चुका है। अपशिष्ट प्रबंधन समस्या के बारे में एक पत्रकार के प्रश्न का उत्तर देते हुए, उन्होंने कहा कि सड़कों पर बिना उपचारित किया गया कचरा पड़ा है और इसे शीघ्र हटाने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा संबंधित आयुक्तों और इंजीनियरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गीता शिवराजकुमार ने चुनावी राजनीति छोड़ी

अब दोबारा चुनाव नहीं लड़ेंगी

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
अभिनेत्री और पूर्व कांग्रेस लोकसभा उम्मीदवार गीता शिवराजकुमार ने एक स्पष्ट और निर्णायक बयान में घोषणा की है कि वह अब कोई भी चुनाव नहीं लड़ेंगी, जो चुनावी राजनीति से एक महत्वपूर्ण विदाई है। कन्नड़ सिनेमा के दिग्गज डॉ. राजकुमार की बहू और अभिनेता शिवराजकुमार की पत्नी गीता ने शिवमोग्गा जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्वेता बंदी के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान यह घोषणा की। गीता ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा बस, बहुत हो गया। मैं अब और चुनाव नहीं लड़ूँगी। लेकिन मैं आप सभी के साथ खड़ी रहूँगी। अगले चुनावों में प्रचार के लिए मैं जरूर वापस आऊँगी। उनकी यह टिप्पणी 2024 के लोकसभा चुनावों में शिवमोग्गा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के ठीक एक साल बाद आई है, जहाँ उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। नतीजों के बावजूद, उनकी सेलिब्रिटी पृष्ठभूमि और क्षेत्र में कांग्रेस के प्रभाव को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के कारण उनकी उम्मीदवारी ने काफी ध्यान आकर्षित किया था। गीता इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनावों में हार गई थीं, जब उन्होंने शिवमोग्गा से जेडी(एस) उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। उस झटके के बावजूद, वह स्थानीय राजनीति में एक सार्वजनिक हस्ती बनी रहीं और बाद में उन्होंने अपनी निष्ठा बदलकर 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के झंडे तले चुनाव लड़ा। जन सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, गीता ने कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा ने भले ही एक अलग मोड़ ले लिया हो, लेकिन पार्टी और उसके लोगों के प्रति उनका समर्थन अब भी मजबूत है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर एक सशक्त संदेश देते हुए कहा महिलाएँ कमजोर नहीं हैं, हर महिला सशक्त है। अगर उन्हें शक्ति और अवसर दिया जाए, तो महिलाएं कुछ भी कर सकती हैं। जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं को दिए एक सीधे संदेश में, गीता ने उन्हें स्थानीय स्तर पर सरकारी सहायता प्राप्त करने और समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। अगर आपको कोई समस्या या कठिनाई है, तो मंत्री मधु बंगारप्पा से संपर्क करें। उन्हें जवाबदेह बनाएँ और सुनिश्चित करें कि आपका काम हो।

गीता का बयान शिवमोग्गा में कांग्रेस के स्थानीय नेतृत्व की गतिशीलता में एक नया आयाम जोड़ता है। चुनाव लड़ने से दूर होने के बावजूद, पार्टी की गतिविधियों - खासकर चुनाव प्रचार - में उनकी निरंतर भागीदारी से पता चलता है कि वे पार्टी के भीतर एक प्रमुख व्यक्ति बनी रहेंगी। फिर से चुनाव न लड़ने का उनका फैसला इस क्षेत्र में भविष्य में उम्मीदवारों के चयन की रणनीतियों को भी प्रभावित कर सकता है, खासकर यह देखते हुए कि कांग्रेस पारंपरिक राजनीतिक पृष्ठभूमि से परे मतदाताओं को जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

केएसआरटीसी को 9 श्रेणियों में मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सड़क परिवहन निगम ने भारतीय जनसंपर्क बोर्ड द्वारा आयोजित 15वें विश्व संचार सम्मेलन और उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 में 9 श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं।

केएसआरटीसी ने डिजिटल मीडिया इनोवेशन और हाउस जर्नल प्रिंट (क्षेत्रीय) श्रेणी में स्वर्ण पदक, हेल्थकेयर कम्युनिकेशन फिल्स श्रेणी में रजत पदक और अपने उत्कृष्ट मानव संसाधन कार्यक्रम के लिए कांस्य पदक जीते। केएसआरटीसी की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये पुरस्कार ग्राहक सेवा उत्कृष्टता, बैंडिंग, वेबसाइट और माइक्रोसाइट, कॉर्पोरेट फिल्स, मार्केटिंग अभियान और आंतरिक संचार अभियान श्रेणियों में दिए जाएँगे। ये उपलब्धियाँ आधुनिक तकनीक, नवीन गतिविधियों और प्रभावी जनसंपर्क कार्यों में राष्ट्रीय स्तर पर निगम की सिद्ध क्षमता का प्रमाण हैं। गोवा के एक निजी होटल में आयोजित पुरस्कार समारोह में, गोवा विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. गणेश गांवकर, अभिनेत्री एवं गायिका एस्थर वैलेरी नोरोन्हा, अभिनेता एवं मॉडल मिलिंद तेंदुलकर और पीआरसीआई अध्यक्ष एम.बी. जयराम ने पुरस्कार प्रदान किए। केएसआरटीसी की ओर से तुमकुरु डिवीजन के डिवीजनल कंट्रोलर चंद्रशेखर और चिक्कबल्लापुर डिवीजन के डिवीजनल कंट्रोलर बसवराजू ने पुरस्कार ग्रहण किए।

भारी बारिश के मुद्दे पर सरकार ने आँखें मूँद लीं

करोड़ों श्रद्धालुओं की श्रद्धा और भावनाएँ आहत: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार के मूर्खतापूर्ण फैसले से श्रीक्षेत्र धर्मस्थल के करोड़ों श्रद्धालुओं की श्रद्धा और भावनाएँ आहत हुई हैं। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा करोड़ों श्रद्धालुओं वाले पवित्र धर्मस्थल के बारे में सड़क पर चल रहे एक व्यक्ति के बयान के आधार पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। इस बीच, गलत सूचनाएँ फैलाई जा रही हैं। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से सवाल किया कि इस नुकसान की भरपाई कौन कर सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने किए को सही बता

रहे हैं, लेकिन यह सही नहीं है। दावणगेरे में कुछ उपद्रवियों और देशद्रोहियों ने दलितों के घरों पर पथराव किया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इससे भय का माहौल पैदा हो गया है। उत्तरी कर्नाटक के लोग और किसान भारी बारिश से जूझ रहे हैं, वे संकट में हैं। गरीबों ने अपने घर खो दिए हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि राज्य सरकार इस मामले में आँखें मूंद रही है। जब भाजपा सरकार सत्ता में थी, तब येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री रहते हुए केंद्र सरकार के एनडीआरएफ दिशानिर्देशों से ज्यादा मुआवजा दिया था। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से भी मुआवजा दिया था। हालाँकि, उन्होंने सिद्धरामैया सरकार की आलोचना की कि वह हाथ पर हाथ धरे बैठी रही और केंद्र सरकार द्वारा मुआवजा दिए जाने का इंतजार करती रही। तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ में 39 से ज्यादा लोगों की मौत की त्रासदी बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों की मौत बेहद दर्दनाक है। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कर्नाटक के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हाल ही में हुई भगदड़ आज भी हमारी आँखों के सामने है। यह घटना नहीं होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को उचित कार्रवाई करनी चाहिए। हमने जाति जनगणना के बहिष्कार पर पार्टी की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता बैठकर इस पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने धर्म वाले कॉलम में हिंदू का उल्लेख करने का स्पष्ट निर्णय लिया है।

नवरात्रि पर बॉलीवुड डांडिया नाइट का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नवरात्रि के पावन अवसर पर अग्रवाल समाज कर्नाटक एवं अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन कर्नाटक द्वारा बॉलीवुड डांडिया नाइट 2025 का भव्य आयोजन प्रिंसेस श्राइन, पैलेस ग्राउंड्स में किया गया। इस रंगारंग उत्सव में लगभग 2400 लोगों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं गणेश वंदना से हुई, जिसमें अग्रवाल समाज कर्नाटक के अध्यक्ष सुभाष बंसल एवं अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन कर्नाटक के अध्यक्ष आर. पी. रविशंकर सहित दोनों संस्थाओं के पदाधिकारी एवं गणमान्य अतिथि शामिल हुए। इसके पश्चात दुर्गा आरती का आयोजन हुआ, जिसमें कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। मंच संचालन की जिम्मेदारी ऋतु अग्रवाल एवं ममता अग्रवाल ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से निभाई। प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर बॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका शिबानी कश्यप ने अपनी टीम के साथ गरबा और डांडिया के लोकप्रिय गीतों पर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद डीजे सीड के डिस्को डांडिया ट्रैक्स ने माहौल को और भी रोमांचक बना दिया। कार्यक्रम में माँ दुर्गा के नौ रूपों को दर्शाता हुआ एक सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। बच्चों और बड़ों के लिए सेल्फी बूथ्स विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

कार्यक्रम में सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर केया होम्स को कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक के रूप में उनके सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया। साथ ही, गोल्डन फार्म्स रिसॉर्ट्स द्वारा प्रायोजित बम्पर लकी ड्रा में विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। विभिन्न श्रेणियों जैसे बेस्ट डांसर, बेस्ट ड्रेस, दमदार जोड़ी, एनर्जेटिक डांसर आदि में भी विजेताओं को सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन में पारंपरिक संस्कृति और आधुनिक मनोरंजन का सुंदर समन्वय देखने को मिला। रंग-बिरंगे परिधानों, उत्साह से भरे चेहरों और गरबा की ताल पर थिरकते कदमों ने माहौल को जीवंत बना दिया। यह कार्यक्रम न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव था, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ जोड़ने का एक प्रेरणादायक प्रयास भी रहा। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी उपस्थित जनों को इस आयोजन की शोभा बढ़ाने के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। लगभग 5 घंटे तक चले इस सांस्कृतिक उत्सव की सभी ने अत्यंत सराहना की।

राजाजीनगर महिलामंडल को राष्ट्रीय स्तर पर मिला तृतीय पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी के सानिध्य में आयोजित 50वें राष्ट्रीय महिलामंडल अधिवेशन 'उर्ध्वारोहण' में राजाजीनगर महिलामंडल को उषा चौधरी की अध्यक्षता में सत्र 2023 -25 के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कस्बा केटेगरी में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत बेंचेस एवं कन्या सुरक्षा स्तम्भ निर्माण के लिए, जल संरक्षण, कैंसर जागरूकता अभियान के लिए राजाजीनगर महिलामंडल को पुरस्कृत किया गया। प्रेरणा गीत प्रतियोगिता में राजाजीनगर महिलामंडल से रेणु कोठारी को श्रेष्ठ पुरस्कार मिला हैं। राजाजीनगर कन्यामण्डल को भी सत्र 2023-25 के लिए कस्बा क्षेत्र में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। तेरापंथ महिलामंडल राजाजीनगर की पूरी टीम ने मुनि पुलकित कुमार जी, संयमलता जी एवं सोमयशा जी के दर्शन करते हुए उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी चारित्र आत्माओं ने मण्डल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें और आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। निवर्तमान अध्यक्षा उषा चौधरी और लता नवलखा ने सभी चारित्र आत्माओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट की एवं अपनी सम्पूर्ण टीम की बहनों के सहयोग की प्रशंसा करते हुए इस उपलब्धि के लिए उनके प्रति भी आभार प्रकट किया। वर्तमान अध्यक्षा सुनीता कोठारी ने सभी को बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि वह अपनी टीम के साथ इस सत्र में मण्डल को और ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेंगी।

बस और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में तीन युवकों की मौत

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
हल्लिमैसूर थाना क्षेत्र में केएसआरटीसी बस और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान इरफान (25), तरुण (26) और रेवंत (27) के रूप में हुई है।

तीनों बाइक पर सवार थे, तभी होलेनरसीपुर तालुका के एडेगोव-दनहल्ली के पास सामने से आ रही एक बस ने उनकी टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक पलट गई और एक की मौके पर ही मौत हो गई।

दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। खबर मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। घटना के संबंध में हल्लिमैसूर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

नाबालिग से बलात्कार और हत्या के जुर्म में व्यक्ति को मौत की सजा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी की एक अदालत ने जिले के एक गाँव की आठ साल की बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में 28 वर्षीय व्यक्ति को दोषी पाते हुए उसे मौत की सजा सुनाई है। शुक्रवार को, बेलगावी जिला पॉक्सो अधिनियम न्यायालय की न्यायाधीश सी.एम. पुष्पलता ने रायबाग तालुक के परमानंदवाड़ी निवासी भारतेश रावसभा मिर्जी को 2019 में हुए बलात्कार और हत्या के मामले में दोषी ठहराया। दुकान से लौट रही पीड़िता को अपराधी अपने घर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। फिर उसने उसका गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और शव को एक कुएँ में फेंक दिया। पुलिस को खोजी कुत्ते सुजा की मदद से अहम सुराग मिले, जिसने दुकान से घटनास्थल और कुएँ तक लड़की के कदमों का पता लगाया।

मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूरों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर एक सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करें: शिल्पा नाग

चामराजनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपायुक्त शिल्पा नाग ने अधिकारियों को जिले में मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूरों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने और एक सप्ताह के भीतर इस संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए हैं। यहां आयोजित जिला स्तरीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति जागरूकता एवं सतर्कता समिति की बैठक में चामराजनगर में 253 मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूरों की स्थिति पर चर्चा करते हुए, नाग ने बताया कि चामराजनगर और गुंडलुपेट तालुकों में मुक्त कराए गए कुछ बंधुआ मजदूरों की मृत्यु हो गई है, जबकि कुछ अन्य को अभी तक पहचान पत्र और रिहाई प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को भूमि की पहचान करने, उसकी सीमा निर्धारित करने और उसे मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूरों को

सौंपने का निर्देश दिया। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली बैठक में भूमि सौंपने के मुद्दे पर चर्चा की गई थी और इस संबंध में तत्काल कार्रवाई पर भी जोर दिया गया था। अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कि मुक्त बंधुआ मजदूरों को न्याय दिलाने में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, नाग ने कहा कि यदि सरकार के पास जमीन उपलब्ध नहीं है, तो संबंधित सहायक आयुक्त द्वारा कीमत तय करने के बाद आवश्यक जमीन खरीदी जानी चाहिए। मुक्त बंधुआ मजदूरों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने में हो रही देरी पर खेद व्यक्त करते हुए, उपायुक्त ने अधिकारियों से मामले में तेजी लाने को कहा। साथ ही, यदि इन मुक्त बंधुआ मजदूरों को स्वीकृत भूमि पर अन्य व्यक्तियों का कब्जा है, तो उन्हें बेदखल करने और अतिक्रमण हटाने के लिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को लाभार्थियों को भूमि के स्वामित्व के दस्तावेज जारी करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सहायक आयुक्तों, तालुकों के तहसीलदारों और भूमि अभिलेख विभाग के अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर मुक्त बंधुआ मजदूरों की स्थिति पर एक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया और कहा कि 13 अक्टूबर को होने वाली समिति की अगली बैठक से पहले सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जानी चाहिए। बैठक में 2018 में हुई सुलवाड़ी विषाक्तता त्रासदी का मुद्दा भी उठाया गया, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी। नाग ने कहा कि त्रासदी में बचे लोगों के लिए हर तीन महीने में एक बार स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने चाहिए ताकि व्यवस्थित जाँच की जा सके और विलंबित जटिलताओं का पता लगाया जा सके ताकि विषाक्तता से उत्पन्न होने वाले किसी भी दुष्प्रभाव को रोका जा सके। बैठक में उपस्थित चामराजनगर जिला पुलिस अधीक्षक बी. टी. कविता ने जिला स्तरीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति जागरूकता एवं सतर्कता समिति के सदस्यों को इस बात पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया कि तालुकावार कितने अत्याचार के मामले दर्ज किए गए हैं और उनकी जाँच किस चरण में है।

दूसरों के प्रति करुणा और दया का भाव रखना ही धर्म की पहचान: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपासना ने प्रवचन में कहा संसार के प्रत्येक जीव के जीवन में सुख और दुख दोनों आते हैं। यह हमारे अपने ही पूर्वकृत कर्मों का फल है। मनुष्य सुख की खोज बाहर करता है, लेकिन वास्तविक सुख हमारे भीतर ही निहित है। उन्होंने कहा कि प्रभु की वाणी का श्रवण और आत्मावलोकन से ही जीवन में परिवर्तन आता है। दूसरों के प्रति करुणा और दया का भाव रखना धर्म की पहचान है। दुखी के दुख को अपना मानकर उनके सहयोगी बनना ही जीवन की सार्थकता है। साध्वी ने आगे कहा कि मनुष्य के जीवन में कभी पाप का तो कभी पुण्य का पलड़ा भारी रहता है। किंतु जब तक कर्मों का पूरा भुगतान नहीं होता, तब तक कर्म आत्मा का पीछा नहीं छोड़ते। सम्यक्त्व की प्राप्ति के बिना मोक्ष की ओर नहीं बढ़ा जा सकता।

जब जीवन में सम्यक्त्व का बीज बोया जाता है, तभी धर्म का वृक्ष पल्लवित होता है। सुख और दुख हमें हमारे कर्मों के अनुसार ही प्राप्त होते हैं। इस अवसर पर श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनि, उपाध्याय प्रवर मूलमुनि एवं भीष्म पितामह सलाहकार सुमतिप्रकाश महाराज का पुण्य एवं जन्म स्मृति दिवस सामायिक आराधना के साथ श्रद्धा से मनाया गया। साध्वी उपासना ने कहा महापुरुष अपने त्याग, तपस्या और वैराग्य से समाज और संसार को आलोकित करते हैं। उनका गुणस्मरण करना अपने आप में सौभाग्य है। उन्होंने बताया कि स्थानकवासी परंपरा में समय-समय पर अनेक युगपुरुषों ने समाज को नई वाणी और नये विचार दिए। महापुरुषों का जीवन भले ही सादा और सरल होता है, परंतु उनकी साधना और आराधना उच्च कोटि की होती है। वे भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, किंतु उनकी प्रेरणाएँ और आदर्श सदा जीवित रहेंगे।

गुणगान स्वरूप संघ मंत्री नेमीचंद दलाल और जसवंत दलाल ने अपने विचार रखे। आभार ज्ञापन संघ अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया। दोपहर में गुरु दर्शन यात्रा संघ 2025 के तत्वावधान में लगभग 400 श्रद्धालु संघ में दर्शनार्थ पधारे और साध्वी निर्मला के दर्शन का लाभ लिया। विशेष प्रवचन में साध्वी उपासना ने कहा कि जीवन में चार बातें अत्यंत दुर्लभ हैं, मनुष्य जन्म, जिनवाणी का श्रवण, धर्म पर श्रद्धा और संयम में पराक्रमपूर्वक आत्मशक्ति का उपयोग। उन्होंने उत्तराध्ययन सूत्र का उल्लेख करते हुए कहा संसार में प्राणी के लिए मनुष्य जन्म, धर्मशास्त्र का श्रवण, धर्म पर श्रद्धा और संयमपूर्वक आत्मशक्ति का उपयोग ये चारों बातें प्राप्त करना अत्यंत कठिन है। साध्वी ने कहा कि हमारी बड़ी पुण्यवानी से हमें साधु-संतों का समागम प्राप्त हुआ है। साधु-संत भगवान की जिनवाणी का उपदेश देकर भव्य आत्माओं को पवित्र मार्ग पर अग्रसर करते हैं। नेमीचंद दलाल ने कहा कि यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और प्रेरणा का अद्भुत संगम बनकर उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्म, सम्यक्त्व और मानवता की ओर अग्रसर करने वाला सिद्ध हुआ है। यह अनोखी पहल आगे भी बनी रहे।

देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती का भव्य महा पूजन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक मंदिर महालक्ष्मी लेआउट में प्रगट प्रभावी श्री माणीभद्रवीरदादा एवं राज राजेश्वरी पद्मावती देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती का भव्य महा पूजन समकित सम्राट परम पूज्य आचार्य श्री विजय प्रभाकर सूरीश्वरजी एवं साध्वी जी तत्वत्रयाश्रीजी की पावन निश्रा में आयोजित की गई। श्रीसंघ के अन्य लाभार्थी भाग्यशाली परिवारों की ओर से महापूजन एवं हवन हर्षोल्लास के साथ धनंजय गुरुजी एवं जिनेश गुरुजी ने पढ़ाया। संगीतकार सुनील परमार एवं बृजेश परमार ने लोगों को झूमाया। जिसमें नरेश बंबोरी, राहुल बंबोरी, रौनक बंबोरी, पंकज गांधी, चेतन झारमुथा, विनोद बंबोरी, दीपक परमार, जवाहर रमानी और मनीष बंबोरी की उपस्थिति रही।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री कांठा प्रांत जैन संघ हैदराबाद तेलंगाना द्वारा हैदराबाद के एक रिसॉर्ट में अखिल भारतीय कांठा प्रात जैन सम्मेलन एवं स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। भारत के विभिन्न राज्यों से कांठा प्रांत के गणमान्य पहुंचे एवं समाज सुधार के विषय पर चर्चा हुई। साथ ही समाज के विकास के लिए योजनाएं बनाई गई। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले कांठा प्रांत के साधकों को सम्मानित किया गया। कर्नाटक के महेंद्र मुणोत, महेंद्र सिंघवी, राजेंद्र गांधी, श्रीपाल खीवेंसरा को कांठा प्रात समाज गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया । चेयरमैन कांतिलाल नाहर, अध्यक्ष मोतीलाल भलगट, उपाध्यक्ष गौतम चंद गुगलिया, नवरतन मल गुंदेचा एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों एवं दानदाताओं को सम्मानित किया।*

मोदी ने की गांधी जयंती पर लोगों से खादी उत्पाद खरीदने की अपील

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हमेशा स्वदेशी अपनाने पर बल दिया जिसमें खादी सबसे प्रमुख थी, इसलिए वह सभी से आग्रह करते हैं कि उनकी जयंती दो अक्टूबर को खादी का कोई न कोई उत्पाद जरूर खरीदें।मोदी ने अपने मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम मन की बात में कहा ' दो अक्टूबर को गांधी जयंती है। गांधी जी ने हमेशा स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया और इनमें खादी सबसे प्रमुख थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद, खादी की रौनक कुछ फीकी पड़ती जा रही थी, लेकिन बीते 11 साल में खादी के प्रति देश के लोगों का आकर्षण बहुत बढ़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में खादी की बिक्री में बहुत तेजी देखी गई है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि दो अक्टूबर को कोई न कोई खादी उत्पाद जरूर खरीदें। गर्व से कहें ये स्वदेशी हैं। इसे सोशल मीडिया पर हैशटैग 'वोकल फोर लोकल' के साथ साझा भी करें।

उन्होंने कहा कि खादी की तरह ही हमारे हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र में भी काफी

बदलाव देखने को मिल रहा है। आज हमारे देश में ऐसे कई उदाहरण सामने आ रहे हैं, जो बताते हैं कि अगर परंपरा और नवाचार को एक साथ जोड़ दिया जाए, तो अद्भुत परिणाम मिल सकते हैं। जैसे, एक उदाहरण तमिलनाडु के है। यहां अशोक जगदीशन और प्रेम सेल्वाराज ने कारपोरेट नौकरी छोड़ एक नई पहल की। उन्होंने घास और केला फाइबर से योगा मैट बनाए, हर्बल रंगों से कपड़े रंगे, और 200 परिवारों को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा झारखंड के आशीष सत्यव्रत साहू ने जोहारग्राम ब्रांड के जरिए आदिवासी बुनाई और परिधानों को वैश्विक रैम्प तक पहुंचाया है। उनके प्रयासों से आज झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर को दूसरे देशों के लोग भी जानने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार के मधुबनी जिले की स्वीटी कुमारी ने भी 'संकल्प क्रिएशन' शुरू किया है। मिथिला पेंटिंग को उन्होंने महिलाओं की आजीविका का साधन बना दिया है। आज 500 से ज्यादा ग्रामीण महिलायें उनके साथ जुड़ी हैं और आत्मनिर्भरता की राह पर हैं। सफलता की ये सभी गाथाएं हमें सिखाती हैं कि हमारी परंपराओं में आय के कितने ही साधन छिपे हुए हैं। अगर इरादा पक्का हो, तो सफलता हमसे दूर नहीं जा सकती।

भगत सिंह युवाओं के लिए एक प्रेरणापुंज : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शहीद- ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए रविवार को कहा कि वह हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणापुंज है। श्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम मन की बात में कहा 'आज के दिन के साथ कुछ विशेषताएं भी जुड़ी हैं। आज भारत की दो महान विभूतियों की जयंती है। मैं बात कर रहा हूँ, शहीद भगत सिंह और लता दीदी की। अमर शहीद भगत सिंह, हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणापुंज है। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूट कर भरी थी। देश के लिए फांसी के फंदे पर झूलने से पहले भगत सिंह ने अंग्रेजों को एक पत्र भी लिखा था। उन्होंने कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप मुझे और मेरे साथियों से युद्धबंदी जैसा व्यवहार करें। इसलिए हमारी जान फांसी से नहीं, सीधा गोली मार कर ली जाए। यह उनके अदम्य साहस का प्रमाण है। भगत सिंह लोगों की पीड़ा के प्रति भी बहुत संवेदनशील थे और उनकी मदद में हमेशा आगे रहते थे। मैं शहीद भगत सिंह जी को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा 'आज लता मंगेशकर की भी जयंती है। भारतीय संस्कृति और संगीत में रुचि रखने वाला कोई भी उनके गीतों को सुनकर अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता। उनके गीतों में वो सब कुछ है जो मानवीय संवेदनाओं को झकझोरता है। उन्होंने देशभक्ति के जो गीत गाए, उन गीतों ने लोगों को बहुत प्रेरित किया। भारत की संस्कृति से भी उनका गहरा जुड़ाव था। मैं लता दीदी के लिए हृदय से अपनी श्रद्धांजलि प्रकट करता हूँ। साथियों, लता दीदी जिन महान विभूतियों से प्रेरित थीं उनमें वीर सावरकर भी एक हैं, जिन्हें वो तात्या कहती थीं। उन्होंने वीर सावरकर के कई गीतों को भी अपने सुरों में पिरोया। प्रधानमंत्री ने कहा 'लता दीदी से मेरा स्नेह का जो बंधन था, वो हमेशा कायम रहा। वो मुझे बिना भूले हर साल राखी भेजा करती थीं। मुझे याद है मराठी सुगम संगीत की महान हस्ती सुधीर फड़के जी ने सबसे पहले लता दीदी से मेरा परिचय कराया था और मैंने लता दीदी को कहा कि मुझे आपके द्वारा गाया और सुधीर जी द्वारा संगीतबद्ध गीत 'ज्योति कलश छलके' बहुत पसंद है।'

दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट समेत कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल से हड़कंप

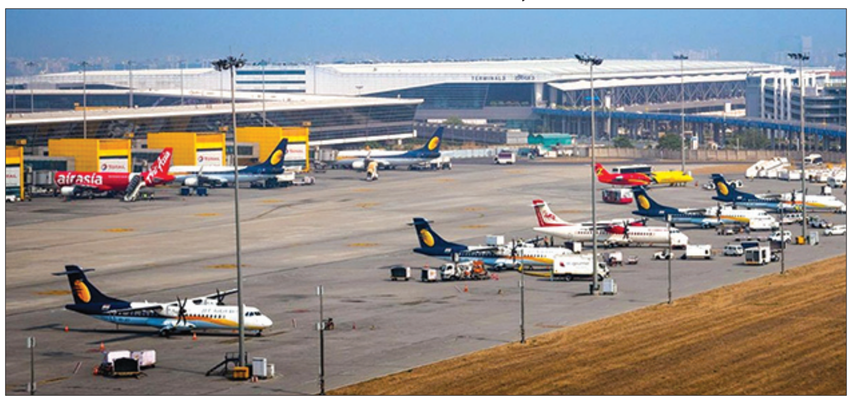

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम की धमकी वाला एक ईमेल मिला, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आईजीआई के अलावा, शहर के कुछ स्कूलों और कई अन्य संस्थानों को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले हैं। ये ई-मेल सुबह लगभग 6 बजे के आसपास भेजे गए। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि धमकी अस्पष्ट थी और इससे हवाई अड्डे के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

बम की धमकियों का यह नया सिलसिला उसी दिन शुरू हुआ जब इससे पहले दिल्ली के दो स्कूलों को भी इसी तरह के ईमेल मिले थे, जिन्हें बाद में अफवाह घोषित कर दिया गया।

पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन स्कूलों को ये धमकियां मिलीं, उनमें द्वारका स्थित सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल और कुतुब मीनार के पास एक सर्वोदय विद्यालय शामिल थे। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस दल, अग्निशमन कर्मी और बम निरोधक इकाइयों को तुरंत प्रभावित स्कूलों में तैनात किया गया था। हालांकि, तलाशी अभियान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

गौरतलब है कि हाल के महीनों में दिल्ली और उसके आसपास के विभिन्न संस्थानों को निशाना बनाकर बम की धमकी वाले ईमेल की बाढ़ आ गई है, और जांच के बाद अब तक ये सभी धमकियां अफवाह ही साबित हुई हैं।

भाजपा-आरएसएस के निशाने पर है लद्दाख : राहुल

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमला करते हुए रविवार को कहा कि लद्दाख के लोग, परंपरा और संस्कृति इनके निशाने पर हैं।

कांग्रेस नेता ने प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों के मारे जाने को 'हत्या' करार देते हुए कहा कि सोच समझकर लद्दाख की संस्कृति, परंपरा और वहां के लोगों की 'हत्या' की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की आवाज दबाई जा रही है इसलिए ही सोनम वांग्चुक को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। श्री गांधी ने कहा लद्दाख के अद्भुत लोग, संस्कृति और परंपराएं भाजपा और आरएसएस के निशाने पर हैं।

लद्दाखियों ने आवाज़ उठाई। भाजपा ने जवाब में चार युवकों की हत्या कर दी और सोनम वांग्चुक को जेल में डाल दिया। उन्होंने आगे कहा हत्या बंद करो। हिंसा बंद करो। धमकी बंद करो। लद्दाख को आवाज़ दो। उन्हें छठी अनुसूची दो।

ईडब्ल्यूएस घोटाले-छेड़छाड़ मामले में 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया फर्जी बाबा चैत्यानंद सरस्वती

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की टीम ने ईडब्ल्यूएस छात्रवृत्ति घोटाले और छेड़छाड़ के आरोपी पार्थ सारथी उर्फ चैत्यानंद सरस्वती को रविवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी पार्थ सारथी पर ईडब्ल्यूएस छात्रवृत्ति के तहत पीजीडीएम पाठ्यक्रम कर रही छात्राओं से कथित तौर पर छेड़छाड़ और जालसाजी का गंभीर आरोप है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने पार्थ सारथी उर्फ चैत्यानंद सरस्वती को कल (शनिवार) देर रात आगरा के एक होटल से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने अदालत से विस्तृत पूछताछ और मामले से संबंधित और सबूत जुटाने के लिए हिरासत की मांग की थी, जिसके बाद पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपी को 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच करेगी।

करूर भगदड़ में 40 मौतें, रिटायर्ड जज अरुणा जगदीशन ने जांच शुरू की

चेन्नई, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) नेता और अभिनेता विजय की चुनावी रैली में शनिवार शाम मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

राज्य सरकार द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश अरुणा जगदीशन ने इस भीषण हादसे की विस्तृत जांच के लिए रविवार को भगदड़ स्थल का दौरा किया। न्यायाधीश अरुणा जगदीशन ने कहा, 'कमियों को दूर करने के लिए आयोग का गठन किया गया है। भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।'

करूर कलेक्टर ने एडीजीपी (कानून व्यवस्था) एस डेविडसन देवसिरवथम के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया, 'भगदड़ में अब तक

कुल 40 लोगों की मौत हो चुकी है।'

उन्होंने आगे बताया, 'मुख्यमंत्री रात में तुरंत पहुंचे और घायलों के उचित इलाज के आदेश दिए। उन्होंने मृतकों के लिए 10 लाख रुपये और इलाज करा रहे लोगों के लिए 1 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। अस्पताल में एक हेल्प डेस्क खोला गया है... तमिलनाडु सरकार ने और मौतें रोकने के लिए कदम उठाए हैं।'

यह त्रासदी तब हुई जब टीवीके प्रमुख विजय एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे और अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे यह बड़ा हादसा हुआ।

टीवीके ने करूर भगदड़ की सीबीआई या एसआईटी से जांच कराने की मांग की

चेन्नई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की करूर में हुई रैली में 39 निर्दोष लोगों की जान लेने वाली हृदय विदारक भगदड़ की घटना के एक दिन बाद टीवीके ने मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया और घटना की सीबीआई या विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की। घायल पीड़ितों में से एक ने अभिनेता से राजनेता बने विजय की रैली पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए एक और याचिका दायर की है। रविवार और अदालत की छुट्टी होने के कारण टीवीके के वरिष्ठ पदाधिकारी निर्मल कुमार ने दोपहर न्यायमूर्ति धंदापडी के समक्ष उनके आवास पर घटना की सीबीआई या एसआईटी जांच की मांग की। मीडिया से बातचीत करते हुए निर्मल कुमार ने कहा कि इस मामले की सुनवाई मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै खंडपीठ द्वारा सोमवार को दोपहर 14:15 बजे की जाएगी। याचिका में उन्होंने इस दुखद घटना के पीछे पथराव और साजिश का आरोप लगाया और विस्तृत जांच की मांग की। इस बीच भगदड़ में घायल हुए लोगों में से एक सेंथिल कन्नन ने मद्रास उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर विजय की रैली पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इस मामले की सुनवाई रविवार की शाम में होने की उम्मीद है। सेंथिल कन्नन ने याचिका में कहा है कि ऐसे आयोजनों में आने वाले लोगों के लिए पर्याप्त एहतियाती और सुरक्षा उपाय किए बिना रैली की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।गौरतलब है कि तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक और अभिनेता-राजनेता विजय द्वारा कल रात करूर में आयोजित एक राजनीतिक आउटरीच रैली में हुई भगदड़ में 40 लोगों की मौत हो गई।

मोहन भागवत ने नागपुर में आरएसएस के पथ संचलन का निरीक्षण किया

नागपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शनिवार को यहां संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में स्वयंसेवकों के वार्षिक पथ संचलन का निरीक्षण किया। आरएसएस की स्थापना केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में नागपुर में की थी। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले भी उपस्थित थे। वैसे तो पारंपरिक रूप से

आरएसएस का पथ संचलन विजयादशमी या दशहरा के अवसर पर आयोजित किया जाता है, लेकिन इस वर्ष इसे त्योहार से कई दिन पहले निकाला गया। अलग-अलग पथ संचलन तीन स्थानों(कस्तूरचंद पार्क, यशवंत स्टेडियम और विदर्भ हॉकी ग्राउंड) से शुरू हुए और वेरायटी स्कायर पर एकत्रित हुए, जहां भागवत ने मंच से संयुक्त पंथसंचलन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर भागवत ने संघ प्रार्थना की ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी की। संघप्रमुख ने अपने संबोधन में कहा, संघ प्रार्थना भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण की अभिव्यक्ति है। यह इस बात की प्रार्थना है कि हम देश को क्या दे सकते हैं और फिर ईश्वर से प्रार्थना है कि वह हमें देश की सेवा करने में मदद करें।

यूपी रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) का फैसला

सात हजार करोड़ की 21 रियल एस्टेट परियोजनाएं मंजूर

लखनऊ, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

यूपी रेरा ने सात हजार करोड़ की 21 रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इससे 10866 नई आवासीय व वाणिज्यिक इकाईयां जुड़ेंगी। बड़े शहरों के साथ बाराबंकी जैसे जिले भी उभरकर सामने आए हैं। इससे प्रदेश में समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) की शनिवार को संजय भूसरेड्डी

की अध्यक्षता में आयोजित 184वीं बैठक में 21 नई रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इन परियोजनाओं में 7035 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इनके माध्यम से कुल 10866 नई इकाइयां बनाई जाएंगी। इनमें फ्लैट्स, अपार्टमेंट्स, विला, प्लॉट्स तथा दुकानों और अन्य वाणिज्यिक स्थल शामिल होंगे।

मंजूर की गई परियोजनाएं उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख शहरों और उभरते क्षेत्रों में फैली हुई हैं। जहां गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, लखनऊ, मथुरा, आगरा, बरेली और वाराणसी जैसे पारंपरिक हब लगातार विकास का केंद्र बने हुए हैं। वहीं बाराबंकी जैसे नए जिले अब तेजी से राज्य के रियल एस्टेट नक्शे पर उभर रहे हैं। यह व्यापक भौगोलिक फैलाव को दर्शाता है। इन परियोजनाओं में एक हिस्सा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सुरक्षित रखा गया है। इससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। इन परियोजनाओं से होने वाला 7035 करोड़ का निवेश राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालेगा। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने कहा कि 21 परियोजनाओं की मंजूरी और लगभग 11 हजार नई इकाइयों की बढ़ोतरी उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट क्षेत्र की मजबूती को दर्शाती हैं।

लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और रूपा ने आठ माह में पचास हजार किलोमीटर की समुद्री यात्रा तय की

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा समुद्री मार्ग के जरिये कई देशों की यात्रा पूरी करने वाली पहली भारतीय महिलायें हैं।

लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के. केरल के कोझिकोड के परम्बिल कडावु गांव की रहने वाली हैं। दिलना के पिता दिवंगत टी. देवदास भी पूर्व सैन्य अधिकारी रहे हैं। उनके पति लेफ्टिनेंट कमांडर धनेश कुमार भी नौसेना अधिकारी हैं। लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना को 2014 में लॉजिस्टिक्स अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। वह एनसीसी कैडेट भी रहीं हैं।

वहीं, लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा अलागिरिसामी पुडुचेरी की मूल निवासी हैं। इनके पिता अलागिरिसामी जीपी वायु

सेना में पायलट रहे हैं। लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा 2017 में नौसेना के आयुध कैडर में शामिल हुयी थीं।

दोनों अधिकारियों की नाविका सागर परियोजना के दूसरे चरण की यात्रा दो अक्टूबर 2024 से गोवा से शुरू हुई जो 29 मई 2025 को समाप्त हुई थी। इस यात्रा में 238 दिन लगे और इस जहाज पर सिर्फ दो महिला अधिकारी ही मौजूद थीं। दोनों ने करीब आठ माह में 50 हजार किलोमीटर की समुद्री यात्रा तय की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात की 126 वीं कड़ी में देश को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने नवरात्र में देवी स्वरूपा शक्ति की उपासना का उदाहरण देते हुए नौसेना की दो जांबाज अधिकारियों की आठ महीने तक समुद्री यात्रा को अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन बताया।

बिहार को तीन नई अमृत भारत और चार पैसेंजर ट्रेनों की सौगात

पटना, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार को आधुनिक रेल संपर्क के क्षेत्र में एक और बड़ी सफलता मिलने वाली है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना जंक्शन से राज्य को सात ट्रेनें 29 सितंबर को समर्पित करेंगे। जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। मध्यम वर्ग और आम लोगों के बीच एक लोकप्रिय ट्रेन के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुकी अमृत भारत एक्सप्रेस, वर्तमान में देश भर में 12 ट्रेनें चल रही है, जिनमें से 10 बिहार से चलती हैं। तीन और अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के शुरू होने के साथ कुल संख्या 15 हो जाएगी। जिनमें से 13 बिहार से चलेंगी।

पुराना दंगाई है तौकीर रजा, 2010 के दंगे का भी है आरोपी

दंगाई मौलाना पर होगी सख्त कार्रवाई: एसएसपी

मौलाना पर दर्ज पांच मुकदमों की फाइल कोर्ट से गायब

बरेली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

मार्च 2010 को बरेली के लोग नहीं भूलेंगे। पूरे महीने शहर दंगों की आग में झुलसता रहा था। उस समय प्रेमनगर, कोतवाली, बारादरी और किला थाना क्षेत्रों में कई दिन तक कर्फ्यू लगाना पड़ा था। पुलिस ने 42 मुकदमों में 183 लोगों को नामजद किया, लेकिन एफआईआर में मौलाना तौकीर रजा खां का नाम शामिल नहीं किया गया था। तत्कालीन बसपा सरकार ने साजिशकर्ता की पहचान की जिम्मेदारी आईजी सिक्योरिटी आरपी सिंह को दी। उनकी जांच रिपोर्ट पर मौलाना को आठ मार्च को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, लेकिन उसे 11 मार्च को जमानत मिल गई। इसके बाद शहर फिर से धधक उठा था।

दो मार्च 2010 को जुलूस-ए-मोहम्मदी के दौरान प्रेमनगर थाना क्षेत्र के गुद्दड़बाग इलाके से शुरू हुए दंगे ने पूरे शहर को चपेट में ले लिया था। हिंसा, आगजनी, फायरिंग और पथराव के बीच चार थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाना पड़ा था। मौलाना की गिरफ्तारी के बाद उनके खानदान के लोग धरने पर बैठ गए थे। जिले में गिरफ्तारियां दी जाने लगी थीं। हिंसक घटनाएं, आगजनी भी होने लगी थी।

तत्कालीन डीजीपी करमवीर सिंह और प्रमुख सचिव गृह फतेह बहादुर कई दिन बरेली में डेरा डाले रहे। मौलाना की रिहाई के बाद 12 और 13 मार्च को फिर शहर में हिंसा और आगजनी हुई थी।

आईजी सिक्योरिटी आरपी सिंह बरेली में डीआईजी रह चुके थे। दंगों के बीच वह पांच मार्च को ही साजिशकर्ताओं की पहचान करने बरेली पहुंच गए थे। तीन दिन की गोपनीय जांच में मौलाना समेत उसके 22 करीबियों के नाम प्रकाश में आए थे। उन्होंने अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी थी। इसके बाद ही पहली बार मौलाना की गिरफ्तारी हुई थी। दो दिन बाद ही जमानत मिलने के बाद मौलाना और उसके समर्थकों के हौसले बुलंद हो गए थे। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन पर दर्ज पांच मुकदमों से संबंधित पत्रावलियां ही अदालत से गायब हैं। इसका खुलासा तब हुआ, जब शनिवार को मौलाना की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उनका आपराधिक इतिहास खंगालना शुरू किया।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, मौलाना के खिलाफ पहला मुकदमा वर्ष 1982 में कोतवाली थाने में दंगा सहित अन्य आरोपों में दर्ज हुआ था। फिर वर्ष 1987 से 2000 तक आपराधिक विश्वासघात, महिला से दुष्कर्म करने के इरादे से उस पर हमला करने, दंगा और मारपीट सहित अन्य आरोपों में चार मुकदमे दर्ज किए गए। वर्ष 1982 से लेकर 2000 तक मौलाना पर दर्ज पांच मुकदमों से संबंधित फाइलें ही अदालत से गायब हैं। वर्ष 2019 में कोतवाली थाने में मौलाना पर लोकसेवक का आदेश न मानने और आपराधिक धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मुकदमे की विवेचना छह साल बाद भी अधूरी है। वर्ष 2023 में धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में दर्ज मुकदमे के मामले में शासन की अनुमति मिलनी शेष है। शेष चार मुकदमे अदालत में विचाराधीन हैं। इनमें से वर्ष 2010 के बरेली दंगों से संबंधित मुकदमे में हाईकोर्ट से कार्यवाही पर स्थगन आदेश है। सुनवाई की अगली तिथि 14 अक्टूबर है। मौलाना पर दर्ज मुकदमों पर कार्रवाई के संबंध में पूछे जाने पर एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि सभी मामलों की अद्यतन स्थिति की रिपोर्ट तलब कर प्रभावी तरीके से कार्रवाई कराई जाएगी। पुलिस सभी मामलों में अदालत में प्रभावी तरीके से पैरवी कर आरोप साबित करेगी।

योगी सरकार की नई पहल

निवेशकों को घर बैठे मिलेगी एनओसी

20 हजार करोड़ के निवेश का रास्ता साफ

लखनऊ, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

देश में पहली बार यूपी में निवेशकों को घर बैठे एनओसी देने का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। केंद्रीय टीम की सलाह पर इन्वेस्ट यूपी को ये जिम्मेदारी दी गई है। शुरुआत लखनऊ, कानपुर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यीडा और गोरखपुर में एनओसी के इंतजार में अटके करीब 700 निवेश से होगी। इसके लिए 28 रिलेशनशिप मैनेजरों की नियुक्ति की गई है जो प्रत्येक निवेशक के पास जाएंगे और उनसे फाइल लेकर विभागों से एनओसी दिलाएंगे। इस कवायद से तीन महीने में लगभग 20 हजार करोड़ के निवेश जमीन पर उतरने की उम्मीद है।

दरअसल, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) की सचिव मीता आर. लोचन ने निवेश और निवेशकों की समस्याओं को लेकर यूपी के कई जिलों का दौरा किया था। उन्होंने लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर और वाराणसी जैसे जिलों में निवेश की स्थिति परखी थी। इसमें लैंड अप्रूवल यानी जमीन संबंधी अनुमति और विभागों से जारी होने वाले अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) निवेश की राह में दो प्रमुख बाधाएं सामने आई थीं। इन वजहों से छह शहरों में करीब 700 प्रोजेक्ट अटके थे। इसे देखते हुए उन्होंने एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने को कहा था। इसी क्रम में यह यह कवायद शुरू हुई है।

इस संबंध में तैयार रिपोर्ट के मुताबिक जमीन संबंधी तीन तरह की दिक्कतें सामने आईं। पहली, जहां जमीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, वहां निवेशकों की रुचि कम है। दूसरी, जमीन है, लेकिन कृषि भूमि है जिसके लैंड यूज चेंज में तमाम बाधाएं हैं। तीसरी, जमीन ही नहीं है, लेकिन निवेश प्रस्ताव ढेर सारे हैं। इसके अलावा निवेश मित्र के जरिये मिलने वाले एनओसी संबंधी मामले थे। किसी भी इकाई की नींव डालने के लिए कम से कम 8-10 विभागों की एनओसी चाहिए। वहीं, इकाई तैयार होने तक 38 से 40 विभागों की एनओसी की जरूरी होती है। इन बाधाओं को दूर करने और निवेशकों की भागदौड़ खत्म करने के लिए यह पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।

पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत लखनऊ से होगी। यहां 12 हजार करोड़ के 400 निवेश एनओसी के फेर में फंसे हैं। इसके बाद नोएडा, कानपुर, गोरखपुर, यीडा और ग्रेटर नोएडा में इसे लागू किया जाएगा। इन शहरों में आए निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए उद्यमी मित्रों को रिलेशनशिप मैनेजर बनाया गया है। ये मैनेजर निवेशक के पास जाएंगे और उनकी जगह विभागों में जाकर एनओसी सहित सभी आपत्तियों को दूर कराएंगे। इस काम को इन्सटेंट अप्रूवल मेम्बर्स नाम दिया गया है। ये पायलट प्रोजेक्ट तीन माह में सभी छह शहरों में लागू कर दिया जाएगा। इसके लिए लखनऊ और ग्रेटर नोएडा में 5-5, नोएडा, गोरखपुर व यीडा में प्रत्येक में 4 और कानपुर में 6 रिलेशनशिप मैनेजरों की नियुक्ति की गई है।

भाजपा नेता विनय कटियार का बेबाक बयान

अयोध्या में मस्जिद नहीं बनने देंगे

अयोध्या, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे विनय कटियार ने कहा कि पवित्र नगरी अयोध्या में किसी भी मस्जिद के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। विनय कटियार के इस बयान पर अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि देश सभी धर्म के लोगों का है, उन्हें अपने बयान पर विचार करना चाहिए। बाबरी मस्जिद के पैरोकार रहे इकबाल अंसारी ने कहा, हमें धन्नीपुर में मस्जिद नहीं चाहिए। हम खेती करेंगे, अनाज पैदा करेंगे।

विनय कटियार का यह बयान तब आया जब उनसे धन्नीपुर मस्जिद योजना के बारे में सवाल किया गया, जिसे स्थानीय प्रशासन ने अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के अभाव में खारिज कर दिया है।

कटियार ने सख्त लहजे में कहा कि अयोध्या में बाबरी मस्जिद के बदले कोई मस्जिद या किसी अन्य मस्जिद का निर्माण नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि मुसलमानों का अयोध्या से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें यह जिला खाली करके सरयू नदी के पार चले जाना चाहिए।

विनय कटियार ने कहा, हम धन्नीपुर मस्जिद को नहीं जानते हैं। वहां कुछ बनने वाला नहीं है। जो लोग अयोध्या में मस्जिद बनाने की बात कर रहे हैं, वो सब हमारी तरफ से खारिज हैं। अयोध्या राम की नगरी है। यहां सिर्फ राम मंदिर ही रहेगा।

पूर्व सांसद विनय कटियार के बयान के बाद बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने कहा कि धन्नीपुर में मस्जिद की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि वहां पहले से ही बहुत सारी मस्जिदें हैं। उन्होंने कहा कि उस जमीन पर खेती होनी चाहिए। वहां जो भी अनाज पैदा हो, उसे बांटा जाना चाहिए।

ग्राम प्रधान, सचिव और तकनीकी सहायकों की मिलीभगत से

33 जिलों की 238 ग्राम पंचायतों में हुआ मनरेगा घोटाला

संयुक्त आयुक्त ने दिया जांच का आदेश

लखनऊ/कानपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रदेश में मनरेगा योजना के तहत करोड़ों रुपए के घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। 33 जिलों में वित्तीय अनियमितताओं की जांच शुरू की गई है। प्रदेशभर की ग्राम पंचायतों में व्यक्तिगत कार्यों को लेकर मॉनीटरिंग की गई, तो दो लाख रुपए से अधिक का भुगतान करने में प्रदेश के 33 जिलों की 238 ग्राम पंचायतों में धांधली पकड़ी गई है। शासन स्तर से जारी रिपोर्ट में ग्राम प्रधान, सचिव और तकनीकी सहायकों की भूमिका संदिग्ध मिली है।

कानपुर के बिल्हौर और ककवन ब्लॉक की दो ग्राम पंचायतों में मेड़बंदी और चकरोड के नाम पर करीब छह लाख रुपए का भुगतान हुआ, जबकि दो लाख रुपए से अधिक के भुगतान पर रोक है। ऐसा ही घोटाला 33

जिलों की 238 ग्राम पंचायतों में हुआ है। मनरेगा के संयुक्त आयुक्त संजय कुमार ने सीडीओ को पत्र जारी कर कराए गए विकास कार्यों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करके एक सप्ताह में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। मनरेगा योजना के तहत प्रधान और सचिव के पास किसी व्यक्ति का निजी कच्चा काम जैसे मेड़बंदी, खेत समतलीकरण, पौधरोपण, कैटेल शेड, चकरोड निर्माण आदि कार्य कराने का अधिकार है। लेकिन इन कामों में भुगतान सिर्फ दो लाख रुपए तक ही करने का नियम है। इसके बाद भी ब्लॉक में बैठे जिम्मेदार मनमाना भुगतान कर रहे हैं। शासन स्तर से वर्ष 2024-25 में मनरेगा के तहत कराए गए व्यक्तिगत कार्यों में हुए भुगतान की जांच की तो पता चला कि बिल्हौर ब्लॉक की देबीपुर सरई ग्राम पंचायत में मुन्ना सिंह के खेत के चारों तरफ मेड़बंदी और जंगल की सफाई का काम दिखाकर 2.23 लाख का भुगतान किया गया।

ककवन ब्लाक की रहीमपुर विषधन ग्राम पंचायत में हरिपुरवा में रामौतार के घर से मंगू राठौर के खेत तक चकरोड का का काम दिखाकर 3.62 लाख रुपए का भुगतान कर दिया गया। प्रदेश भर की ग्राम पंचायतों में व्यक्तिगत कार्यों को लेकर मॉनीटरिंग की गई, तो दो लाख रुपए से अधिक का भुगतान करने में प्रदेश के 33 जिलों की 238 ग्राम पंचायतों में धांधली पकड़ी गई है। शासन स्तर से जारी रिपोर्ट में ग्राम प्रधान, सचिव और तकनीकी सहायकों की भूमिका संदिग्ध मिली है। शासन के निर्देश हैं कि नियम विरुद्ध तरीके से भुगतान करने वालों की जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए। जिन जिलों में घोटाले का खुलासा हुआ है उनमें अलीगढ़, अमेठी, बलिया, बस्ती, चंदौली, एटा, इटावा, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, फीरोजाबाद, गाजीपुर, गोरखपुर, हरदोई, जालौन, जौनपुर, कानपुर नगर, कासगंज, कौशांबी, खीरी, ललितपुर, महाराजगंज, मैनपुरी, मथुरा, मेरठ, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संत रविदासनगर, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सुल्तानपुर एवं उन्नाव जिले शामिल हैं। सभी जिलों में घोटाले की जांच कर शासन ने रिपोर्ट मांगी है। सीडीओ दीक्षा जैन ने कहा, अभी शासन से जांच कराने का आदेश आया है। अब टीम गठित कर दोनों ग्राम पंचायतों में जांच कराएंगे। गलत तरीके से भुगतान किया गया है तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

नियोजित तरीके से बिगाड़ा गया बरेली शहर का माहौल

हिंसा के लिए नदीम ने जुटाए 1600 लोग

व्हाट्सएप कॉल की छानबीन से हुआ खुलासा

बरेली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

बरेली शहर का माहौल बड़े ही नियोजित तरीके से खराब किया गया। जांच में खुलासा हुआ है कि इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के पूर्व जिलाध्यक्ष नदीम खां ने इसके लिए खतरनाक साजिश रची थी। नदीम ने 55 लोगों को व्हाट्सएप कॉल की थी। इन के जरिए शहर में बवाल कराने के लिए 1,600 लोग जुटाए गए थे। सभी से कहा गया था कि सीएए-एनआरसी के विरोध-प्रदर्शन की तरह ही नाबालिगों को आगे रखना है। उन्हीं लोगों ने खलील स्कूल तिराहे के पास और फिर श्यामगंज में माहौल को बिगाड़ा। अब नदीम भूमिगत है। पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है।

आठ आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उनसे प्रारंभिक पूछताछ की तो हकीकत सामने आ गई। पुलिस के मुताबिक, मौलाना तौकीर की मंशा ज्ञापन देने की नहीं, बल्कि इस्लामिया मैदान पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठकर शक्ति प्रदर्शन करने की थी। हालांकि, वह अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सका। वहीं, नदीम की भूमिका बृहस्पतिवार रात से ही संदिग्ध हो गई थी। रात में ही नफीस और

लियाकत के साथ नदीम ने पुलिस को पत्र दिया कि मौलाना तौकीर शुक्रवार को प्रदर्शन नहीं करेंगे। उसने पुलिस को आश्वस्त किया कि वह सुबह पांच बजे तक घूम-घूम कर आईएमसी समर्थकों को बताएगा कि इस्लामिया मैदान में कोई प्रदर्शन नहीं होना है।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि चक महमूद निवासी अनीस सकलैनी और नदीम अराजक भीड़ की अगुवाई कर रहे थे। दोनों भीड़ को इस्लामिया मैदान की तरफ जाने के लिए उकसा रहे थे। दोनों फोन पर किसी से निर्देश भी प्राप्त कर रहे थे। इसके बाद दोनों ने नारेबाजी शुरू कराते हुए पुलिस पर पथराव कराया। पुलिस दोनों के मोबाइल का कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकलवा रही है। दोनों को निर्देश कौन दे रहा था, इसकी जांच की जा रही है।

जिस इस्लामिया मैदान में सभा और प्रदर्शन का एलान था, उसके लिए मौलाना तौकीर रजा या आईएमसी की ओर से किसी ने स्कूल प्रबंधन से अनुमति नहीं मांगी थी। स्कूल के प्रधानाचार्य तौकीर सिद्दीकी ने शनिवार को बताया कि मौलाना या आईएमसी की ओर से मैदान में आयोजन के लिए प्रबंध समिति से न अनुमति मांगी गई थी और न दी गई थी। हम शासन-प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हैं। जब जिला प्रशासन ने ही उनको आयोजन की अनुमति नहीं दी तो भला हमारी ओर से क्यों दी जाती? इससे पहले भी हमारी ओर से कभी मौलाना या आईएमसी को इस्लामिया ग्राउंड में किसी तरह के आयोजन की अनुमति नहीं दी गई थी।

24 घंटे में सीएम योगी आदित्यनाथ की तीसरी चेतावनी

दंगा किया तो जहन्नुम पहुंचा दिया जाएगा

गजवा-ए-हिंद पर सीधा नरक का टिकट मिलेगा

बलरामपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

बलरामपुर के दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली बवाल के 24 घंटे के भीतर तीसरी बार चेतावनी दोहराई है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में अराजकता और दंगा करने वालों को जहन्नुम का टिकट दिया जाएगा। गजवा-ए-हिंद की कल्पना करने पर सीधे नरक पहुंचा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत में उन महान आत्माओं के आदर्श चलेंगे, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दिया।

लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने एक बार फिर प्रदेश में अराजकता और दंगा फैलाने वालों को चेतावनी दी। कहा कि यूपी में ऐसा करने की हिम्मत की तो जहन्नुम का टिकट दूंगा। बरेली का हवाला देते हुए सबक लेने की नसीहत दी। उन्होंने छांगुर की कालनेमि राक्षस से तुलना करते हुए कहा कि विकास में बाधा डालने वाले राक्षसों का विनाश होगा। सपा और कांग्रेस के अराजकतत्वों से मिले होने की बात कही।

सीएम ने कहा कि कुछ लोग भारत में रहते हैं, लेकिन गजवा-ए-हिंद का नारा लगाकर देश के भीतर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत की धरती पर ये नहीं होगा। भारत की धरती महान आत्माओं की भूमि है। यहां उन महान आत्माओं के आदर्श चलेंगे, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दिया है। गजवा-ए-हिंद की कल्पना करना, इसके बारे में सपना देखना भी नरक का टिकट बन जाएगा। जो लोग ऐसी गतिविधियों में लगे हैं, वे कान खोलकर सुन लें। देर-सवेर उनका भी हश्र छांगुर जैसा ही होगा। सीएम ने कहा कि किसी को प्रदेश का माहौल खराब करने की इजाजत नहीं हैं। कुछ लोग नए हथकंडे अपना रहे हैं। लेकिन, उन्हें याद रखना चाहिए कि हम उनकी सोच से कहीं ज़्यादा तैयार हैं। उन्हें वैसे ही पीटा जाएगा जैसे बरेली में पीटा गया। ये मूर्ख यह भी नहीं जानते कि आस्था के प्रतीकों का सम्मान किया जाता है। आस्था कोई चौराहे पर दिखाने की चीज नहीं है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग छोटे-छोटे बच्चों को आई लव मोहम्मद के पोस्टर देकर समाज में अराजकता फैला रहे हैं। उन्हें यह एहसास भी नहीं कि उनकी अपनी ज़िंदगी तो बर्बाद हो ही चुकी है। अब वे इन बच्चों की ज़िंदगी भी बर्बाद करने पर तुले हुए हैं। लेकिन, सरकार इस तरह की अराजकता को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा, उसे पहले ही बता दिया जाएगा कि हम बिना पूछे उसे नरक का टिकट दे देंगे।

इससे पहले सीएम ने रविवार की सुबह देवीपाटन मंदिर में मां पाटेश्वरी के दर्शन कर उनके पांव पखारे। इसके बाद आरती की। यहां से वह गोशाला पहुंचे। वहां पर गायों को चना गुड़ और रोटियां खिलाकर गोसेवा की। इसके बाद मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं से बातचीत की। सीएम योगी मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं से मुलाकात करके बच्चों से भी मिले। बच्चों को टाफियां देकर उन्हें दुलार किया और खूब मन लगाकर पढ़ने को कहा। इस दौरान मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी, कालीबाड़ी मंदिर गोरखपुर के महंत रवींद्र दास भी मौजूद रहे। बताते चलें कि सीएम शनिवार की रात यहां पहुंचे थे। उस समय मंदिर में दर्शन करके विश्राम को चले गए थे। उन्होंने रात्रि विश्राम यहीं मंदिर में ही किया था।

मंदिर से निकलने के बाद सीएम धूधुलपुर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने सरकारी योजनाओं पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके साथ ही 826 करोड़ की 124 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज का उद्घाटन किया। 2047 में विकसित भारत के लिए आम लोगों से सुझाव भी मांगे।

संपादकीय

यूएन में ट्रंप की मसखरी

संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप का जैसा अगंभीर व असामान्य व्यवहार नजर आया, उससे कहीं से नहीं लगा कि वे विश्व की एक महाशक्ति का नेतृत्व कर रहे हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया में युद्धों को समाप्त करने के लिये सिर्फ बयानबाजी नहीं, ठोस रणनीति व गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है। संयुक्त राष्ट्र में डोनॉल्ड खुद को लगातार जबरदस्ती एक शांति के मसीहा के तौर पर पेश करते रहे हैं। उन्होंने दावा दोहराया कि उनके नेतृत्व में दुनिया में सात युद्धों को समाप्त किया गया। दावा कि उन्होंने संघर्ष को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन किया। जबकि इसके विपरीत उनके भाषण का सार कुछ और ही दर्शाता है। साफ नजर आया कि एक ऐसा नेता जो स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक सहयोग के स्तंभों को ही कमजोर कर रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पूंजीपति सरोकारों के अनुरूप उन्होंने 'जलवायु परिवर्तन को अब तक का सबसे बड़ा धोखा' बताकर खारिज कर दिया। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों से पूरी दुनिया में जन-धन की व्यापक क्षति हो रही है। इसके चलते सूखे, बाढ़ व विनाशकारी तूफानों से पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा खतरे में नजर आ रही है। जो मानव जीवन को लगातार संघर्षमय बना रहे हैं। ट्रंप का शांति बनाये रखने के दावे करना और जलवायु परिवर्तन की वास्तविकता को नकारना, उनके विरोधाभासी व्यवहार को ही दर्शाता है। साथ ही उनकी बयानबाजी के खोखलेपन को ही उजागर करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि उन्होंने विश्वव्यापी प्रवासन को 'राष्ट्रों को नष्ट करने वाली' शक्ति बताकर निंदा की, जो मानवता के खिलाफ दुर्भावना ही कही जाएगी। बेहतर भविष्य और सुखमय जीवन की तलाश में प्रवासन सदियों से मानव इतिहास का हिस्सा रहा है। जिसने विभिन्न समाजों को नया आकार दिया है और प्रगति को नई गति दी है। निस्संदेह, प्रवासियों को खतरे के रूप में पेश करना जेनोफोबिया को बढ़ावा देना है। जो वैश्विक समुदायों को विभाजित करने की कुत्सित कोशिश है। ऐसे संघर्ष को रोकने के बजाय इस तरह की गैरजिम्मेदार बयानबाजी सामाजिक आक्रोश और विभाजन को ही जन्म देगी। कालांतर ये विकसित राष्ट्रों में आए प्रवासियों के विरुद्ध नस्लीय हिंसा को बढ़ावा देगा। निस्संदेह, प्रवासियों के लिये अपने दरवाजे बंद करने से शांति सुनिश्चित नहीं होती। आज जब आधुनिक तकनीक व संचार क्रांति के चलते दुनिया के एक गांव में तब्दील होने की बात कही जाती है तो यह सोच नितांत अतार्किक व मानवीय मूल्यों की विरोधी ही है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र पर ट्रंप का हमला करना और इसे 'अप्रभावी और पाखंडी करार देना'- उनके कथित शांतिदूत होने के दावे को कमजोर करता है। माना कि संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी सीमाएं हैं, लेकिन आज के संघर्षरत विश्व में यह एकमात्र वैश्विक निकाय है, जो संवाद, मानवीय राहत और शांति स्थापना के लिये कारगर विकल्प प्रस्तुत करता है। खुद को शांति के संरक्षक के रूप में प्रस्तुत करते हुए, इस पर अनुचित तरीके से हमला करना, उन्हीं संस्थाओं को कमजोर करना है, जो दुनिया को युद्ध के संकट से बचाने का काम करती हैं। बहरहाल, घटनाक्रम का भारत के लिये स्पष्ट सबक है कि हमें वाशिंगटन के साथ मजबूत संबंध बनाये रखते हुए, अलगाववादी-संशयवादी राजनीति में नहीं फंसना चाहिए। इसके बजाय, भारत को बहुपक्षवाद, जलवायु नेतृत्व और समावेशी वैश्विक शासन पर दुगनी गति से जोर देना चाहिए। शांति को केवल सैन्य संयम तक सीमित नहीं किया जा सकता। इसके लिये साझी मानवीय चुनौतियों से मुकाबले के लिये सहयोग की आवश्यकता है। ट्रंप के संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए भाषण ने एक अन्य विरोधाभास को भी उजागर किया, कि एक तरफ तो यह नेता युद्धों को समाप्त करने के नाम पर वाहवाही लूटने का श्रेय लेने हेतु तमाम तरह के प्रपंच करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर भविष्य में युद्धों को भड़काने वाली परिस्थितियों को हवा भी देता है। यदि हम दुनिया में सही मायनों में शांति स्थापना की आकांक्षा रखते हैं तो उसके लिये एकजुटता की जरूरत होती है न कि खोखले नारों की।

संयुक्त राष्ट्र में डोनॉल्ड खुद को लगातार जबरदस्ती एक शांति के मसीहा के तौर पर पेश करते रहे हैं। उन्होंने दावा दोहराया कि उनके नेतृत्व में दुनिया में सात युद्धों को समाप्त किया गया। दावा कि उन्होंने संघर्ष को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन किया। जबकि इसके विपरीत उनके भाषण का सार कुछ और ही दर्शाता है। साफ नजर आया कि एक ऐसा नेता जो स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक सहयोग के स्तंभों को ही कमजोर कर रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पूंजीपति सरोकारों के अनुरूप उन्होंने 'जलवायु परिवर्तन को अब तक का सबसे बड़ा धोखा' बताकर खारिज कर दिया। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों से पूरी दुनिया में जन-धन की व्यापक क्षति हो रही है। इसके चलते सूखे, बाढ़ व विनाशकारी तूफानों से पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा खतरे में नजर आ रही है। जो मानव जीवन को लगातार संघर्षमय बना रहे हैं। ट्रंप का शांति बनाये रखने के दावे करना और जलवायु परिवर्तन की वास्तविकता को नकारना, उनके विरोधाभासी व्यवहार को ही दर्शाता है। साथ ही उनकी बयानबाजी के खोखलेपन को ही उजागर करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि उन्होंने विश्वव्यापी प्रवासन को 'राष्ट्रों को नष्ट करने वाली' शक्ति बताकर निंदा की, जो मानवता के खिलाफ दुर्भावना ही कही जाएगी। बेहतर भविष्य और सुखमय जीवन की तलाश में प्रवासन सदियों से मानव इतिहास का हिस्सा रहा है। जिसने विभिन्न समाजों को नया आकार दिया है और प्रगति को नई गति दी है।

कुछ अलग

मोह से मुक्त न्याय

माघ की कड़कड़ाती ठंड थी। काशी नरेश की रानी 'करुणा' दासियों के साथ वरुणा नदी में नहाने गई थी। नहाते ही रानी ठंड से कांपने लगी। आस-पास सूखी लकड़ियां नहीं थीं। नदी के निकट कुछ झोपड़ियां थीं, जिनमें साधु-संत या दीन-दुखी लोग ठहरते थे। उस समय वे खाली थीं। रानी ने दासी से कहा, 'इनमें से एक झोपड़ी में आग लगा दो। ठंड के मारे मेरा बुरा हाल हो रहा है।' दासी ने आग लगा दी, लेकिन तेज हवा के कारण आग एक झोपड़ी तक सीमित नहीं रही। देखते-देखते सभी झोपड़ियां जल गईं। रानी के राजभवन पहुंचने पर वे सभी लोग भी राजदरबार पहुंचे, जिनकी झोपड़ियां जली थीं। राजा ने यह बात सुनकर अन्तःपुर में जाकर रानी से कहा, 'तुमने यह क्या किया? लोगों के घर क्यों जला दिए?' रानी ने कहा, 'उन घास-फूस के छप्परों को क्या आप घर कहते हैं? वे जल गए तो अच्छा ही हुआ।' यह सुनकर महाराज ने दासी को आदेश दिया, 'रानी के वस्त्र और आभूषण उतारकर उन्हें फटे-पुराने वस्त्र पहनाकर राजसभा में प्रस्तुत करो।' तत्पश्चात न्यायासन पर बैठकर राजा ने रानी को संबोधित करते हुए कहा, 'रानी जी! आपको राजभवन से निष्कासित किया जाता है। वे सभी घर, जिन्हें तुमने जलवा दिया है, भिक्षा मांगकर जब तुम उन्हें पुनः बनवा दोगी, तब तुम्हारा यह निष्कासन समाप्त होगा।'

विकास और विरासत संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के साथ-साथ भारत के प्राचीन समुद्री व्यापार को नई पहचान देने पर भी जोर देती है

लोथल में सिंधु सभ्यता के समुद्री ज्ञान और इंजीनियरिंग को सहेजने में जुटी मोदी सरकार

रामस्वरूप रावतसरे

पीएम मोदी ने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और परियोजना से जुड़ी बैठक भी की। गुजरात के लोथल में बन रहा नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (एनएमएचसी) मोदी सरकार की एक पहल बताया जा रहा है। इसका उद्देश्य सिंधु-सरस्वती सभ्यता यानी इंडस वैली सिविलाइज़ेशन की समुद्री और इंजीनियरिंग उपलब्धियों को सम्मान देना है। करीब 2400 ईसा पूर्व लोथल इस सभ्यता का एक अहम बंदरगाह शहर था। गुजरात सरकार द्वारा आवंटित 400 एकड़ जमीन पर 4,500 कोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहा यह प्रोजेक्ट लोथल की ऐतिहासिक धरोहर को सहेजने, पर्यटन को बढ़ावा देने और आने वाली पीढ़ियों के लिए शिक्षा का केंद्र बनाने की दिशा में काम करेगा। जानकारी के अनुसार अक्टूबर 2024 में केंद्र सरकार ने सागरमाला कार्यक्रम के तहत नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (एनएमएचसी) को मंजूरी दी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 सितंबर को गुजरात का दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने अहमदाबाद जिले के लोथल में बन रहे नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (एनएमएचसी) का जायजा लिया। पीएम मोदी ने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और परियोजना से जुड़ी बैठक भी की। गुजरात के लोथल में बन रहा नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (एनएमएचसी) मोदी सरकार की एक पहल बताया जा रहा है। इसका उद्देश्य सिंधु-सरस्वती सभ्यता यानी इंडस वैली सिविलाइज़ेशन की समुद्री और इंजीनियरिंग उपलब्धियों को सम्मान देना है। करीब 2400 ईसा पूर्व लोथल इस सभ्यता का एक अहम बंदरगाह शहर था। गुजरात सरकार द्वारा आवंटित 400 एकड़ जमीन पर 4,500 कोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहा यह प्रोजेक्ट लोथल की ऐतिहासिक धरोहर को सहेजने, पर्यटन को बढ़ावा देने और आने वाली पीढ़ियों के लिए शिक्षा का केंद्र बनाने की दिशा में काम करेगा। जानकारी के अनुसार अक्टूबर 2024 में केंद्र सरकार ने सागरमाला कार्यक्रम के तहत नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (एनएमएचसी) को मंजूरी दी थी। इसका मकसद प्राचीन समुद्री इंजीनियरिंग की इस अनोखी धरोहर को दुनिया के सामने लाना है। यह परियोजना विकास और विरासत संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के साथ-साथ भारत के प्राचीन समुद्री व्यापार को नई पहचान देने पर भी जोर देती है। यह कॉम्प्लेक्स दो चरणों में विकसित किया जा रहा है और इसमें नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज म्यूज़ियम शामिल है जिसमें भारत के समुद्री इतिहास को इंडस वैली सिविलाइज़ेशन से आधुनिक समय तक दिखाने वाली 14 गैलरी होंगी। फेज 1ए का काम 60 प्रतिषत से अधिक पूरा हो चुका है और यह साल के अंत तक खुलने के लिए तैयार है। इसमें छह गैलरी शामिल हैं, जिनमें इंडियन नेवी और कोस्ट गार्ड की प्रदर्शनी भी है, जिसमें आइएनएस निशंक मिसाइल बोट, सी हैरियर विमान और यूएच-3 हेलिकॉप्टर जैसे ऐतिहासिक वस्त्र और मॉडल दिखाए जाएँगे। इसके अलावा इसमें लोथल का पुनर्निर्मित टाउनशिप और जेट्टी वॉकवे भी मौजूद हैं। फेज 1बी में आठ और गैलरी जोड़ी जाएँगी, साथ ही 77 मीटर ऊँचा लाइटहाउस म्यूजियम बनेगा, जो दुनिया का सबसे ऊँचा म्यूज़ियम होने की योजना में है। इसमें 5डी डोम थिएटर और बागीचा कॉम्प्लेक्स भी शामिल होगा, जिसमें 1500 वाहनों के लिए पार्किंग, फ़ूड कॉर्ट और मेडिकल सुविधाएँ होना बताया जा रहा है। फेज 2, जिसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से आर्थिक साहियोग किया जाएगा जिसमें तटीय राज्यों के पवेलियन, ईको-रिज़ॉर्ट्स, लोथल शहर का पूरी तरह से पुनर्निर्मित मॉडल, एक मैरीटाइम इंस्टिट्यूट और चार थीम पार्क शामिल होंगे। ये थीम पार्क समुद्री इतिहास, जलवायु परिवर्तन, स्मारक और एडवेंचर पर केंद्रित होंगे। जानकारी के अनुसार इस परियोजना को बंदरगाह, शिपिंग और वाटरवे मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है। इसके लिए फंडिंग मुख्य बंदरगाहों, रक्षा मंत्रालय, नेशनल कल्चर फंड और 3,000 करोड़ रुपए के निजी निवेश से की जा रही है। वहीं, लाइटहाउस म्यूज़ियम का वित्तपोषण डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ लाइटहाउस और लाइटशिप्स (डीजीएलएल) करेगा। आर्थिक दृष्टि से, नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (एनएमएचसी) रोज़ाना 25,000 पर्यटकों को आकर्षित करने की उम्मीद बताई जा रही है। इससे सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से 22,000 नौकरियाँ पैदा होंगी और क्षेत्र की स्थानीय उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसका उद्देश्य लोथल को भारत के प्रमुख हेरिटेज पर्यटन स्थलों के बराबर एक बड़ा पर्यटन केंद्र बनाना है। लोथल सिंधु-सरस्वती सभ्यता का एक प्रमुख स्थल रहा है। यह दिखाता है कि प्राचीन भारतीय सभ्यता कैसे सिंधु नदी से फैलकर सरस्वती के किनारे फली-फूली और उत्तर-पश्चिम भारत तक विकसित हुई। इस सभ्यता ने व्यापार, शिल्पकला, नगर योजना और संस्कृति में अपनी विरासत की निरंतरता को बनाए रखा। लोथल, गुजरात के भाल क्षेत्र में खंभात की खाड़ी के पास स्थित है और यहाँ दुनिया का सबसे पुराना मानव निर्मित डॉकयार्ड है। इसमें 214 मीटर लंबा और 36 मीटर चौड़ा ट्रैपेज़ॉइडल बेसिन है, जिसकी लंबवत ईंट की दीवारें हैं और यह साबरमती नदी से इनलेट और आउटलेट चौनलों के जरिए जुड़ा हुआ है। सिंधु-सरस्वती सभ्यता के लोग जल प्रबंधन और योजना बनाने में अत्यंत कुशल थे। लोथल का डॉकयार्ड क्षेत्र में उच्च ज्वार-भाटा को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था और इसमें सिल्ट जमाव को रोकने के लिए स्पिल चैनल भी बनाया गया था। लोथल में प्रारंभिक उत्खनन 1955 से 1962 के बीच किए गए थे। इस उत्खनन परियोजना का नेतृत्व एस आर राव ने किया था जिन्हें अपने जीवन में 30 हड़प्पा स्थलों की खोज करने का श्रेय दिया जाता है। राव ने लोथल के महत्व को बताते हुए इसे पेन म्यूज़ीअम एक्स्पिडिशन मैगजीन में लिखा था। हड़प्पावासियों द्वारा निर्मित पकी हुई ईंटों की अब तक की सबसे बड़ी संरचना लोथल में रखी गई थी, जिसका उपयोग जहाजों को खड़ा करने और माल को संभालने के लिए बर्थ के रूप में किया जाता था.. मूल रूप से, गोदी को 18 मीटर से 20 मीटर लंबे और 4 से 6 मीटर चौड़े जहाजों को जलद्वार में डालने के लिए डिज़ाइन किया गया था.. कम से कम दो जहाज एक साथ प्रवेश द्वार से गुजर सकते थे। आईआईटी गाँधी नगर के अध्ययन, प्रोफेसर वी एन प्रभाकर, प्रोफेसर विक्रांत जैन और एकता गुप्ता द्वारा किया गया, राव की लिखी बातों की पुष्टि करता है। साबरमती की पुरानी नहरों का प्रवाह लोथल को भूगोलिक दृष्टि से सुविधाजनक स्थान प्रदान करता था जो सक्रिय व्यापार नेटवर्क के केंद्र में था। यह नेटवर्क अरब सागर के भारतीय बंदरगाहों, खासकर खंभात की खाड़ी, से शुरू होकर प्राचीन मेसोपोटामिया तक फैला हुआ था। इस थ्योरी को लोथल और आसपास के क्षेत्र से मिले प्राचीन मुहरों की संख्या भी समर्थन देती है। रिपोर्ट के अनुसार, यह संख्या सौराष्ट्र के किसी भी अन्य स्थल से अधिक है। इन मुहरों का इस्तेमाल माल ढोने के पैकेज, व्यापार दस्तावेज और पत्रों पर चिह्न लगाने के लिए किया जाता था। लोथल में कई चरणों में आबादी और पुनर्स्थापनाएँ हुईं। इस क्षेत्र का धीरे-धीरे पतन मुख्य रूप से साबरमती नदी के विनाशकारी बाढ़ और नदी के मार्ग बदलने के कारण हुआ, जिससे डॉकयार्ड सूख गया। एस आर राव के अनुसार लगभग 2000 ईसा पूर्व की एक बड़ी बाढ़ के बाद यह फलता-फूलता शहर तबाह हो गया था और बचे रह गए केवल कुछ लोग और असंगठित गाँव। फिर 1900 ईसा पूर्व एक और बड़ी बाढ़ ने इस स्थल को स्थायी रूप से नष्ट कर दिया। जानकारों के अनुसार नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स इंडस वैली सभ्यता की समुद्री और इंजीनियरिंग क्षमताओं की विरासत को संरक्षित करेगा, साथ ही आर्थिक विकास और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देगा। उन लोगों के लिए, जो अपनी समुद्री विरासत से दूर हो गए हैं, एनएमएचसी हमारी शिपबिल्डिंग और समुद्री व्यापार की समृद्ध परंपरा तक पहुँच का माध्यम बनेगा। उन्नत तकनीक और सोच-समझकर डिजाइन के जरिए एनएमएचसी सुनिश्चित करेगा कि लोथल का ऐतिहासिक महत्व भविष्य की पीढ़ियों तक सुलभ और जीवंत रहे।

देश दुनिया से

विज्ञान, आस्था और न्याय में संतुलन की तार्किकता

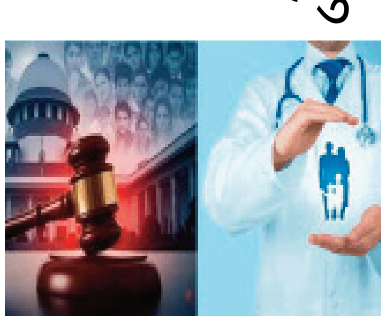

दवा दुआ और अदालत का संबंध मानव जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलुओं को दर्शाता है— विज्ञान, आस्था और न्याय। ये तीनों अलग-अलग लग सकते हैं, पर असल में एक-दूसरे के पूरक हैं। दवा विज्ञान और तर्क पर आधारित है, दुआ आस्था और मन की शक्ति पर, जबकि अदालत कानूनों और नियमों पर चलती है। अदालत ही वह संवैधानिक ढांचा है जो दवा और दुआ दोनों को अंधविश्वासों और गलत इस्तेमाल से बचाकर संतुलन बनाए रखती है। अदालत की मुख्य भूमिका चिकित्सा लापरवाही के मामलों में दिखती है, जहां यह सुनिश्चित करती है कि डॉक्टर ने अपना कर्तव्य सही ढंग से निभाया या नहीं। इसके लिए अदालत 'बोलम परीक्षण' जैसे सिद्धांतों का उपयोग करती है, जो यह तय करते हैं कि डॉक्टर ने उचित सावधानी बरती या नहीं। दूसरे शब्दों में, डॉक्टर को तब तक लापरवाही का दोषी नहीं ठहराया जा सकता जब तक कि यह साबित न हो जाए कि उसने ऐसा कुछ किया जो उस समय चिकित्सा क्षेत्र में स्वीकार्य अभ्यास नहीं था। यह प्रणाली डॉक्टरों को बेवजह के मुकदमों से बचाती है और साथ ही यह भी सुनिश्चित करती है कि मरीजों के अधिकार सुरक्षित रहें और चिकित्सा मानकों का पालन हो। अदालत इन तीनों के बीच एक सेतु का काम करती है। भारत में, न्यायपालिका ने चिकित्सा देखभाल को एक संवैधानिक अधिकार के रूप में स्थापित किया है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत, आपातकालीन चिकित्सा देखभाल प्राप्त करना हर नागरिक का 'जीने का मौलिक अधिकार' है। इसका मतलब है कि कोई भी अस्पताल, चाहे वह सरकारी हो या निजी, किसी भी गंभीर मरीज का इलाज करने से इनकार नहीं कर सकता, भले ही उसके पास पैसे न हों। यदि कोई अस्पताल ऐसा करता है, तो इसे 'सेवा में कमी' मानते हुए उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत की जा सकती है। इस प्रकार, अदालत केवल न्याय नहीं करती, बल्कि वह चिकित्सा देखभाल के न्यूनतम मानकों को भी स्थापित करती है। भारतीय संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। यह सार्वजनिक व्यवस्थाएं, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन है। यह सिद्धांत तब लागू होता है जब धार्मिक विश्वास जीवन को खतरे में डालते हैं। यदि कोई वयस्क धार्मिक सोच आधारित उपचार से इनकार करता है, तो यह उसकी धार्मिक स्वतंत्रता का मामला हो सकता है, लेकिन जब यह किसी नाबालिग के जीवन से जुड़ा होता है, तो अदालत का हस्तक्षेप आवश्यक हो जाता है। ऐसे मामलों में, अदालत 'जीवन के अधिकार' (आर्टिकल 21) को माता-पिता की धार्मिक स्वतंत्रता से अधिक महत्वपूर्ण मानती है, यह स्पष्ट करते हुए कि किसी भी धार्मिक विश्वास को मानव जीवन पर हावी होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसी तरह, इच्छामृत्यु का मुद्दा भी धार्मिक और कानूनी दृष्टिकोणों के बीच टकराव का एक उदाहरण है। भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता दी गई है। धार्मिक कारण अक्सर इसे 'ईश्वर के खिलाफ जाने' समान मानते हैं। लेकिन अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने 'मृत्यु की प्रक्रिया में गरिमा' को 'जीवन के अधिकार' का एक हिस्सा माना। यह फैसला दर्शाता है कि अदालत धार्मिक और दार्शनिक मान्यताओं को ध्यान में रखती है, लेकिन अंतिम निर्णय व्यक्ति के मौलिक अधिकारों और गरिमा पर आधारित होता है। सोजन बनाम केरल राज्य (2018) का मामला इस बात का एक कड़वा सबक है कि जब आस्था अंधविश्वास बन जाती है, तो वह जीवन को खतरे में डाल सकती है। एक पिता ने अपनी बेटी का मेडिकल इलाज बंद करवाकर उसका धार्मिक इलाज शुरू करवाया, जिससे उसकी मौत हो गई। अदालत ने धार्मिक विश्वास के नाम पर की गई इस लापरवाही को दंडनीय अपराध माना और पिता को सजा दी। यह मामला स्पष्ट करता है कि सच्ची आस्था कभी जीवन-विरोधी नहीं हो सकती। यदि कोई विश्वास, वैज्ञानिक प्रमाणों के खिलाफ जाकर, किसी व्यक्ति के जीवन को खतरे में डालता है, तो वह लापरवाही है, और कानून उसे दंडित करेगा। यह हमें सिखाता है कि कानून, नैतिकता और विज्ञान के मानकों से ऊपर कोई विश्वास नहीं है, और इन मानकों को बनाए रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। शर्ली थॉमस बनाम केरल राज्य (2022) का मामला एक ऐतिहासिक उदाहरण है जो दवाएं, दुआ और अदालत के बीच के नाजुक संबंध को दर्शाता है। इस मामले में, एक महिला ने अपनी लाइलाज बीमारी के कारण इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी थी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार मौलिक है, लेकिन जीवन समाप्त करने का अधिकार नहीं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चिकित्सा विज्ञान इलाज का आधार है, जबकि आस्था और दुआएं व्यक्ति की आंतरिक शक्ति और उम्मीद का स्रोत हैं। इस फैसले ने यह स्थापित किया कि अदालत का काम केवल कानून लागू करना नहीं है, बल्कि मानवीय गरिमा को भी सुनिश्चित करना है। यह मामला दिखाता है कि जब विज्ञान की सीमाएं खत्म हो जाती हैं तो आस्था उम्मीद दे सकती है, लेकिन इन्हें एक-दूसरे का विकल्प नहीं, बल्कि एक-दूसरे का पूरक माना जाना चाहिए। दवाएं, दुआ और अदालत एक त्रिवेणी के तीन संगम हैं, जहां प्रत्येक का अपना महत्व है। दवा आधुनिक ज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रतीक है, दुआ मानव मन की आंतरिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है, और अदालत वह बाड़ है जो इस प्रणाली को सुरक्षित रखती है। समाज की प्रगति के लिए इन तीनों के बीच संतुलन अनिवार्य है। हमें दवा की शक्ति को स्वीकार करना चाहिए, दुआ की क्षमता को समझना चाहिए और अदालत के न्याय का सम्मान करना चाहिए। एक स्वस्थ, नैतिक और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण तभी संभव है जब हम इन तीनों को एक-दूसरे के पूरक के रूप में देखें। हमें यह समझना होगा कि सच्ची आस्था वैज्ञानिक ज्ञान की विरोधी नहीं है, बल्कि उसका पूरक हो सकती है। जैसा कि अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था, 'धर्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है, और विज्ञान के बिना धर्म अंधा है'। यह उद्धरण इन तीनों के बीच के संबंधों को सटीक रूप से परिभाषित करता है।

आप का नजरिया

लेह में हिंसा की तपिश

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक बीते पंद्रह दिनों से अनशन पर थे। इन्हीं मुद्दों के समर्थन में यह आंदोलन चल रहा था। हालांकि, हिंसा के बाद उन्होंने अपना अनशन त्याग दिया है। उन्होंने आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। समाचार माध्यमों में कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों से केंद्रशासित प्रदेश में लद्दाख को पूर्ण राज्य देने की मांग को लेकर समय-समय पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बताया जाता है कि पिछले पैंतीस दिनों से कुछ लोग अनशन कर रहे थे। परसों उनमें से दो लोगों की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ा। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी माह में एक वार्ता का दौर निर्धारित था, लेकिन आंदोलनकारी इससे पहले ही इस दिशा में पहल की मांग करते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों के नेता लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लोगों की आकांक्षा पूर्ण न होने पर उपजे आक्रोश को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। जम्मू-कश्मीर के विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाये जा रहे हैं कि 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने पर जश्न मनाने वाले लद्दाख के लोगों में आज आक्रोश क्यों पनप रहा है? वे इस अभिव्यक्ति के आलोक में जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को फिर वापस लौटने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि लेह के आंदोलनकारी कई सालों से भूमि संरक्षण व संस्कृति की रक्षा के लिये इस केंद्रशासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची का कवच देने तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना था कि केंद्र शासित प्रदेश बनने से क्षेत्र के लोगों की आंकाक्षा पूरी नहीं हुई। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है। वहीं लद्दाख की अस्मिता को संरक्षित करने के लिये छठी अनुसूची की मांग लंबे समय से की जाती रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा ने वर्ष 2019 के घोषणापत्र में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने का वायदा किया था। लेकिन अब इस पर आनाकानी की जा रही है। आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, जिनके पास जल-जंगल व उद्योगों को लेकर क्षेत्र की संस्कृति व संरक्षण हेतु निर्णय करने का अधिकार होता है।

जम्मू-कश्मीर के विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाये जा रहे हैं कि 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने पर जश्न मनाने वाले लद्दाख के लोगों में आज आक्रोश क्यों पनप रहा है? वे इस अभिव्यक्ति के आलोक में जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को फिर वापस लौटने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि लेह के आंदोलनकारी कई सालों से भूमि संरक्षण व संस्कृति की रक्षा के लिये इस केंद्रशासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची का कवच देने तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना था कि केंद्र शासित प्रदेश बनने से क्षेत्र के लोगों की आंकाक्षा पूरी नहीं हुई। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला।

दृष्टि कोण

बदले हालात के अनुरूप हो आपदा प्रबंधन

आज समूचा हिमालयी क्षेत्र पारिस्थितिकीय संकट से जूझ रहा है। यह संकट अब केवल हिमाचल प्रदेश या उत्तराखंड तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र को अपनी चपेट में ले चुका है। दरअसल, यह समस्या सिर्फ पर्यावरणीय असंतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ी गहरी और जटिल परिस्थितिजन्य चुनौतियां भी इसके मूल में हैं। जलवायु परिवर्तन, अनियंत्रित निर्माण, वनों की कटाई, खनन और जनसंख्या दबाव जैसे कारणों ने हिमालय की नाज़ुक पारिस्थितिकी को गंभीर खतरे में डाल दिया है। देश की सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि समूचा हिमालयी क्षेत्र एक बेहद गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। यह टिप्पणी हिमाचल प्रदेश में आपदाओं से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान स्वतः संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने की। सुनवाई के दौरान, न्यायालय की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने बताया कि राज्य सरकार की रिपोर्ट में पेड़ों की संख्या, ग्लेशियरों और खनन जैसे मुद्दों का उल्लेख तो किया गया है, लेकिन उनमें कोई ठोस या नई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में यह स्वीकार किया गया है कि ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और इनकी क्षरण की गतिविधियां तेज हो रही हैं, लेकिन इसका विस्तृत विश्लेषण रिपोर्ट में शामिल नहीं है। केवल यह आश्वासन दिया गया है कि एक समिति इन विषयों की समीक्षा करेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2018 से 2025 के बीच राज्य में बादल फटने से जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। एक अन्य याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा है कि हमने उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में अभूतपूर्व बाढ़ और भूस्खलन देखा है। मीडिया में आये वीडियो का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा कि बड़ी संख्या में हमने लकड़ी के गट्ठे पानी में बहते हुए देखे हैं। इससे तो ऐसा लगता है कि पहाड़ों पर बड़ी संख्या में पेड़ों की अवैध कटाई हुई है। हमने पंजाब की तस्वीरें भी देखी हैं। पूरे खेत और फसलें जलमग्न हैं। यह गंभीर मामला है। याचिका में हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन का मुद्दा उठाते हुए भविष्य के लिए कार्य योजना बनाने की मांग की गई। इसके लिए एसआईटी गठित की जाये जो पर्यावरण कानून एवं उसके दिशा-निर्देशों और सड़क निर्माण के मानकों के उल्लंघन की जांच करे, जिससे इन राज्यों में 2023-2024 और 2025 में ये आपदायें आईं। हिमालयी इलाका 13 राज्यों सहित केन्द्र शासित प्रदेशों में फैला हुआ है। मानसून के दौरान इनको अधिकाधिक प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। ये अपनी जटिल बनावट, नाजुक हालात और लगातार बदलती जलवायु परिस्थितियों की वजह से विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं की वजह से आने वाली बाढ़ के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं। ये आपदायें आबादी क्षेत्र, बुनियादी ढांचों और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। बीते दिनों देहरादून में सहस्त्र धारा जैसे मैदानी इलाकों तक को इसका प्रकोप झेलना पड़ा। जबकि अभी तक पहाड़ी इलाकों में ही बादल फटने और भूस्खलन जैसी घटनायें घटती रही हैं। निःसंदेह, मौसम में आ रहा बदलाव मानवता के समक्ष अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। आईसीजे तो काफी पहले इसकी चेतावनी दे चुका है। वहीं मानसून की अनिश्चितता ने देश में बारिश की तीव्रता को काफी हद तक बढ़ा दिया है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में बढ़ोतरी ने यह संकेत तो दे ही दिया है कि मौसमी बारिश से यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि बादल फटने या अचानक बाढ़ की घटनाएं नहीं होंगी।

हेलिकॉप्टर में ट्रंप को पत्नी मेलानिया ने दिखाई उंगली, तनावपूर्ण क्षण बने सुर्खियां

अमरीकी मीडिया ने लगाया अटकलों पर विराम- यह झगड़ा एस्केलेटर को लेकर था

वाशिंगटन, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप का हेलिकॉप्टर में हुआ तनावपूर्ण क्षण सुर्खियां बन गया है। वायरल वीडियो में ट्रंप को मेलानिया की ओर उंगली उठाकर कुछ कहते देखा गया, जिससे उनके रिश्तों को लेकर कयास लगाए जाने लगे, लेकिन अमरीकी मीडिया रिपोर्टों ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है। उनका कहना है कि यह झगड़ा मेलानिया से नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हुई एस्केलेटर खराबी को लेकर था। मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र भवन में प्रवेश के दौरान ट्रंप दंपत्ति एस्केलेटर से ऊपर जा रहे थे। अचानक एस्केलेटर बीच में ही रुक गया, जिससे मेलानिया असंतुलित हो गईं। ट्रंप ने बाद में भाषण में इसका जिक्र करते हुए कहा कि अगर मेलानिया की तबीयत ठीक नहीं होतीं तो वह गिर जातीं।

रिपोर्ट के मुताबिक वाइट हाउस ने तुरंत जांच की मांग की और आरोप लगाया कि जानबूझकर एस्केलेटर रोका गया होगा। प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो जिम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए। वहीं, संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों ने सफाई दी कि मशीनरी में राष्ट्रपति का सुरक्षा तंत्र सक्रिय था। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के ही वीडियोग्राफर ने अनजाने में सुरक्षा सेंसर ट्रिप कर दिया था।

एक अन्य रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि ट्रंप ने मेलानिया से कहा कि हाउ कैन यू डू दैट यानी उनकी झुंझलाहट एस्केलेटर घटना को लेकर थी। ट्रंप ने कहा कि मैं इन्हें माफ नहीं कर सकता, इन्होंने तुम्हें चोट पहुंचाने की कोशिश की। मेलानिया ने जवाब दिया कि हम ऐसा नहीं कर सकते, हमें सुरक्षित रहना चाहिए, तुम सुरक्षित नहीं हो। इसके बाद ट्रंप बोले –ये खत्म हो गए। हमें इन्हें चुनौती देनी होगी। वीडियो में तनावपूर्ण पल के बावजूद दोनों हेलिकॉप्टर से उतरने के बाद साउथ लॉन पर हाथ पकड़कर चलते नजर आए। हालांकि एक्सपर्ट ने उनकी बॉडी लैंगवेज को औपचारिक और कठोर बताया है। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप दंपत्ति का व्यवहार चर्चा में रहा हो। बता दें इससे पहले 2025 के शपथ ग्रहण समारोह में मेलानिया ने ट्रंप का हाथ झटक दिया था। इसके बाद एक और मौके पर उन्होंने ट्रंप को किस करने से रोकने के लिए टोपी का सहारा लिया था।

न्यूज ब्रीफ

पाक रक्षा मंत्री का झूठ पकड़ा तो बौखला गए आसिफ, बोल गए सच

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक इंटरव्यू देते समय घिर गए जब उनसे पूर्व पीएम इमरान खान के सोशल मीडिया अकाउंट को लेकर सवाल किया गया। आसिफ ने पहले दावा किया था कि इमरान का एक्स अकाउंट भारत से संचालित हो रहा है, उन्होंने कहा कि इमरान खान तो रावलपिंडी की अडियाला जेल से अकाउंट चला रहे हैं। इमरान खान के हालिया कोर्ट ट्रायल का जिक्र किया जिसमें उनके वकील ने दावा किया कि सुनवाई व्हाट्सऐप पर हुई और न तो जज और न ही इमरान एक-दूसरे को सुन सके। जब आसिफ से पूछा कि क्या यह न्यायपूर्ण ट्रायल था, तो उन्होंने इसे नकारते हुए कहा कि ऐसा हुआ ही नहीं है। इमरान खान एक्स अकाउंट चला रहे हैं। पत्रकार ने तुरंत ख्वाला से कहा कि आपने अभी कहा कि वह जेल से अकाउंट चला रहे हैं, लेकिन कुछ दिन पहले आपने ही कहा था कि यह भारत से ऑपरेट हो रहा है। इमरान जेल से कर रहे ट्वीट, पहले कहा था भारत से आपरेट हो रहा अकाउंट इस पर आसिफ घबराए और उखड़ कर बोले, सच क्या है या तो वह जेल से ऑपरेट कर रहे हैं या फिर कम से कम यह बताएं कि कौन चला रहा है। जब उनसे पूछा गया कि भारत से अकाउंट चलने के दावे का क्या सबूत है तो आसिफ ने कहा कि वह सार्वजनिक रूप से सबूत नहीं बता सकते लेकिन यह इंटेलिजेंस से जुड़ा है। पत्रकार ने तंज कसा- तो फिर यह दावा क्यों विदेशी संबंधों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और चीन का रिश्ता समय के साथ जांचा-परखा है। अमेरिका से संबंध अनौपचारिक रहे हैं और उन पर ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। पाकिस्तान की अधिकांश हथियार आपूर्ति, एयरफोर्स से लेकर पनडुब्बियों तक चीन से होती है और भविष्य में भी चीन ही सबसे भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी रहेगा। बता दें हाल ही में आसिफ ने दावा किया था कि इमरान खान का सोशल मीडिया अकाउंट भारत से आपरेट हो रहा है।

चीनी हथियार भी बचा नहीं पाएंगे, 114 राफेल डील से पाकिस्तान में खौफ एक्सपर्ट ने दी चेतावनी

इस्लामाबाद। भारतीय वायुसेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को सौंपे जाने के बाद पाकिस्तान में सुरक्षा चिंताएँ तेज हो गई हैं। यह प्रस्ताव—जिसकी लागत दो लाख करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है, फ्रांसीसी डसॉल्टो एविएशन और भारतीय एयरोस्पेस कंपनियों के सहयोग से विमानों के उत्पादन का मार्ग खोल सकता है। अगर यह सौदा पूरा हुआ तो भारतीय वायुशक्ति में पर्याप्त वृद्धि होगी, जिसकी पाकिस्तान पर दूरगामी रणनीतिक और सामरिक प्रभाव पड़ सकते हैं। रक्षा विश्लेषण मंच कुवा के संस्थापक बिलाल खान का इस संबंध में कहना रहा है, कि 114 अतिरिक्त राफेलों के जुड़ने से भारत की वायुशक्ति का नेटवर्क बेहद मजबूत हो जाएगा और यह पाकिस्तान वायुसेना (पीएएफ) के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। खान ने बताया कि भारत के पास 2020 से 36 राफेल हैं और इसी साल अप्रैल में नौसैनिक वेरिएंट के लिए 26 विमानों का सौदा भी हुआ था। ये आधुनिक विमान भारतीय विमानन नेटवर्क में तेजस (एलसीए) और सुखोई-30एमकेआई जैसे हैवीवेट विमानों के साथ मिलकर निर्णायक बढ़त दिला सकते हैं।

18 दिन के बाद दिखे पूर्व नेपाली पीएम ओली, कहा- देश छोड़कर नहीं भागूंगा

काठमांडु। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इस्तीफा देने के 18 दिन बाद सार्वजनिक रूप से दिखे।

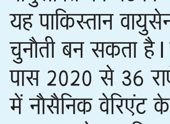

वे पार्टी के छात्र संगठन के कार्यक्रम में भक्तपुर पहुंचे। उन्होंने जेन जी विरोध प्रदर्शन के बीच 9 सितंबर को पद से इस्तीफा दे दिया था। देशभर में हो रही हिंसा के बीच ओली को नेपाली सेना ने हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया था, फिर उन्हें एक अस्थायी आवास में शिफ्ट करा दिया गया था। बैठक में ओली ने कहा कि हम देश को तमाशे वाली सरकार के हवाले करके विदेश नहीं जा सकते। ओली ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार जनता की इच्छा से नहीं बनी है, बल्कि हिंसा और तोड़फ़ोड़ के सहारे बनी है। उन्होंने दावा किया कि पुलिस को गोली चलाने का आदेश उनकी सरकार ने नहीं दिया था। ओली ने शिकायत की कि जिस घर में वे अभी रह रहे हैं, उसका पता उजागर होने और हमले की धमकी मिलने के बावजूद सरकार ने सुरक्षा नहीं दी। उन्होंने कहा कि अब सोशल मीडिया पर मेरे नए घर का पता लगाकर हमला करने की योजना बनाई जा रही है।

ईरान के शाहेद-136 ड्रोन की कॉपी करने में जुटे अमेरिका और यूरोपीय देश

तेहरान, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका और यूरोपीय देशों में ईरान के सबसे खतरनाक ड्रोन को कॉपी करने की होड़ लगी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने ईरान के शाहेद ड्रोनों की तर्ज पर हथियार तैयार करना शुरू कर दिया है, जिन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध में जबरदस्त असर दिखाया है। ईरान ने शाहेद ड्रोन की तकनीक उत्तर कोरिया और रूस जैसे देशों को की है और इन दोनों देशों ने एडवांस ड्रोन बनाने शुरू कर दिए हैं, इस काउंटर करने के लिए अब अमेरिका और यूरोप ने भी शाहेद ड्रोन की तर्ज पर नये ड्रोन को तैयार करना शुरू किया है। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि अमेरिका और उसके सहयोगी कम लागत वाले, लंबी दूरी तक मार क्षमता वाले हथियार विकसित करने की होड़ में हैं। अमेरिका, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम सहित कई देशों की कंपनियां शाहिद की तर्ज पर सशस्त्र ड्रोन तैयार कर रही हैं।

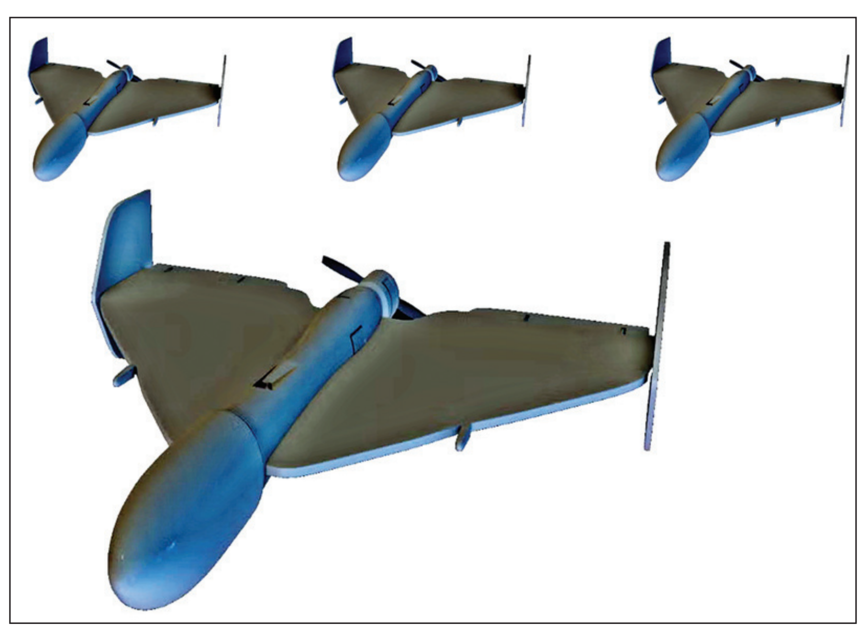

दरअसल, ईरान का शाहेद-136 ड्रोन, जिसे रूस ने यूक्रेन युद्ध में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया, वहां अब पूरी दुनिया की सेनाओं के लिए रोल मॉडल बन गया है। यह आत्मघाती ड्रोन बेहद सस्ता, लंबी दूरी तक मार करने वाला और बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन करने लायक... यानी सस्ता लेकिन जानलेवा हथियार है। पहले युद्धक्षेत्र में महंगे क्रूज मिसाइल और आर्टिलरी का इस्तेमाल होता था, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध ने दिखा दिया कि कम कीमत वाले ड्रोन भी उतने ही घातक और असरदार हो सकते हैं। ईरान ने 2000 के दशक की शुरुआत में शाहेद ड्रोन की तकनीक विकसित की थी। इसका मकसद इजरायल के लंबे रेंज वाले ड्रोन का जवाब देना था। शाहेद को इस तरह डिजाइन किया गया है कि बड़ी संख्या में एक साथ इस्तेमाल होने पर यह दुश्मन की एयर डिफेंस को ध्वस्त कर सकता है।

रूस ने 2022 से यूक्रेन युद्ध में लगातार इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। जुलाई 2025 में ही रूस ने 550 शाहेद ड्रोन दागे, जिसमें 27 लोगों की मौत हुई और यूक्रेन के दर्जनों ठिकाने इसी ड्रोन से तबाह किए गये। यह रणनीति रूस के लिए गेमचेंजर साबित हुई और पश्चिमी देशों को समझ आ गया कि भविष्य के युद्ध का सबसे सस्ता और असरदार हथियार यही हो सकता है। रूस ने ईरान से मिले 'शाहेद-136' को अपने मॉडल 'गेरान' के रूप में बदला और यह तकनीक उत्तर कोरिया को भी सौंप दी। यानि, रूस ने उत्तर कोरिया और ईरान के साथ मिलकर एक नया ध्रुव बना लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की प्रदर्शनी में इस साल 18 नए प्रोटोटाइप ड्रोन दिखाए गए हैं, जिसमें से कई ड्रोन शाहेद ड्रोन की कॉपी लग रहे थे। लुकास और एरोहेड जैसे नए मॉडल, जिसे स्पेक्टरवर्क्स और ग्रिफॉन एयरोस्पेस जैसी कंपनियों ने बनाए हैं, वे बिल्कुल ईरानी ड्रोन की नकल लग रहे हैं। इसके अलावा ब्रिटेन की एमजीआई इंजीनियरिंग ने दावा किया कि उसका नया स्काईशार्क ड्रोन, ईरान के शाहेद ड्रोन के मुकाबले कहीं ज्यादा तेज और एडवांस है। लेकिन असली चुनौती है लागत की है। जहां ईरान और रूस 35-60 हजार डॉलर में एक शाहेद ड्रोन बना लेते हैं, वहीं अमेरिकी कंपनियों के नए ड्रोन की कीमत 1 मिलियन डॉलर से भी ऊपर पहुंच रही है। यानि कॉपी करने के बाद भी अमेरिका और पश्चिमी देशों को कामयाबी नहीं मिल पाई है।

दुनिया भर में तलाक राजधानी क्यों बनता जा रहा लंदन....

लंदन, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

दुनिया भर में आर्थिक रूप से संपन्न दंपति अब अपने वैवाहिक रिश्तों को तोड़ने के लिए लंदन जा रहे हैं। इसका कारण इंग्लैंड की अदालतों को तलाक के मामलों में उदार वित्तीय पुरस्कार देने के लिए जाना जाता है। यहां आर्थिक रूप से कमजोर जीवनसाथी को न्यायिक आदेशों के तहत बड़ी वित्तीय सहायता मिल सकती है, जिससे यह शहर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाक की राजधानी के रुप में चर्चित हो रहा है।

दरअसल अंग्रेजी अदालतें तलाक के मामलों में कमजोर जीवनसाथी के पक्ष में फैसले देती हैं। यदि पति या पत्नी में से कोई एक वित्तीय रूप से मजबूत है और दूसरा अपेक्षाकृत कमजोर, तब अदालत का फैसला प्राय: कमजोर पक्ष को राहत देता है। इसकारण लंदन में दाखिल किए गए कई अंतरराष्ट्रीय तलाक मामलों में कमजोर जीवनसाथी को करोड़ों पाउंड तक का मुआवजा और संपत्ति का हिस्सा दिया गया है।

इसकारण ने लंदन को उन लोगों के लिए आकर्षक बना दिया है, जो तलाक के जरिए अपने साथी की संपत्ति का बड़ा हिस्सा पाना चाहते हैं। बीते दो दशकों में कई हाई-प्रोफाइल मामले सामने आए हैं, जिन्होंने इस छवि को और मजबूत किया है। जहां कमजोर जीवनसाथी के लिए यह एक बड़ी राहत है, वहीं आर्थिक रूप से संपन्न पक्ष के लिए लंदन में तलाक होना बड़ी वित्तीय चुनौती बन सकता है। करोड़ों की संपत्ति पर आधे या उससे ज्यादा हिस्से का दावा यहां आम बात हो गई है। यही कारण है कि कई धनी व्यक्ति तलाक से पहले वैवाहिक समझौते को प्राथमिकता देने लगे हैं।

हालांकि, लंदन की तलाक राजधानी वाली छवि को लेकर कानूनी सुधारों पर चर्चा जारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि हालिया सुधारों के चलते अदालतें भविष्य में वित्तीय पुरस्कारों को कुछ हद तक सीमित करेगी। इससे कमजोर जीवनसाथी को मिलने वाला मुआवजा कम हो सकता है, लेकिन अभी भी लंदन का रुख करना अंतरराष्ट्रीय दंपतियों के लिए आकर्षक बना हुआ है।

शंघाई में आयुर्वेद दिवस समारोह, स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद के महत्व पर चर्चा

शंघाई। भारतीय महावाणिज्य दूतावास की तरफ से यहां आयोजित 10वें आयुर्वेद दिवस समारोह में स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद की जरूरतों और उसकी वैश्विक महत्ता पर बल दिया गया। समारोह के स्वागत भाषण में महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने स्वास्थ्य और कल्याण पर आयुर्वेद के सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डालने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कथन का हवाला दिया। उन्होंने आयुर्वेद को स्वस्थ जीवन का मार्ग बताया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. अनीता शर्मा ने आयुर्वेद द्वारा समग्र उपचार विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को आयुर्वेद के बारे में अधिक जानने और स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण खोजने का अवसर प्रदान किया।

हेडलाइट्स, एलईडी स्ट्रीट लाइट्स, मोबाइल स्क्रीन आँखों को पहुंचा रही नुकसान

वाशिंगटन, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

हेडलाइट्स, एलईडी स्ट्रीट लाइट्स, मोबाइल स्क्रीन और बिलबोर्ड की तेज रोशनी से आँखों को नुकसान पहुँच सकता है। इससे आँखों में सूखापन, थकान और तनाव बढ़ रहा है, और यह सड़क दुर्घटनाओं की एक बड़ी वजह भी बन रही है। एलईडी लाइट्स से निकलने वाली तेज और केंद्रित नीली रोशनी से चकाचौंध होती है, जिससे गाड़ी चलाते समय सामने की चीज़ें पहचानना मुश्किल हो जाता है। इससे दुर्घटना का जोखिम बढ़ जाता है।

तेज रोशनी से रेटिना के न्यूरॉन्स ओवरलोड हो जाते हैं, जिससे उन्हें सामान्य होने में समय लगता है। इससे कुछ सेकंड के लिए दिखना बंद हो सकता है। मोबाइल या स्क्रीन लगातार देखने से पलकें कम झपकती हैं, जिससे आंसू ग्रंथियाँ कमजोर हो जाती हैं और आँखों में सूखापन बढ़ जाता है। लगातार चकाचौंध के संपर्क में रहने से मैक्युलर डिजनरेशन (दृष्टि हानि), मोतियाबिंद और फोटोकैराटाइटिस (आँखों का सनबर्न) जैसी गंभीर समस्याएँ हो सकती हैं।

आँखों को कैसे सुरक्षित रखें – रात में गाड़ी चलाते समय ऐसे चश्मे पहनें जो नीली रोशनी और चकाचौंध को कम करते हैं। चश्मे के लेंस और कार की विंडशील्ड को हमेशा साफ रखें, क्योंकि धूल और गंदगी चकाचौंध को बढ़ाती है। मोबाइल और अन्य डिवाइस की स्क्रीन पर ब्लू लाइट फिल्टर का उपयोग करें। यह हानिकारक नीली रोशनी को कम करता है और आँखों पर पड़ने वाले तनाव को घटाता है। आँखों को सूखने से बचाने के लिए पलकें झपकाते रहें। अपनी कार की हेडलाइट्स की नियमित जाँच और रखरखाव कराते रहें, क्योंकि पुरानी एलईडी लाइट्स के झपकने से चकाचौंध बढ़ सकती है। गाड़ी चलाते समय सामने वाली लेन पर ध्यान दें, न कि सीधे हेडलाइट्स पर।

यूएन में एस. जयशंकर का बड़ा बयान- पाकिस्तान आतंकवाद का ग्लोबल सेंटर

जयशंकर ने भारत को बताया वैश्विक योगदानकर्ता

न्यूयॉर्क, 28 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत के विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्रता के बाद से लगातार आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है। पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे पड़ोसी देश को लंबे समय से वैश्विक आतंकवाद का गढ़ माना जाता है। जयशंकर ने कहा कि दुनिया में हुए कई बड़े आतंकी हमलों की जड़ें एक ही देश से जुड़ी हैं। संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादी सूची में ऐसे अनेक नाम शामिल हैं, जो उसी देश के नागरिक हैं। उन्होंने हाल ही में अप्रैल 2025 में पहलगाम में पर्यटकों की हत्या की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म का ताजा उदाहरण है।

आतंकवाद की निंदा और कड़ी कार्रवाई जरूरी – विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद आज नफरत, हिंसा, असहिष्णुता और डर को मिलाकर एक वैश्विक खतरा बन चुका है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, जब कोई देश आतंकवाद को अपनी राज्य नीति बना ले, जब वहां बड़े पैमाने पर आतंकी कैंप संचालित हों और जब आतंकवादियों का सार्वजनिक तौर पर महिमामंडन किया जाए, तो इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। जयशंकर ने कहा कि आतंकी नेटवर्क और उसकी फंडिंग पर लगातार दबाव बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दुनिया ऐसे देशों को छूट देती रही, तो अंतत: वही आतंकवाद उनके लिए भी खतरा बनकर लौटेगा।

भारत तैयार है अधिक जिम्मेदारियों के लिए – संयुक्त राष्ट्र सुधारों पर जोर देते हुए

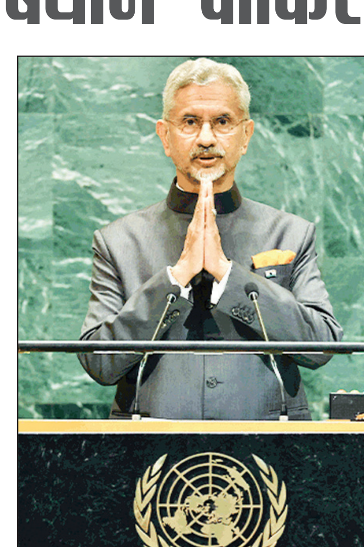

जयशंकर ने कहा कि अब समय आ गया है कि यूएन सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी और अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए। इससे यह वैश्विक निकाय अधिक प्रतिनिधिक और लोकतांत्रिक बनेगा। उन्होंने कहा, भारत अधिक जिम्मेदारियां निभाने के लिए तैयार है। यूएनएससी को ज्यादा देशों की आवाज को शामिल करना चाहिए।

भारत का वैश्विक योगदान भी गिनाया – विदेश मंत्री ने न केवल चुनौतियों पर बात की, बल्कि भारत के वैश्विक योगदान की तस्वीर भी पेश की। उन्होंने बताया कि भारत ने हाल के भूकंपों के दौरान अफगानिस्तान और म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों की तुरंत मदद की। उत्तरी अरब सागर में भारत ने सुरक्षित व्यापार सुनिश्चित किया और समुद्री डकैती पर रोक लगाई।

जयशंकर ने गर्व के साथ कहा– हमारे सैनिक शांति बनाए रखते हैं, हमारे नाविक जहाजों की सुरक्षा करते हैं, हमारे सुरक्षा बल आतंकवाद से लड़ते हैं। हमारे डॉक्टर और शिक्षक दुनिया भर में मानव विकास में योगदान देते हैं, हमारे उद्योग सस्ती वस्तुएं उपलब्ध कराते हैं, हमारे तकनीकी विशेषज्ञ डिजिटलीकरण को आगे बढ़ाते हैं और हमारे प्रशिक्षण केंद्र पूरी दुनिया के लिए खुले हैं। उन्होंने कहा कि यह सब भारत की विदेश नीति की जड़ में निहित है, जो सहयोग, विकास और शांति पर आधारित है।

भारत के लोगों की ओर से नमस्कार – इससे पहले, अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत के लोगों की ओर से नमस्कार। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशक बाद भी शांति और मानव गरिमा की रक्षा इसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने याद दिलाया कि उपनिवेशवाद के अंत के बाद से दुनिया अपनी विविधता की ओर लौटी है और संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता चार गुना हो चुकी है।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा बाबर का रिकॉर्ड, अब हसन रजा को चुनौती

नई दिल्ली,28 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय अंडर-19 टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने यूथ क्रिकेट में फिर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज में सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया को 3-0 की क्लीन स्वीप दिलाई। हालांकि तीसरे मैच में वह केवल 16 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इससे पहले के मैचों में उनके प्रदर्शन ने उन्हें रिकॉर्ड की किताबों में दर्ज करा दिया। वैभव ने कुल 556 रन बनाए हैं और इस दौरान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम का रिकॉर्ड तोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब उनकी नजरें पाकिस्तान के हसन रजा के 727 रन के रिकॉर्ड को तोड़ने पर टिकी हैं। यूथ वनडे में 16 या उससे कम उम्र में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सूर्यवंशी का नाम अब शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में शुमार हो गया है।

सूर्यवंशी ने हाल ही में यूथ वनडे में सबसे अधिक छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के उनमुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। वैभव ने अब 43 छक्कों के साथ इस सूची में पहले पायदान पर कब्जा जमा लिया है। उनकी यह उपलब्धि भारतीय अंडर-19 टीम के लिए गर्व का क्षण है और युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन रही है। वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 11 पारियों में 556 रन बनाए हैं, उनकी औसत 50.54 और स्ट्राइक रेट 151.91 रहा है। उनकी इस बेहतरीन फार्म को देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि उनका करियर यूथ क्रिकेट में कई रिकॉर्ड तोड़ने वाला साबित हो सकता है। उनके तकनीकी कौशल, आक्रामक खेल और दबाव में शांत रहना उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाता है। अंडर-19 टीम के कोच और विशेषज्ञों का कहना है कि वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन केवल रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह खेल के सभी पहलुओं में टीम के लिए अहम योगदान दे रहे हैं। उनका यह लगातार उत्कृष्ट खेल भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए भी संकेत है। अब सभी की निगाहें 16 या उससे कम उम्र में सर्वाधिक रन के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे हसन रजा ने 727 रन बनाकर अपने नाम किया था। अगर वैभव अपनी फॉर्म को ऐसे ही जारी रखते हैं, तो बहुत जल्द यह रिकॉर्ड भी उनके नाम हो सकता है। यूथ क्रिकेट में सूर्यवंशी की चमक से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में नई उम्मीदें जाग रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

कोच द्रविड़ के बाद फील्डिंग कोच याग्निक ने भी रॉयल्स को छोड़ा

नई दिल्ली। कोच राहुल द्रविड़ के बाद फील्डिंग कोच दिशांत याग्निक ने भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले ही राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से नाता तोड़ दिया है। रायल्स के लिए ये करारा झटका है। द्रविड़ को साल 2025 में रॉयल्स ने टीम का कोच बनाया था पर टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उसके बाद द्रविड़ ने कोच पद छोड़ दिया था। ये भी कहा जा रहा है कि उनपर इसके लिए दबाव था क्योंकि टीम 2025 में लीग चरण के 14 मैचों में चार जीत के साथ ही नौवें स्थान पर रही थी। याग्निक अब आगामी घरेलू सत्र में जम्मू और कश्मीर टीम के क्षेत्ररक्षण कोच रहेंगे। उनके सहायक कोच रहते ही जम्मू और कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। द्रविड़ और याग्निक के बाद अब कप्तान संजू सैमसन भी टीम से बाहर जा सकते हैं। माना जा रहा है कि सैमसन ने भी कप्तानी छोड़ने के संकेत दे दिये हैं। पिछले सत्र में वह फिट नहीं होने के कारण अधिकतर समय टीम से बाहर थे।

अब्दुर रज्जाक ने बीसीबी चयन समिति से इस्तीफा

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रीय बाएं हाथ के स्पिनर अब्दुर रज्जाक ने छह अक्टूबर को होने वाले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनाव में हिस्सा लेने के लिए चयन समिति से इस्तीफा दे दिया है।

रज्जाक जनवरी 2021 से चयनकर्ता के रूप में कार्यरत थे। अब उन्होंने निदेशक पद के लिए नामांकन फॉर्म खरीदा है और बीसीबी बोर्ड रूम में खुलना डिवीजन का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी में हैं। बीसीबी में 25 निदेशक चुने जाएंगे, जिनमें क्लबों से 12, डिवीजन और डिस्ट्रिक्ट से 10, एनएससी द्वारा नामित दो और अन्य संगठनों से एक प्रतिनिधि शामिल हैं। रज्जाक ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि मैंने बीसीबी चुनाव में शामिल होने के लिए चयनकर्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। मैंने खिलाड़ी और चयनकर्ता के रूप में देश की सेवा की है और अब निदेशक मंडल में शामिल होकर नई चुनौती का सामना करना चाहता हूँ। बीसीबी के चुनाव आयोग ने आगामी निदेशक मंडल के चुनावों के लिए 26 सितंबर को 191 पार्षदों की अंतिम मतदाता सूची जारी की। इस सूची में ढाका स्थित 15 क्लबों के काउंसलर शामिल थे, जिन्हें 23 सितंबर को जारी मसौदा सूची से बाहर रखा गया था। चुनाव आयोग के अनुसार, इन क्लबों को काउंसलर पद इसलिए दिया गया क्योंकि भ्रष्टाचार रोधी आयोग द्वारा अभी तक उन्हें दोषी नहीं ठहराया गया है। पांच जिलों सिलहट, बोगुरा, पबना, सिराजगंज और नौगांव के काउंसलर पद भी सूची में शामिल किए गए, जबकि नरसिंगडी जिले का पद रिक्त रहा ।

जूनियर विश्व कप में चमकी रश्मिका-कपिल की जोड़ी, एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता सोना

नई दिल्ली । भारतीय निशानेबाजों ने शनिवार को आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दबदबा बनाते हुए शीर्ष दो स्थान हासिल किए। हाल ही में कजाखस्तान में एशियाई चैंपियनशिप की महिला और पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली रश्मिका और कपिल ने इस प्रतियोगिता के तीसरे दिन एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। रश्मिका और कपिल ने खिताबी दौर में वंशिका चौधरी और एंटोनी जोनाथन गेविन की एक अन्य भारतीय जोड़ी को 16-10 से हराया। इनेस ओर्टेगा कास्त्रो और लुकास सांचेज की स्पेन की जोड़ी ने पेरिमाह अमीरी मोहम्मद रेजा अहमादी की ईरान की जोड़ी को 16-14 से हराकर कांस्य पदक जीता। रश्विमका-कपिल ने शुरुआत से बनाया दबाव रश्मिका और कपिल की जोड़ी ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया और क्वालिफिकेशन में 582 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। दोनों ने समान 291 अंक जुटाए। वंशिका और गेविन की जोड़ी ने क्रमश: 287 और 291 अंक से कुल 578 अंक के साथ फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप : रुज्दी ने विश्व रिकॉर्ड के साथ लगातार छठा शॉटपुट स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली,28 सितंबर (एजेंसियां) ।

बुल्गारिया के रुज्दी ने रविवार की सुबह यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रहे विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की शॉटपुट एफ55 स्पर्धा में लगातार छठा स्वर्ण पदक जीता। सुबह के सत्र में स्थापित तीन विश्व रिकॉर्डों में से एक 12.94 मीटर के विश्व रिकॉर्ड के साथ उनका दबदबा रहा।

मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की लंबी कूद टी20 स्पर्धा में 7.67 मीटर के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की, जबकि यूक्रेन के वोलोडिमिर पोनोमारेंको ने अपने दूसरे प्रयास में 17.39 मीटर के साथ पुरुषों की शॉटपुट टी12 स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड बनाया और मुकाबला निर्णायक रूप से जीत लिया।

34 वर्षीय रुज्दी ने अपने अंतिम प्रयास में लोहे की गेंद को 12.94 मीटर से ज्यादा की दूरी से फेंका, जिससे दो साल पहले पेरिस में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाए गए उनके 12.69 मीटर के रिकॉर्ड में सुधार हुआ। सर्बिया के नेबोजसा ड्यूरिक ने छह बार 12 मीटर से ज़्यादा की दूरी से थ्रो किया, लेकिन रुज्दी ने ड्यूरिक के सर्वश्रेष्ठ 12.52 मीटर से पांच बेहतर थ्रो किए।

एक कार दुर्घटना में बचे रुज्दी कमर से नीचे लकवाग्रस्त हैं। उन्होंने 2015 में दोहा से शुरू होकर विश्व चैंपियनशिप के प्रत्येक संस्करण में जीते गए स्वर्ण पदकों में और इजाफा किया। कठिन परिस्थितियों में भी अच्छा प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता तब सामने आई जब उन्होंने विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और यह तीसरी बार था जब उन्होंने विश्व रिकॉर्ड दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता।

मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की लंबी कूद टी20 स्पर्धा में हैट्रिक पूरी की। 28 वर्षीय इस खिलाड़ी के लिए विश्व रिकॉर्ड एक सोने की खान साबित हुआ, जिन्होंने इस स्पर्धा में पांच स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीतकर अपना दबदबा बनाया है। विश्व चैंपियनशिप में उन्हें केवल एक बार 2019 में दुबई में ही हराया गया था।

यूक्रेन के वोलोडिमिर पोनोमारेंको ने पुरुषों की शॉट पुट टी12 स्पर्धा में अपने दूसरे प्रयास में 17.39 मीटर के प्रयास के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया और निर्णायक रूप से मुकाबला जीत लिया। लातविया के एमिल्स डिजिलना ने 16 मीटर से अधिक के दो पुट लगाए, लेकिन 16.63 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन यूक्रेनी खिलाड़ी को स्वर्ण पदक जीतने से नहीं रोक पाया।

नासिमा सैफी के प्रतिद्वंद्वियों को उन्हें पोडियम के शीर्ष से हटाना मुश्किल लगा क्योंकि उन्होंने महिलाओं की डिस्कस थ्रो एफ57 स्पर्धा में स्वर्ण पदकों की दोहरी हैट्रिक पूरी की। अंतर साफ दिखाई दे रहा था, क्योंकि उनके पांचों वैध थ्रो 32 मीटर से ज़्यादा के थे, जबकि चीन की रजत पदक विजेता तियान युक्सिन का 30.30 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास 30 मीटर से ज़्यादा के दो अन्य थ्रो में से सिर्फ़ एक था। कैथरीन डेब्रनर (स्विट्जरलैंड) महिलाओं की 5000 मीटर टी54 रेस में प्रभावशाली विजेता रहीं। उन्होंने गत चैंपियन चीन की तियान याजुआन और अपनी ही टीम की साथी पेट्रीसिया ईचस पर शानदार जीत हासिल की। डेब्रनर की भुजाओं ने उनकी व्हीलचेयर को शक्ति प्रदान की और 3 किमी के बाद ही वह बढ़त बना लीं। 30 वर्षीय एथलीट ने अपना दूसरा 5000 मीटर स्वर्ण पदक जीतने के लिए वापसी की।

उत्तराखंड प्रीमियर लीग क्रिकेट 2025 में वॉरियर्स और फाल्कन्स ने जीत से शुरुआत की

देहरादुन,28 सितंबर (एजेंसियां) ।

देहरादून वॉरियर्स और ऋषिकेश फाल्कन्स ने उत्तराखंड में पुरुष क्रिकेटरों के लिए शुरु हुए प्रीमियर लीग 2025 टूर्नामेंट के अपने-अपने पहले मैच जीत लिए। वॉरियर्स ने इस टूर्नामेंट के पहले मैच में 20 ओवरों में 9 विकेट पर 162 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडियंस की टीम 9 विकेट पर 146 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में वॉरियर्स ने सागर रावत के 38 रनों और हर्षित पालीवाल की अंत में 28 रनों की पारी की सहायता से 20 ओवरों में 9 विकेट पर 162 रन बनाये। इंडियंस की ओर से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज राजन कुमार ने 18 रन देकर 3 खिलाड़ियों को आउट किया। पिछली उपविजेता इंडियंस इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रही पर वॉरियर्स के गेंदबाजी आक्रमण के सामने टिक नहीं पायी। 15वें ओवर में 92 रन पर छह विकेट खोने के बाद, लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने वंशराज चौहान की 38 रनों की पारी सवे 140 से अधिक रन बनाये पर वह लक्ष्य तक नहीं पहुं पायी।

वहीं टिहरी टाइटन्स और ऋषिकेश फाल्कन्स

हुए मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए टाइटन्स ऋषिकेश के तेज गेंदबाज़ी आक्रमण के सामने टिक नहीं पायी। निखिल पुंडीर, अग्रिम तिवारी और जगमोहन नागरकोटी के सामने टिहरी का शीर्ष क्रम धवस्त हो गया। केवल अनिकेत मलिक के 40 गेंदों पर 38 रनों की पारी से टीम सात विकेट पर 103 रन ही बना पायी। ऐसे में टिहरी 9 विकेट प 112 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले छोटे से लक्ष्य को ऋषिकेश ने अभ्युदय भटनागर और एलन चेतन के बीच 38 रनों की साझेदारी से हासिल कर लिया। इस दौरान टाइटन्स के गेंदबाज विफल रहे। अखिल सिंह रावत और पूर्वांश ध्रुव ने तीसरे विकेट के लिए 64 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिससे ऋषिकेश ने केवल 12.2 ओवर में जीत दर्ज की।

फुटबॉल खेलते हुए जुवेंटस और अटलांटा के खिलाड़ी

इटली में सीरीज ए फुटबॉल में खेलते हुए जुवेंटस और अटलांटा के खिलाड़ी।

भारत ने सातवां सैफ अंडर-17 खिताब जीता, पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को हराया

कोलंबो,28 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय फुटबॉल टीम ने शनिवार को यहां पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को 4-1 से हराकर सातवां सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप खिताब जीता।

भारत ने दल्लामुओन गंगटे (चौथे मिनट) और अजलान शाह केएच (38वें मिनट) के गोल की मदद से पहले हाफ में 2-1 की बढ़त बनाई हुई थी लेकिन बांग्लादेश ने आखिरी मिनट में इहसान हबीब रिदुआन के बराबरी के गोल से वापसी कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया जिससे शूटआउट से नतीजा निकला।

भारतीय टीम ने जरूरी समय पर संयम बनाए रखा। दल्लामुओन गंगटे, कोरोउ मेइतेई कोंथौजम और इंद्र राणा मगर ने शानदार गोल किए। इसके बाद शुभम पूनिया ने निर्णायक चौथा किक गोल में डाला।

वेस्टइंडीज सीरीज में करुण नायर को जगह न मिलने पर कोच ने जताई नाराजगी

मुंबई,28 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेटर करुण नायर को आगामी वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिलने पर उनके बचपन के कोच विजय मद्यालकर ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है। नायर ने इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 8 पारियों में 205 रन बनाए थे, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल था, जिसके बावजूद उन्हें वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर रखा गया। मद्यालकर ने कहा कि नायर आगामी सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे और वह भारतीय परिस्थितियों के लिए पूरी तरह अनुकूल हैं। उन्होंने बताया, मुझे उसके लिए बहुत बुरा लगा। मुझे लगता है कि वह एक और मौके का हकदार था। इंग्लैंड जैसी कठिन परिस्थितियों में, जहाँ बल्लेबाजी आसान नहीं होती, उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

कोच ने आगे कहा कि चयनकर्ताओं का नजरिया अलग होता है और उनकी सोच का सम्मान करना पड़ता है। उन्होंने कहा, यह उनका फैसला है। वे अलग तरह से सोचते हैं। लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूं कि नायर ने इंग्लैंड में जो किया, वह पर्याप्त था। उन्होंने भारत में भी अच्छे रन बनाए थे और अब उन्हें घरेलू परिस्थितियों में मौका देना चाहिए था।

मद्यालकर का यह भी मानना है कि नायर की तकनीक और मानसिक मजबूती उन्हें भारतीय परिस्थितियों में विशेष रूप से प्रभावशाली बल्लेबाज बनाती है। भारत में विकेट और मौसम की परिस्थितियों के अनुसार नायर का खेल अधिक कारगर हो सकता है। इंग्लैंड में हालात हमेशा बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं होते। ऐसे खिलाड़ी को मौका देने से टीम को फायदा ही होगा, उन्होंने कहा। 34 वर्षीय करुण नायर का नाम लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम में भरोसेमंद बल्लेबाज के रूप में लिया जाता रहा है। हालांकि इंग्लैंड में उनके स्कोर अपेक्षाकृत मध्यम रहे, फिर भी कोच मद्यालकर का मानना है कि उनकी तकनीक और अनुभव उन्हें घरेलू परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाते हैं।

इस निर्णय के बाद क्रिकेट प्रेमियों और विश्लेषकों के बीच भी चर्चा शुरू हो गई है कि क्या भारतीय परिस्थितियों में अनुभव और तकनीक रखने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सीरीज में मौका दिया जाना चाहिए। करुण नायर की अगली चुनौती अब यह साबित करना होगी कि वह भारतीय परिस्थितियों में टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

वेस्टइंडीज टेस्ट के लिए भारत की टीम: शुबमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रित बुमरा, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव।

आइलाइन खरीदी में बंपर उछाल....अमेजन ने 38 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के आने की सूचना दी

नई दिल्ली,28 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी कटौती के कारण मौजूदा त्यौहारों में उपभोक्ता अधिक खरीदारी कर रहे हैं। महानगरों तथा उभरते बाजारों में त्यौहारी मांग 23-25 प्रतिशत तक बढ़ी है। जीएसटी के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी महंगी श्रेणियों में कीमत कम हुई है। नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से प्रभावी जीएसटी सुधारों ने बड़े स्क्रीन वाले टीवी, मध्यम श्रेणी के फैशन और फर्नीचर सहित कई श्रेणियों में जीएसटी कर दरों में कमी की है। इससे उपभोक्ताओं को सीधे मूल्य लाभ मिला है। इन बदलावों ने खरीदारों को छूट की तलाश से आगे बढ़कर अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इससे मझोले और छोटे शहरों से भागीदारी बढ़ी है और सोच-विचार कर किए जाने वाले खर्च में वृद्धि को बढ़ावा मिला है।

एक रिपोर्ट के अनुसार बड़े टीवी पर जीएसटी को 28 से घटाकर 18 प्रतिशत करने से खुदरा कीमतों में 6-8 प्रतिशत की गिरावट आ गई है। इससे प्रीमियम मॉडल की मांग बढ़ी है। इसतरह 2,500 रुपये से कम कीमत वाली फैशन वस्तुओं पर अब सिर्फ पांच प्रतिशत जीएसटी लग रहा है, इससे इस परिधानों की खरीदारी को बढ़ावा मिल रहा है। इसी तरह फर्नीचर की बिक्री में भी बढ़ी है। पहले दो दिनों की बिक्री में सालाना आधार पर 23-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जीएसटी 2.0 सुधारों और त्यौहारी माहौल की दोहरी ताकतों ने प्रीमियम स्मार्टफोन और टीवी की खरीदारी में तेजी ला दी।

रिपोर्ट में कहा गया कि मांग इतनी ज्यादा थी कि कुछ एप बहुत धीमे हो गए और ऑर्डर देने की कोशिश के कुछ ही मिनटों में क्रैश हो गए। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने अपनी त्यौहारी सेल के पहले दो दिनों में 38 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के आने की सूचना दी, जो इसकी अब तक की सबसे बड़ी शुरुआत थी। करीब 70 प्रतिशत से ज्यादा ग्राहक शीर्ष नौ महानगरों के बाहर से आए। फ्लिपकार्ट ने पिछले साल की तुलना में अपनी त्यौहारी सेल के पहले 48 घंटों के दौरान उपयोगकर्ताओं की संख्या में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष ने कहा, जीएसटी बचत उत्सव पहल को अविश्वसनीय रूप से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिसमें विक्रेताओं ने केवल 48 घंटों में करोड़ों रुपये के जीएसटी लाभ ग्राहकों तक पहुंचाए।

न्यूज ब्रीफ

होंडा सीबी300आर की कीमत घटी, अब 2.19 लाख में उपलब्ध

नई दिल्ली। बीते दिनों होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने घोषणा की थी कि वह 350सीसी से कम कैपेसिटी वाली अपनी मोटरसाइकिल और स्कूटर्स पर जीएसटी का पूरा लाभ ग्राहकों को देगी। इस लिस्ट में शुरुआत में सीबी300आर शामिल नहीं थी, लेकिन अब होंडा ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी कीमत को रिवाइज्ड कर दिया है। अब होंडा सीबी300आर की एक्स-शोरूम कीमत 2.19 लाख रुपए हो गई है, जो पहले 2.40 लाख रुपए थी। इससे कुल 21,000 रुपए की बड़ी कटौती हुई है। इस अपडेट के बाद सीबी300आर अब केटीएम 250 ड्यूक (2.12 लाख रुपए), ट्रायम्फ स्पीड 400 (2.50 लाख रुपए) और टीवीएस अपाचे आरटीआर 310 (2.21 लाख से 2.87 लाख रुपए) जैसे कॉम्पिटिटर्स के मुकाबले ज्यादा किफायती विकल्प बन गई है। इस मोटरसाइकिल में 286सीसी का सिंगल-सिलेंडर, डीओएचसी, लिक्विड-कूल्ड इंजन लगा है, जो 31 हॉर्सपावर और 27.5 एनएम टॉर्क देता है। इंजन स्लिप और असिस्ट क्लच वाले 6-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। पहले सीबी300आर की कीमत 2.77 लाख रुपए थी, जिसे स्थानीय उत्पादन बढ़ने के चलते घटाकर 2.40 लाख रुपए किया गया था। अब जीएसटी रिवाइज्ड के चलते यह और भी सस्ता हो गया है। इस कदम से सीबी300 आर अपने सेगमेंट में बेहतरीन वैल्यू फॉर मनी विकल्प बन गई है, जो कीमत, पर्फॉर्मेंस और फीचर्स का संतुलित मिश्रण पेश करती है।

रेनो ट्राइबर अब 5.73 लाख से 8.60 लाख रुपये में उपलब्ध

नई दिल्ली। भारत में रेनो कंपनी की ट्राइबर 2025 फेसलिफ्ट, अब 5.73 लाख रुपये से 8.60 लाख रुपये की कीमत पर उपलब्ध है। रेनों की किफायती 7-सीटर एमपीवी 1.0-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ आती है, जो 71बीएचपी की पावर और 96एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। गियरबॉक्स के तौर पर 5-स्पीड मैनुअल और एएमटी दोनों विकल्प मिलते हैं, साथ ही वैकल्पिक सीएनजी फिटमेंट का भी ऑप्शन दिया गया है। रियल-वर्ल्ड टेस्टिंग में एएमटी वर्जन की फ्यूल एफिशियंसी का पता चला है। सिटी ड्राइव में 73 किलोमीटर की राइड के दौरान 5.35 लीटर पेट्रोल की खपत हुई, जिससे माइलेज 13.64 केएमपीएल निकला। वहीं, हाईवे ड्राइव पर 82 किलोमीटर की दूरी में 4.59 लीटर तेल खपत हुई, जो 17.86 केएमपीएल का माइलेज देती है। ओवरऑल एवरेज, यानी सिटी और हाईवे को मिलाकर, ट्राइबर एएमटी का एवरेज माइलेज 14.69 केएमपीएल रहा। इसमें 40-लीटर का फ्यूल टैंक होने के कारण, यह एमपीवी एक फुल टैंक में लगभग 587 किलोमीटर का सफर तय कर सकती है। ट्राइबर एएमटी खासतौर पर उन खरीदारों के लिए सही विकल्प है जो कम बजट में 7-सीटर कार चाहते हैं।

जीएसटी दरें कम होने के बाद सस्ते हुए कई कंपनियों के मॉडल

नई दिल्ली। नई जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद देश में कई कंपनियों के पसंदीदा एसयूवी मॉडलों की कीमतों गिरावट आई है। इन प्रमुख मॉडलों में किआ, महिंद्रा और टाटा के ऐसे पांच मॉडल शामिल हैं, जिनकी मांग हमेशा मजबूत रही है। अब ये 1.35 लाख से 1.86 लाख रुपए तक सस्ते हो गए हैं। सबसे अधिक छूट किआ सिरोस को मिली है। एचटीएक्स प्लस (ओ) एटी वैरिएंट पर 1.86 लाख रुपए तक की कटौती हुई है, जिससे यह प्रीमियम अनुभव और शक्तिशाली इंजन के साथ ज्यादा आकर्षक विकल्प बन गया है। वहीं, किआ सोनेट के जीटीएक्स प्लस एटी वैरिएंट पर 1.64 लाख रुपए तक की छूट मिली है, जिससे यह सब-4 मीटर एसयूवी बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करता है। महिंद्रा की कॉम्पैक्ट एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सओ के एएक्स7एल वैरिएंट की कीमत में 1.56 लाख रुपए तक की कमी आई है। मजबूत बनावट और परफॉर्मेंस के साथ अब यह और भी किफायती विकल्प बन गई है। भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी टाटा नेक्सन के फेयरलैस प्लस पीएस डीके वैरिएंट की कीमत में 1.55 लाख रुपए तक की कटौती हुई है, जिससे यह और भी आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बन गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सख्त परीक्षा...

आखिरकार, इन्हीं स्तरों से आगे चलकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज बनते हैं।कॉलेजियम प्रणाली के चलते उच्च न्यायालयों में जजों की कुर्सियां कुछ चुनिंदा परिवारों के सदस्यों के लिए आरक्षित हो गई हैं। नजदीकी रिश्तेदार न हों तो जज साहब अपने दोस्तों या खास लोगों के बच्चों को प्राथमिकता देते हैं। इसी भाई-भतीजावाद और भ्रष्ट व्यवस्था को खत्म करने के लिए नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन (एनजेएसी) बना। मोदी सरकार ने 2014 में संसद के दोनों सदनों में 99वां संवैधानिक संशोधन पास कराया, एनजेएसी अधिनियम बना और 16 राज्यों ने भी इसे मंजूरी दे दी। 31 दिसंबर 2014 को राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने हस्ताक्षर कर दिए। 13 अप्रैल 2015 को यह कानून लागू हो गया। लेकिन 16 अक्टूबर 2015 को सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से इस कानून को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने एनजेएसी को असंवैधानिक करार दिया और कॉलेजियम प्रणाली बहाल कर दी।यह वैसा ही था जैसे जंगल के दरबार में शेर से पूछा जाए कि क्या वह ऐसा कानून मंजूर करेगा जिसमें शेरों को मनमाने शिकार से रोका जाए और हर शिकार का हिसाब देना पड़े। शेर का जवाब क्या होगा? ठीक वही अपेक्षित जवाब सुप्रीम कोर्ट ने भी दिया और कानून रद्द कर दिया। कॉलेजियम प्रणाली ही न्यायपालिका के शेरों का पेट भरती है। एनजेएसी लागू होता तो शेर मनमाना शिकार नहीं कर पाते।जाने-माने अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अहम सदस्य संजीव सान्याल ने तीन महत्वपूर्ण बातें कही हैं। सान्याल ने कहा, मुझे डर है कि न्यायिक प्रणाली और कानूनी इको-सिस्टम, खासतौर से न्यायिक प्रणाली आज भारत को विकसित भारत बनाने में सबसे बड़ी बाधा है। जब तक यहां भारी परिवर्तन नहीं होता, सबसे मजबूत आर्थिक नीतियां भी बेकार साबित होंगी। सान्याल ने यह भी पूछा, जजों को माई लॉर्ड क्यों कहा जाए? आखिर वे भी हमारे जैसे नागरिक हैं, सामंती शासक नहीं। आज भले ही सर या योर ऑनर स्वीकार्य हैं, लेकिन ज्यादातर वकील अब भी माई लॉर्ड कहकर ही जजों को संबोधित करते हैं और जज उन्हें मना भी नहीं करते, बल्कि प्रसन्न होते हैं। संजीव सान्याल ने अदालतों की लंबी छुट्टियों पर भी सवाल उठाया। इन लंबी छुट्टियों के दौरान अदालतों का पूरा कामकाज ठप्प हो जाता है। पुलिस, सरकारी अस्पताल या नौकरशाही में भी छुट्टियां होती हैं, लेकिन वहां काम कभी बंद नहीं होता। अदालतों को ही क्यों वेकेशन बेंच की जरूरत पड़े?उल्लेखनीय है कि संजीव सान्याल महान क्रांतिकारी शचींद्रनाथ सान्याल के पोते हैं। शचींद्रनाथ सान्याल के शिष्य राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे वीर रहे हैं जिन्होने काकोरी एक्शन में राम प्रसाद बिस्मिल का साथ दिया था और अंग्रेजों ने उन्हें फांसी दे दी थी। संजीव सान्याल प्रधानमंत्री के भरोसेमंद व्यक्ति हैं।बहरहाल, परंपरा रही है कि राष्ट्रपति के सार्वजनिक बयान अक्सर प्रधानमंत्री की मूक सहमति से ही होते हैं। इसलिए इन दोनों दिग्गजों की बातें साफ इशारा करती हैं कि मोदी सरकार न्याय प्रणाली में कुछ बड़े परिवर्तन की तैयारी कर रही है। आने वाले महीनों में जज साहबान को मुजरिम के कटघरे में खड़ा कर जवाब मांगा जाएगा और कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी और प्रशांत भूषण जैसे वकीलों द्वारा खड़ी की गई लीगल इको-सिस्टम को भी तोड़ा जाएगा। आवश्यक सुधारों के साथ-साथ न्यायालयों की रिपोर्टिंग प्रणाली में भी बदलाव जरूरी है। अभी लाइव-लॉ और बार एंड बेंच सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई कवर करते हैं, लेकिन ये भी उसी इको-सिस्टम का हिस्सा हैं। जरूरत है एक तीसरे, मजबूत और राष्ट्रवादी लीगल डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म की, जो बेबाकी से इस किले में प्रवेश कर सके और न्यायपालिका को खोखला कर रहे दीमकों का पेस्ट कंट्रोल कर सके।

हिमालय क्षेत्र...

अपील में जून 2025 में प्रकाशित एक स्टडी का हवाला देते हुए कहा गया है कि चार धाम परियोजना क्षेत्र में 811 भूस्खलन क्षेत्र हैं और इसमें से ज्यादातर राजमार्ग को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को काटने की वजह से बने हैं। एक और अध्ययन का हवाला देते हुए बताया गया है कि केवल ऋषिकेश-बद्रीनाथ मार्ग पर हर पांच किलोमीटर में औसतन चार भूस्खलन हो रहे हैं। अपीलकर्ताओं ने कहा है कि यह निश्चित रूप से वह विकास नहीं है, जिसे पिछले 15-20 वर्षों से हम पर थोपा जा रहा है।ज्ञापन में विशेष रूप से भागीरथी ईको-सेंसिटिव जोन का उल्लेख किया गया है। अपीलकर्ताओं ने कहा कि यहां सड़क चौड़ीकरण के लिए हजारों पेड़ों की कटाई की योजना है। हाल ही में धराली (उत्तरकाशी) में हुई तबाही के संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के पेड़ प्राकृतिक सुरक्षा कवच का काम करते हैं और उनकी कटाई को एक अपराध माना जाना चाहिए। अपीलकर्ताओं ने यह भी याद दिलाया कि 2013 की केदारनाथ आपदा से लेकर 2023 और 2025 की भीषण बाढ़ तक, हिमालयी राज्यों में बार-बार आपदाएं जान और माल का भारी नुकसान पहुंचा रही हैं। केवल 2025 की आपदाओं में ही उत्तराखंड सरकार ने केंद्र से 15,700 करोड़ रुपए की राहत राशि की मांग की है। ज्ञापन में चार धाम राजमार्ग परियोजना के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट से दो मांगें रखी गई हैं। एक, 14 दिसंबर 2021 के निर्णय को वापस लिया जाए। दूसरा, केंद्रीय सड़क एवं भूतल परिवहन मंत्रालय के 15 दिसंबर 2020 के परिपत्र को निरस्त कर 2018 के परिपत्र को बहाल किया जाए, जिसमें 5.5 मीटर चौड़ी इंटरमीडिएट सड़क की सिफारिश की गई थी। अपील में कहा गया है, गंगा-हिमालय बेसिन 60 करोड़ लोगों का जीवन-आधार है। यदि हिमालय नष्ट होता है, तो पूरा देश प्रभावित होगा। इसलिए यह केवल स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। संविधान के अनुच्छेद 51-ए (जी) का हवाला देते हुए कहा गया है कि हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करे। हम उसी संवैधानिक कर्तव्य के तहत यह अपील कर रहे हैं कि सर्वोच्च न्यायालय शेष बची हिमालय की धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए तुरंत कदम उठाए। अपीलकर्ताओं में हिमालय की चिंता करने वाले कई प्रमुख लोग शामिल हैं। इनमें शेखर पाठक, रामचंद्र गुहा, केएन गोविंदाचार्य, पूर्व सांसद रेवती रमन सिंह सहित 57 लोगों के हस्ताक्षर हैं। अपीलकर्ताओं की चिंता जायज है। विशेषज्ञों का भी मानना है कि यदि हिमालय पर्वतमाला नष्ट हो जाए, तो भारत में गंभीर पर्यावरणीय, भौगोलिक और मानवीय प्रभाव पड़ेंगे, जिससे देश की जलवायु चरम पर पहुंच जाएगी, नदियां सूख जाएंगी, कृषि व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी और उत्तर भारत शुष्क रेगिस्तान बन जाएगा। मध्य एशिया से आने वाली बर्फीली ठंडी हवाएं बिना किसी रोक-टोक के भारत में प्रवेश करेंगी और मानसूनी हवाएं कमजोर पड़ जाएंगी, जिससे वर्षा की भारी कमी होगी।हिमालय पर्वतमाला मध्य एशिया से आने वाली बेहद ठंडी हवाओं को भारत में आने से रोकती है। इसके नष्ट होने पर ये हवाएं बिना किसी बाधा के भारत में प्रवेश करेंगी, जिससे यहां की सर्दियां बहुत कठोर हो जाएंगी। यह भारत की जलवायु को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाले मानसूनी हवाओं को रोकता है, जिससे वर्षा होती है। हिमालय के बिना, ये हवाएं भारत में वर्षा नहीं करेंगी और देश के बड़े हिस्से में सूखे की स्थिति पैदा हो जाएगी।गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी भारत की प्रमुख नदियां हिमालय के पिघलते बर्फ और उसके ढलानों से ही शुरू होती हैं। हिमालय के विनाश से ये नदियां सूख जाएंगी, जिससे करोड़ों लोगों के लिए पानी का संकट खड़ा हो जाएगा। हिमालय एक सक्रिय भूवैज्ञानिक क्षेत्र है। हिमालय के अपनी जगह से खिसकने या नष्ट होने से भूकंपीय गतिविधियां बढ़ सकती हैं। हिमालयी क्षेत्र में कई विशिष्ट प्रकार की वनस्पतियां और जीव-जंतु पाए जाते हैं। यदि हिमालय का अस्तित्व खतरे में पड़ जाए, तो ये वनस्पतियां और जीव विलुप्त हो जाएंगे, जिससे जैव विविधता को भारी नुकसान होगा।उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी पिछले दिनों हिमाचल त्रासदी के प्रसंग में अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा था कि वह दिन दूर नहीं जब पूरा हिमाचल भारत के नक्शे से गायब हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हिमालय से लगने वाले पर्वतीय प्रदेशों में अंधाधुंध निर्माण और पर्यटकों की बढ़ती संख्या से पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कहा कि आपदाओं के लिए इंसान ही जिम्मेदार हैं। बाढ़, भूस्खलन, घरों का गिरना और सड़कों का धंसना, ये सब मानव निर्मित हैं। प्रकृति को दोष देना गलत है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेव की बेंच ने कहा था कि पर्वतीय प्रदेश को प्रकृति ने बहुत खूबसूरती दी है लेकिन सरकार ने इस खूबसूरती का फायदा उठाते हुए इसे एक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देना शुरू कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राजस्व कमाना ही सब कुछ नहीं है। पर्यावरण और पारिस्थितिकी की कीमत पर राजस्व नहीं कमाया जा सकता।हिमाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन के अनुसार पिछले आठ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि मानसून सीजन में अब तक 3,094 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, 22,467 करोड़ रुपए की सम्पत्ति का नुकसान हुआ है। लगातार बढ़ते हादसों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर हिमाचल की भौगोलिक और पर्यावरणीय संवेदनशीलता को हम कितनी गंभीरता से ले पा रहे हैं? विशेषज्ञ कहते हैं कि हिमालय क्षेत्र में पूर्वोत्तर से लेकर उत्तर-पश्चिम तक 12 से 13 राज्य आते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण बादल फटना, अचाक बाढ़ (फ्लैश-फ्लड), अप्रत्याशित मूसलाधार बारिश और भूस्खलन की घटनाओं में इजाफा होता चला जा रहा है। इसके लिए केंद्र और संबंधित राज्य सरकारों को सख्त नीतिगत और कानूनी फैसले लेने होंगे।दूसरी तरफ, सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार को पूर्व में कई बार आश्वासन देने के बावजूद सारंडा और सासंगदाबुरु वनों को वन्यजीव अभयारण्य और संरक्षण रिजर्व घोषित नहीं किए जाने पर कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि यदि इस मुद्दे पर पिछले आदेशों का पालन अगली सुनवाई (8 अक्तूबर) तक नहीं हुआ तो राज्य के मुख्य सचिव को कारण बताना होगा कि उनके खिलाफ क्यों न अवमानना का मुकदमा चलाया जाए। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ टीएन गोदावर्मन मामले के तहत पर्यावरणीय मामलों के समूह में राज्य सरकार के खिलाफ एक आवेदन पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि यद्यपि एनजीटी ने 12 जुलाई, 2022 के अपने आदेश में राज्य सरकार को इस क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने पर विचार करने को कहा था। लेकिन अंतरिम आवेदन दायर किए जाने तक कोई कदम नहीं उठाया गया। न्यायालय ने राज्य को गत वर्ष 20 नवंबर को अपनी निष्क्रियता के स्पष्टीकरण के साथ एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया था। इसके बाद राज्य द्वारा हलफनामे दायर कर कहा गया कि 57519.41 हेक्टेयर क्षेत्र को सारंडा वन्यजीव अभयारण्य और 13603.806 हेक्टेयर क्षेत्र को सासंगदाबुरु संरक्षण रिजर्व घोषित करने के प्रस्ताव पेश किए गए, जिन्हें टिप्पणियों के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून को भी भेजा गया था।

बिहार चुनाव...

चुनाव आयोग ने कहा कि एसआईआर वाली फाइनल लिस्ट जारी होने के बाद चुनाव आयोग की टीम विधानसभा चुनाव के संबंध में दो दिन का बिहार दौरा करेगी। संभावना है कि चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में चुनावी कार्यक्रम का ऐलान कर सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और चुनाव आयुक्त विवेक जोशी चुनावों के लिए नियुक्त पर्यवेक्षकों से 3 अक्टूबर को दिल्ली के द्वारका स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में मिलेंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए 4 और 5 अक्टूबर 2025 को बिहार का दौरा करने की योजना है। 3 अक्टूबर को दिल्ली के द्वारका स्थित आईआईआईडीईएम में बिहार चुनाव के लिए नियुक्त पर्यवेक्षकों (सामान्य, पुलिस और व्यय) के साथ भी चुनाव आयोग की बैठक होगी। आमतौर पर आयोग का चुनावी राज्य का दौरा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से कुछ दिन पहले होता है। बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है, इसलिए चुनाव उस तारीख से पहले पूरे करने होंगे। पिछली बार बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान होने वाले पहले चुनाव थे। इस बार भी बिहार विधानसभा चुनाव पहली बार होंगे क्योंकि यह राज्य जून में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का आदेश देने वाला पहला राज्य है। चुनाव आयोग ने 24 जून को देश भर में मतदाता सूचियों की एक विशेष पुनरीक्षण रिपोर्ट (एसआईआर) का आदेश दिया था, जिसमें मौजूदा सूचियों को संशोधित करने के बजाय नए सिरे से मतदाता सूचिया तैयार की गईं।बिहार चुनाव आसन्न देखते हुए चुनाव आयोग ने राज्य में एसआईआर प्रक्रिया शुरू कर दी थी और कहा था कि देश के बाकी हिस्सों के लिए कार्यक्रम की घोषणा समय पर की जाएगी। बिहार में एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली है। एसआईआर आदेश के अनुसार, बिहार के सभी मौजूदा 7.89 करोड़ मतदाताओं को ड्राफ्ट सूची में बने रहने के लिए फॉर्म जमा करने थे। 1 अगस्त को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची में 7.24 करोड़ मतदाता थे जबकि शेष 65 लाख मतदाता मृत, स्थानांतरित, पहले से ही कहीं और नामांकित या लापता होने के कारण हटा दिए गए थे। 2003 के बाद, जब राज्य में अंतिम गहन पुनरीक्षण किया गया था, उन सभी मतदाताओं को अपनी पात्रता साबित करने वाले दस्तावेज़, नागरिकता सहित, जमा करने थे।निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव की निगरानी के लिए चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 और प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति करता है। पर्यवेक्षक नियुक्ति से लेकर चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक आयोग की देखरेख, नियंत्रण और अनुशासन में कार्य करते हैं। पर्यवेक्षक यह सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण और गंभीर जिम्मेदारी निभाते हैं कि चुनाव निष्पक्ष, तटस्थ और विश्वसनीय हों, जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है। वे आयोग की आंख और कान होते हैं और समय-समय पर रिपोर्ट देते रहते हैं। पर्यवेक्षक आयोग को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनाव कराने में मदद करते हैं और साथ ही मतदाताओं की जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने में योगदान देते हैं। पर्यवेक्षकों का मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों की पहचान कर ठोस सुझाव देना है जिनमें सुधार की जरूरत है। अपनी वरिष्ठता और प्रशासनिक सेवाओं के अनुभव के आधार पर सामान्य और पुलिस पर्यवेक्षक चुनाव के निष्पक्ष संचालन में आयोग की सहायता करते हैं और क्षेत्र स्तर पर चुनाव प्रक्रिया के प्रभावी प्रबंधन की निगरानी करते हैं। व्यय पर्यवेक्षक उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की निगरानी करते हैं।चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव और जम्मू-कश्मीर (बडगाम एवं नगरोटा), राजस्थान (अन्ता), झारखंड (घाटशिला), तेलंगाना (जुबली हिल्स), पंजाब (तारण-तारन), मिजोरम (डम्पा) और ओड़ीशा (नोआपाड़ा) में होने वाले उपचुनावों के लिए विभिन्न राज्यों में तैनात 470 अधिकारियों (320 आईएएस, 60 आईपीएस और 90 अन्य काडर अफसरों को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में तैनात करने का निर्णय लिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि ओड़ीशा की नोआपाड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव आगामी बिहार चुनाव के साथ ही होने की संभावना है। नोआपाड़ा विधानसभा क्षेत्र मौजूदा विधायक राजेंद्र ढोलकिया के निधन के चलते खाली हुई है। ढोलकिया नोआपाड़ा सीट से चार बार विधायक रहे। वह 2022 से 2024 तक नवीन पटनायक मंत्रिमंडल में मंत्री रहे।

दोनों देशों की ...

उन्हें रूस-भारत संबंधों का मानदंड नहीं माना जा सकता। हमारा भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी का लंबा अनुभव है। शुरुआत में इसे रणनीतिक साझेदारी कहा गया, बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी और अब विशेष रूप से विशेष रणनीतिक साझेदारी कहा जाता है।लावरोव ने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन चीन में एससीओ शिखर सम्मेलन में तियानजिन में मिले थे। दिसंबर में राष्ट्रपति पुतिन की नई दिल्ली यात्रा की योजना भी बनाई जा रही है। हमारे पास एक बहुत व्यापक द्विपक्षीय एजेंडा है, जिसमें व्यापार, सैन्य, तकनीकी सहयोग, वित्त, मानवीय मामले, स्वास्थ्य सेवा, उच्च तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और निश्चित रूप से शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ), ब्रिक्स और द्विपक्षीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घनिष्ठ समन्वय शामिल है।लावरोव ने कहा, इस साल मेरे सहयोगी एस जयशंकर रूस का दौरा करेंगे और मैं भारत आऊंगा। हम नियमित रूप से संपर्क में रहते हैं। मुझे यह नहीं पूछना कि हमारे व्यापार या तेल संबंधों का क्या होगा। हमारे भारतीय सहयोगी अपना फैसला खुद करने में सक्षम हैं। मेरे सहयोगी ने कहा था, यदि अमेरिका हमें अपना तेल बेचना चाहे, तो हम उस पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। लेकिन जो हम अन्य देशों, विशेष रूप से रूस से खरीदते हैं, वह केवल हमारा काम है और इसका भारतीय-अमेरिकी एजेंडा से कोई लेना-देना नहीं।

2.68 लाख पंचायतों...

और 3.5 लाख गांवों का ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हुआ है। 2.54 लाख ग्राम पंचायतों ने अपनी विकास योजनाएं ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड की हैं। 2.41 लाख पंचायतें 15वें वित्त आयोग की अनुदान राशि का पूरा उपयोग ऑनलाइन कर रही हैं। सभागार एप और मेरी पंचायत मोबाइल एप जैसे प्लेटफॉर्म बैठकें रिकॉर्ड करने, सम्पत्ति प्रबंधन, बजट निगरानी और नागरिक सेवाओं तक पहुंच आसान बना रहे हैं। विशेष बात यह है कि अब पंचायत की बैठकें 14 भाषाओं में तुरंत रिकॉर्ड होकर अपलोड हो रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल अप्रैल में ग्रामीण सम्पत्ति सर्वेक्षण और मानचित्रण योजना की शुरुआत की थी, जिसके जरिए हर नागरिक अपनी जमीन और घर का ऑनलाइन स्वामित्व प्रमाण पत्र कहीं से भी प्राप्त कर सकता है। ड्रोन और डिजिटल मानचित्रण तकनीक ने पटवारी पर दशकों से चली निर्भरता खत्म कर दी है। दरअसल, यह बदलाव 2011 में भारतनेट परियोजना से शुरू हुआ था, लेकिन 2014 के बाद इसमें तेजी आई। आज ई-गवर्नेंस के उपकरण ई-ग्राम स्वराज, ग्राम स्वराज एप, मेरी पंचायत एप और निर्णय पोर्टल डिजिटली सक्षम बनाते हुए ग्रामीण लोकतंत्र को और मजबूत कर रहे हैं।

एशिया कप...

इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की थी। फरहान (57 रन, 38 गेंद) और फखर जमां (46 रन, 35 गेंद) ने पहले 10 ओवरों में 84 रन जोड़े। मगर भारतीय स्पिनरों ने वापसी करवाई।कुलदीप यादव ने 4 ओवर में 30 रन देकर 4 विकेट लिए। अक्षर पटेल (4 ओवर, 26 रन, 2 विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (4 ओवर, 30 रन, 2 विकेट) ने दबाव बनाए रखा। जसप्रीत बुमराह ने 3.1 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए।पाक टीम का स्कोर 113/1 पर मजबूत स्थिति में था, लेकिन इसके बाद मात्र 33 रनों के भीतर 9 विकेट गंवाकर पूरी टीम 146 के स्कोर पर ढेर हो गई।

संयुक्त राष्ट्र ...

करते हुए भारत की स्थायी सदस्यता का खुला समर्थन किया है। तोबगे ने कहा कि परिषद में प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना वक्त की जरूरत है। ऐसे में भारत और जापान जैसे देशों को स्थायी सदस्य के रूप में संयुक्त राष्ट्र में शामिल किया जाना चाहिए।

युवाओं को ...

कोशिश कर रहा है, क्योंकि औपनिवेशिक दौर में इस सांस्कृतिक जुड़ाव को नुकसान पहुंचा था।लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित चौथे गोमती पुस्तक मेला को मराठे ने प्रगतिशील विस्तार बताया। अब यह केवल किताबों तक सीमित नहीं रहा बल्कि इसमें कला, संगीत, नृत्य और संस्कृति का भी समावेश है। हज़ारों छात्र और शिक्षक इसमें शामिल हो रहे हैं। मराठे ने कहा कि एनबीटी के फेस्टिवल्स का मॉडल अलग है। यह भव्य आयोजन पर नहीं बल्कि विभिन्न शहरों में वितरित मॉडल पर ध्यान देता है। वहीं, खरीदने योग्य कीमत के साथ-साथ और स्तरीयता इसकी विशेषता है, जिसे दिल्ली, पुणे, नागपुर और कोलकाता के बुक फेयर्स में देखा जा सकता है।एनबीटी अब वैश्विक मंचों पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। फ्रैंकफर्ट से लेकर मॉस्को तक, वह कई अंतरराष्ट्रीय बुक फेयर्स में भाग ले रहा है। हाल ही में मॉस्को इंटरनेशनल बुक फेयर में भारत को अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया गया था। एनबीटी ने वहां भारत पवेलियन के बैनर तले भाग लिया। संस्थान बच्चों के साहित्य पर केंद्रित इटली के बोलोनिया फेस्टिवल में भी नियमित रूप से हिस्सा लेता है। हालांकि, अनुवाद अब भी सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। मराठे ने कहा कि किसी क्षेत्रीय भाषा से दूसरी क्षेत्रीय भाषा में सीधे अनुवाद करने वाले योग्य लोग बहुत कम हैं। ज्यादातर किताबें पहले हिंदी या अंग्रेजी में अनुवाद होती हैं, फिर अन्य भाषाओं में। इससे मूल साहित्य की आत्मा कहीं-कहीं कमजोर हो जाती है। फिलहाल एनबीटी के पास 17 संपादक अनुवादकों की टीम है। अंतरराष्ट्रीय भाषाओं जैसे जर्मन, इटैलियन और रूसी में अनुवाद के लिए भारतीय प्रवासी समुदाय और दूतावास मदद करते हैं। हाल ही में एनबीटी ने कश्मीर घाटी में आयोजित चिनार बुक फेस्टिवल के दौरान 30 किताबों का अनुवाद गोजरी भाषा में किया। मराठे ने कहा, हम कोशिश कर रहे हैं कि पाठकों तक उनकी अपनी भाषाओं में सामग्री पहुंचे, चाहे वे संविधान की 22 अनुसूचित भाषाओं से बाहर ही क्यों न हों।

अक्टूबर में पांच बड़े ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों की विशेष भूमिका होती है। ग्रहों की चाल और उनके गुण व्यक्ति के स्वभाव व भविष्य पर खासा असर डालते हैं। ग्रह एक निश्चित अंतराल पर अपनी चाल को बदलते रहते हैं। यह एक विशेष अवधि में मौजूदा राशि को छोड़कर दूसरी राशि में जाते रहते हैं। जब-जब ग्रहों का राशि परिवर्तन होता है तब तब इसका व्यापक असर सभी 12 राशियों के जातकों पर पड़ता है। हर महीने कई ग्रहों का राशि परिवर्तन होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अक्तूबर के महीने में 5 ग्रह अपनी राशि बदलेंगे जिसमें बुध, गुरु, मंगल, शुक्र और सूर्य ग्रह होंगे। सूर्य 17 अक्टूबर को दोपहर 1:45 पर तुला राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल 27 अक्टूबर को दोपहर 3:41 पर वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। बुध 3 अक्टूबर को तुला राशि में सुबह 3:43 पर और 24 अक्टूबर को वृश्चिक राशि में दोपहर 12:37 पर गोचर करेंगे। गुरु 18 अक्टूबर को शाम 7:45 पर कर्क राशि में गोचर करेंगे। शुक्र 9 अक्टूबर को सुबह 10:45 पर कन्या राशि में गोचर करेंगे। शनि मीन राशि में वक्री अवस्था में बने रहेंगे, जबकि राहु कुंभ में और केतु सिंह में विराजमान रहेंगे। इन ग्रह परिवर्तनों का असर हर किसी की जिंदगी पर अलग-अलग ढंग से दिखाई देगा। इसमें किसी को लाभ तो किसी को हानि होगी।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की चाल का असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है। ज्योतिष के नजरिए से भी ये माह बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस माह में 5 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। वैदिक ज्योतिष के सिद्धांत के अनुसार मनुष्य के जीवन में जो भी घटनाएं घटित होती हैं। उनका कारण ग्रहीय दशा, गोचर, उनकी चाल है। सौरमंडल में बैठे ग्रह ही यह निर्धारित करते हैं कि आने वाला समय कैसा होगा और मनुष्य जीवन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

3 अक्टूबर को बुध का तुला राशि में गोचर

बुध ग्रह को तटस्थ ग्रह माना गया है। इसके अलावा बुध ग्रह वाणी,संचार और व्यापार के कारक ग्रह माने गये हैं। बुध ग्रह के शुभ प्रभाव से शिक्षा, गणित, लेन-देन, निवेश और बिजनेस में फायदा मिलता है। इसके प्रभाव से फायदेमंद योजनाएं बनती हैं। इसके साथ ही शरीर में बुध का असर स्किन और आवाज पर पड़ता है। बुध के शुभ प्रभाव से इंसान चतुर बनता है। बुध के अशुभ प्रभाव से इन्हीं मामलों में नुकसान होता है। दिनांक 3 अक्टूबर को बुध ग्रह तुला राशि में प्रवेश करेंगे। यह राशि परिवर्तन सुबह 3:43 मिनट पर होगा। इससे तुला राशि वालों को लाभ होगा। रुके हुए काम पूरे होंगे। बिजनेस में उठाया गया हर कदम सफल होगा।

9 अक्टूबर को शुक्र का कन्या राशि में गोचर

वैदिक ज्योतिष में शुक्र ग्रह को सुख, समृद्धि और वैभव प्रदान करने वाला ग्रह माना गया है। शुक्र ग्रह का प्रभाव इनकम, खर्चा, शारीरिक सुख-सुविधाएं, शौक और भोग-विलास पर होता है। इस ग्रह के कारण विवाह, पत्नी, अपोजिट जेंडर और यौन सुख संबंधी मामलों में शुभ-अशुभ बदलाव देखने को मिलते हैं। शरीर में शुक्र का प्रभाव प्राइवेट पार्ट्स पर पड़ता है। इसके अशुभ प्रभाव से खांसी और कमर के निचले हिस्सों में बीमारी होती है। 9 अक्टूबर को शुक्र ग्रह कन्या राशि में गोचर करने जा रहे हैं। यह राशि परिवर्तन प्रातः 10:47 मिनट पर होगा।

17 अक्टूबर को सूर्य का तुला राशि में प्रवेश

सूर्य को सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। कुंडली में सूर्य ग्रह के मजबूत होने पर व्यक्ति का समाज में मान-सम्मान और यश में बढ़ोतरी होती है। सूर्य ग्रह का असर शरीर में पेट, आंखें, दिल, चेहरे और हड्डियों पर होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से सिरदर्द, बुखार और दिल की बीमारियां होती हैं। इसके शुभ प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। सम्मान और प्रसिद्धि मिलती है। इस ग्रह के प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की भी मिलती है। दिनांक 17 अक्टूबर को ग्रहों के राजा सूर्य तुला राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। यह राशि परिवर्तन दोपहर 1:45 मिनट पर होगा। तुला राशि सूर्य की नीच राशि में आती है। यह गोचर जातक के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। तुला राशि वाले इस अवधि में सतर्क रहें। उन पर गलत आरोप लग सकता हैं। अच्छाई के बदले अपयश मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर भी यह समय अच्छा नहीं है।

18 अक्टूबर को गुरु करेंगे कर्क राशि में गोचर

दिवाली से दो दिन पहले 18 अक्टूबर को गुरु ग्रह कर्क राशि में गोचर यानी प्रवेश करेंगे। गुरु का ये गोचर सुबह 10:45 मिनट पर होगा। हालांकि, इस समय गुरु देव मिथुन राशि में संचार कर रहे हैं। 18 अक्टूबर से लेकर 5 दिसंबर 2025 तक गुरु देव कर्क राशि में ही रहेंगे।

24 अक्टूबर को वृश्चिक में प्रवेश करेंगे बुध

दिनांक 24 अक्टूबर को राजकुमार बुध ग्रह मंगल की राशि वृश्चिक में प्रवेश करेंगे। यह राशि परिवर्तन वृश्चिक राशि वालों पर विपरीत असर डालेगा, खासतौर पर आर्थिक रूप से। इस दौरान बिजनेस के सिलसिले में बाहर जाना पड़ सकता है। व्यापार विस्तार के लिए भी यह समय अच्छा रहने वाला है। वृश्चिक राशि के अलावा यह गोचर मिथुन, कन्या, मकर राशि के लिए भी लाभदायक रहने वाला है।

27 अक्टूबर को मंगल का वृश्चिक राशि में गोचर

ज्योतिष में मंगल ग्रह को उग्र माना गया है। मंगल ग्रह साहस और पराक्रम के कारक होते हैं। जिन जातकों की कुंडली में मंगल ग्रह का प्रभाव होता है वे बहुत ही आत्मविश्वास वाले व्यक्ति होते हैं। मंगल ग्रह मेष और वृश्चिक राशि के स्वामी होते हैं। दिनांक 27 अक्टूबर को ग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। यह राशि परिवर्तन दोपहर 3:41 मिनट पर होगा। यह गोचर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। इस दौरान अपनी सेहत को लेकर परेशान रह सकते हैं। मन में तनाव रहेगा। परिवार में अशांति बनी रहेगी। इस दौरान कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें।

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

व्यापार में तेजी आएगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

जानें कन्या पूजन की विधि और नियम

नवरात्रि के अंतिम दिन कन्या पूजन करने का बहुत खास महत्व होता है। इन दिन मां दुर्गा की पूजा-पाठ करने और नौ कन्याओं को पूजा करने के बाद व्रत का पारण किया जाता है। ऐसा करने से साधक को देवी की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इस बार नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर से हुआ है और तृतीया तिथि 2 दिन होने के कारण अष्टमी 30 सितंबर व नवमी 1 अक्टूबर को पड़ रही है। कुछ लोग अष्टमी के दिन नवरात्रि व्रत का पारण करते हैं और कुछ लोग नवमी के दिन। यही कारण है नवरात्रि के अंतिम 2 दिन बहुत विशेष होते हैं।

कन्या पूजन के नियम

आमतौर पर नवरात्रि की अष्टमी और नवमी तिथि के दिन साधक कन्याओं को भोग लगाकर व्रत का पारण करते हैं। शास्त्रों के अनुसार, नवरात्रि के प्रथम दिन से लेकर अंतिम दिन तक आप कन्याओं को भोग लगा सकते हैं। वहीं, नवमी और अष्टमी तिथि पर भी ऐसा किया जा सकता है।

अगर आपको 9 कन्याएं न मिल पाएं तो 3, 5 या 7 कन्याओं को भी भोजन करा सकते हैं। साथ ही, एक लड़के को भी कन्याओं के साथ भोजन कराना चाहिए। जिसे बटुक भैरव भी कहा जाता है। मान्यता है कि कन्या पूजन में 9 कन्याएं देवी दुर्गा का नौ स्वरूप होती हैं।

शास्त्रीय नियम के अनुसार, कन्या पूजन के लिए 2 से 10 साल तक की कन्याएं होनी चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से साधक को हर प्रकार के दोष से छुटकारा मिल सकता है और धन-धान्य की भी प्राप्ति होती है। साथ ही, जातक को मां दुर्गा की कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि मिलती है।

कन्या पूजन विधि

सबसे पहले सभी कन्याओं के चरण धोएं और फिर, आसन पर बिठाकर उन्हें तिलक लगाएं। साथ ही, अपने घर में भोजन भी जरूर कराएं।

कन्या पूजन में कन्याओं को उपहार में आप लाल वस्त्र दे सकते हैं। यह रंग मां दुर्गा को बेहद प्रिय है। ऐसे में इस रंग का इस्तेमाल करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

वस्त्र के अलावा आप लाल रंग की चुनरी भी उन्हें दे सकते हैं। साथ ही, एक फल भी उपहार के तौर पर जरूर दें। इसके लिए केला, अनार, सेब आदि लिया जा सकता है। ऐसा करने से मां दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है।

नवरात्रि पूजन के बाद कन्याओं को श्रृंगार की सामग्री भी देनी चाहिए। इसमें लाल चूड़ियां, बिंदी, नेलपेंट, लिपस्टिक, आदि शामिल है। कन्याओं को श्रृंगार का सामान देने से ये सीधा माता रानी को अर्पित माना जाता है।

मान्यता है की कन्याओं को जीरा या चावल भी कपड़े में बांधकर देने चाहिए। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

कन्या पूजन अष्टमी व नवमी तिथि

इस बार 30 सितंबर, मंगलवार के दिन अष्टमी तिथि रहेगी। पंचांग के अनुसार, 29 सितंबर, सोमवार को शाम के 4 बजकर 32 मिनट से अष्टमी तिथि आरंभ होगी और 30 तारीख को शाम के 6 बजकर 7 मिनट पर इसका समापन होगा।

इसके बाद से ही यानी 30 तारीख को शाम के 6 बजकर 8 मिनट से नवमी तिथि का आरंभ होगा। इसके बाद, 1 अक्टूबर, बुधवार के दिन शाम के 7 बजकर 2 मिनट पर नवमी तिथि का समापन होगा। ऐसे में अष्टमी 30 सितंबर और नवमी 1 अक्टूबर को रहेगी।

कन्या पूजन शुभ मुहूर्त

अष्टमी तिथि और नवमी तिथि पर सुबह से लेकर शाम तक कन्या पूजन किया जा सकता है। लेकिन शास्त्रों के अनुसार, दिन के पहले भाग में यानी दोपहर के 12 बजे से पहले कन्याओं को भोजन कराना सबसे शुभ माना जाता है।

दशहरा: रावण का अंत

सृष्टि का संचालन ऊर्जा से होता है। यह ऊर्जा हम सभी के लिए उपलब्ध है; प्रश्न बस इतना है कि हमारी इच्छा क्या है और हम उस ऊर्जा को कितना धारण कर सकते हैं। सूर्य को देखिए-यह ऊर्जा का एक अद्भुत स्रोत है। आप इसके जितने निकट जाते हैं, उतनी ही अधिक ऊष्मा महसूस करते हैं। मगर, आप कितनी गर्मी की कामना करते हैं और कितनी सहन कर सकते हैं, यही तय करता है कि आप इसके कितने करीब रह सकते हैं।

कई बार, इच्छा होते हुए भी, जैसे ही कोई व्यक्ति उस परम ऊर्जा के निकट आता है, वह उस ऊर्जा को प्रतिबिंबित करना शुरू कर देता है। यहीं पर अहंकार जन्म लेता है। इस अहंकार के कारण, हम स्वयं को उस ऊर्जा का स्रोत समझने की भूल कर बैठते हैं और उससे अलग हो जाते हैं।

◆ गुरु और आभा

ठीक इसी प्रकार, जब आप गुरु के सान्निध्य में आते हैं, तो आप उनके तेज और शक्ति को दर्शाने लगते हैं। यदि इस क्षण आप उस आभा को अपनी निजी उपलब्धि मान लेते हैं, तो आप मार्ग से भटक जाते हैं। रावण का जीवन इसी भूल का एक सटीक उदाहरण है।

◆ रावण का पूर्वजन्म और श्राप

अपने पूर्व जन्म में, रावण भगवान विष्णु के द्वारपाल थे और वैकुंठ में रहते थे। परम प्रभु के इतने निकट रहने से उनमें अहंकार आ गया। उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग करना शुरू कर दिया-यह तय करने लगे कि कौन प्रभु से मिल सकता है और कौन नहीं।

एक बार उन्होंने सनत्कुमार ऋषियों को प्रवेश देने से मना कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें श्राप मिला कि वे अपने स्वामी से अलग होकर पृथ्वी पर जन्म लें।

◆ रावण की तपस्या और अहंकार

पृथ्वी पर रावण के रूप में जन्म लेकर, उन्होंने फिर से अपनी यात्रा शुरू की। उन्होंने वेदों और विभिन्न ऊर्जा विज्ञानों का ज्ञान अर्जित किया। कठोर तपस्या और साधना से वे ब्रह्मा जी को प्रसन्न करने में सफल रहे, लेकिन उन्होंने भगवान को नहीं माँगा। इसके बजाय, उन्होंने उनकी शक्ति का एक हिस्सा माँगा-यह वरदान कि वह देवताओं और दानवों के बीच अजेय रहें (उन्होंने मनुष्यों को अपने समक्ष नगण्य मानकर उनसे प्रतिरक्षा नहीं माँगी)।इस नई शक्ति के मद में, वह कैलाश पर्वत पहुँचे और अपनी भुजाओं के बल पर पूरे पर्वत को उठाने का प्रयास किया।

भगवान शिव ने केवल अपने पैर के एक अंगूठे से पर्वत को वापस स्थापित कर दिया, जिससे रावण का हाथ कुचल गया। यह घटना दर्शाती है कि भौतिक शरीर की हर शक्ति सीमित है और वास्तविकता इससे बहुत परे है।

रावण विनम्र हुए और फिर से भगवान शिव की तपस्या करने लगे-इस बार भी उनकी शक्ति प्राप्त करने के लिए। उन्होंने शिव जी को प्रसन्न किया, जिन्होंने उन्हें और अधिक शक्ति प्रदान की। लेकिन एक बार फिर, रावण का अहंकार बढ़ गया।

◆ जनक दरबार और राम का संकेत

उन्हें संकेत देने के लिए अगली घटना जनक के दरबार में हुई। ब्रह्मा और शिव से अपार शक्ति और वरदान प्राप्त होने के बावजूद, वह भगवान शिव के धनुष को उठा नहीं पाए। वही धनुष एक नश्वर मनुष्य रूप में-श्री राम ने सहजता से उठा लिया।अहंकार और अविद्या के कारण रावण अपने ही प्रभु को पहचान नहीं पाए। क्रोध में दरबार छोड़कर वह चले गए। वास्तव में उनका मानव जन्म इसी उद्देश्य से था कि वे प्रभु से पुनः मिल सकें। अंततः युद्धभूमि में वही हुआ-प्रभु ने रावण से युद्ध किया, केवल पराजित करने के लिए नहीं बल्कि उनके वध के लिए।

◆ रावण का अंत

सारी शक्ति, समस्त विद्याएँ, कवच जैसा शरीर-सबका अंत एक ही तीर से हो गया, जो उनकी नाभि में लगा। यह प्रमाण था कि भौतिक जगत की हर चीज़ क्षणिक और नाशवान है, जिसका अंत तय है।

◆ दशहरा का संदेश

दशहरा वह पावन दिन है जो हमारे भीतर के रावण-अहंकार और अज्ञान-के अंत का प्रतीक है, ताकि हम उस स्रोत की ओर लौट सकें जहाँ से हमारी यात्रा शुरू हुई थी।गुरु के मार्गदर्शन में सनातन क्रिया और अष्टांग योग का नियमित अभ्यास व्यक्ति को उसकी अभीष्ट अनुभूतियों से गुजारता है और उसे परम विलय के मार्ग पर अग्रसर करता है। इस अंतिम मिलन का आनंद किसी भी भौतिक शक्ति या धन-संपत्ति के सुख से कहीं अधिक और अनंत होता है।

◆ ध्यान फाउंडेशन एवं प्रेरणा

अश्विनी गुरुजी, ध्यान फाउंडेशन की विभिन्न पहलों के पीछे की ऊर्जा और प्रेरणा हैं। वह ध्यान फाउंडेशन के मार्गदर्शक हैं और वैदिक विज्ञानों के ज्ञाता हैं। उनकी पुस्तक सनातन क्रिया: द एजलेस डाइमेंशन एंटी-एजिंग पर एक प्रशंसित कृति है। ध्यान फाउंडेशन नियमित रूप से विश्वभर में सनातन क्रिया के सत्र आयोजित करता है। अधिक जानकारी के लिए देखें: www.dhyanfoundation.com

-अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

रामायणकाल से जुड़ी नवरात्रि की परंपरा! कैसे नारद ने बताया उपवास का रहस्य और श्रीराम की हुई जीत?

वर्ष 2025 के शारदीय नवरात्रे चल रहे हैं। हिन्दू पंचांग के अनुसार ये नवरात्रि आश्विन माह में आती हैं। इन्हीं दिनों देशभर में रामलीला का मंचन भी होता है और दशमी तिथि के दिन दशहरा मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान अधिकांश हिन्दू परिवारों में कोई न कोई सदस्य व्रत अथवा उपवास अवश्य करता है।

डॉक्टरेट, और सामाजिक की समीकरणों की उलझने-सुलझाने में रुचि रखते हैं। इनका मानना है कि जहां तक उपवास की बात है तो ईश्वर मनुष्य के लिए इसके अनेक लाभ हैं, इसके प्रमाण हिन्दू शास्त्रों में भी मिलते हैं और आज की साइंस भी बताती है। इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि बहुत से लोग उपवास का उपहास भी उड़ाते हैं।

श्रीराम ने भी किया था नवरात्रि का व्रत!

लेकिन, क्या आप जानते हैं कि आश्विन मास में आने वाले आदि शक्ति भगवती जगदंबा की उपासना के इस नवरात्रि पर्व के दौरान प्रभु श्री राम ने भी व्रत किया था? यह जानने के लिए देवी भागवत पुराण के तीसरे स्कंध के अध्याय 28-30 पढ़ने होंगे।

इनमें प्रभु श्रीराम के चरित्र का वर्णन किया गया है। 28वें अध्याय की शुरुआत में जनमेजय महर्षि वेदव्यास से पूछते हैं कि, 'श्रीराम ने भगवती जगदम्बा के इस सुख प्रदायक व्रत का अनुष्ठान किस प्रकार किया, वे राज्यच्युत कैसे हुए और फिर सीता हरण किस प्रकार हुआ? इस पर महर्षि वेदव्यास श्री राम चरित का (रामायण) वर्णन करते हैं।'

नारद मुनि ने श्रीराम को बताया रावण नाश का रहस्य

दशानन रावण द्वारा सीता हरण के बाद श्री राम जब व्यथित थे और लक्ष्मण उन्हें सांत्वना दे रहे थे, उसी समय देवर्षि नारद वहां आते हैं (अध्याय 30)। श्रीराम उनका आदर सत्कार करते हैं और नारद मुनि उनका कुशल क्षेम पूछते हैं और सीता हरण की बात करके उनके पूर्वजन्म के बारे में बताते हैं।

उसके बाद वे रावण के नाश का उपाय बताते हुए कहते हैं, अब आप इसी आश्विन मास में श्रद्धापूर्वक नवरात्र व्रत कीजिये। आगे नारद मुनि कहते हैं कि, सुखी मनुष्य को इस व्रत का अनुष्ठान करना चाहिये और कष्ट में पड़े हुए मनुष्य को तो यह व्रत विशेष रूप से करना चाहिये।

इसके बाद श्री राम नारद मुनि से देवी, उनके प्रभाव, उनकी उत्पत्ति, उनके नाम और उस व्रत के बारे में पूछते हैं। नारद जी विस्तृत उत्तर देते हैं और नवरात्र व्रत का विधि-विधान बताते हैं।

नारद जी की सलाह पर श्रीराम ने किया नौ दिनों का उपवास

नारद जी कहते हैं, हे राम! किसी समतल भूमि पर पीठासन बनाकर उस पर भगवती जगदम्बिका की स्थापना करके विधान पूर्वक नौ दिन उपवास कीजिये। इस कार्य में मैं आचार्य बनूँगा; क्योंकि देवताओं के कार्य करने में मैं अधिक उत्साह रखता हूँ।

इसके बाद श्री राम ने वैसा ही किया और व्रत धारण करके आश्विन मास लगने पर वनवास में पर्वत पर रहते हुए ही भगवती का पूजन किया। उपवास परायण श्रीराम ने व्रत करते हुए विधिवत् होम, बलिदान और पूजन किया। दोनों भाइयों ने नारद जी के द्वारा बताये गये इस व्रत को प्रेमपूर्वक सम्पन्न किया।

मां भगवती ने राम जी को दिए दर्शन

उनकी पूजा से प्रसन्न होकर अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि में भगवती दुर्गा ने सिंह पर सवार होकर उन्हें साक्षात् दर्शन दिया और उनसे वरदान मांगने के लिए कहा।

इसके बाद भगवती ने श्रीराम से वसन्त ऋतु (चैत्र मास) के नवरात्र में दोबारा पूजा अर्थात् व्रत करने के लिए कहा और वरदान दिया कि, उसके बाद आप पापी रावण का वध करके सुखपूर्वक राज्य कीजिये और ग्यारह हजार वर्षों तक भूतल पर राज्य करके पुनः आप देवलोक के लिये प्रस्थान करेंगे।

देवी भगवती का वरदान हुआ सच

ऐसा कहकर भगवती दुर्गा वहीं अन्तर्धान हो गयीं और श्रीराम ने प्रसन्न मन से नवरात्रि व्रत का समापन करके दशमी तिथि को विजया पूजन किया। आगे चलकर देवी भगवती के वरदान अनुसार उन्होंने रावण का वध किया।

जब स्वयं नारायण अवतार श्री राम मनुष्य लोक में नवरात्रि व्रत या उपवास कर सकते हैं तो फिर हम तुच्छ मनुष्यों को क्यों नहीं करना चाहिये? विचार करिये ! नारायणायेती समर्पयामि।।।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

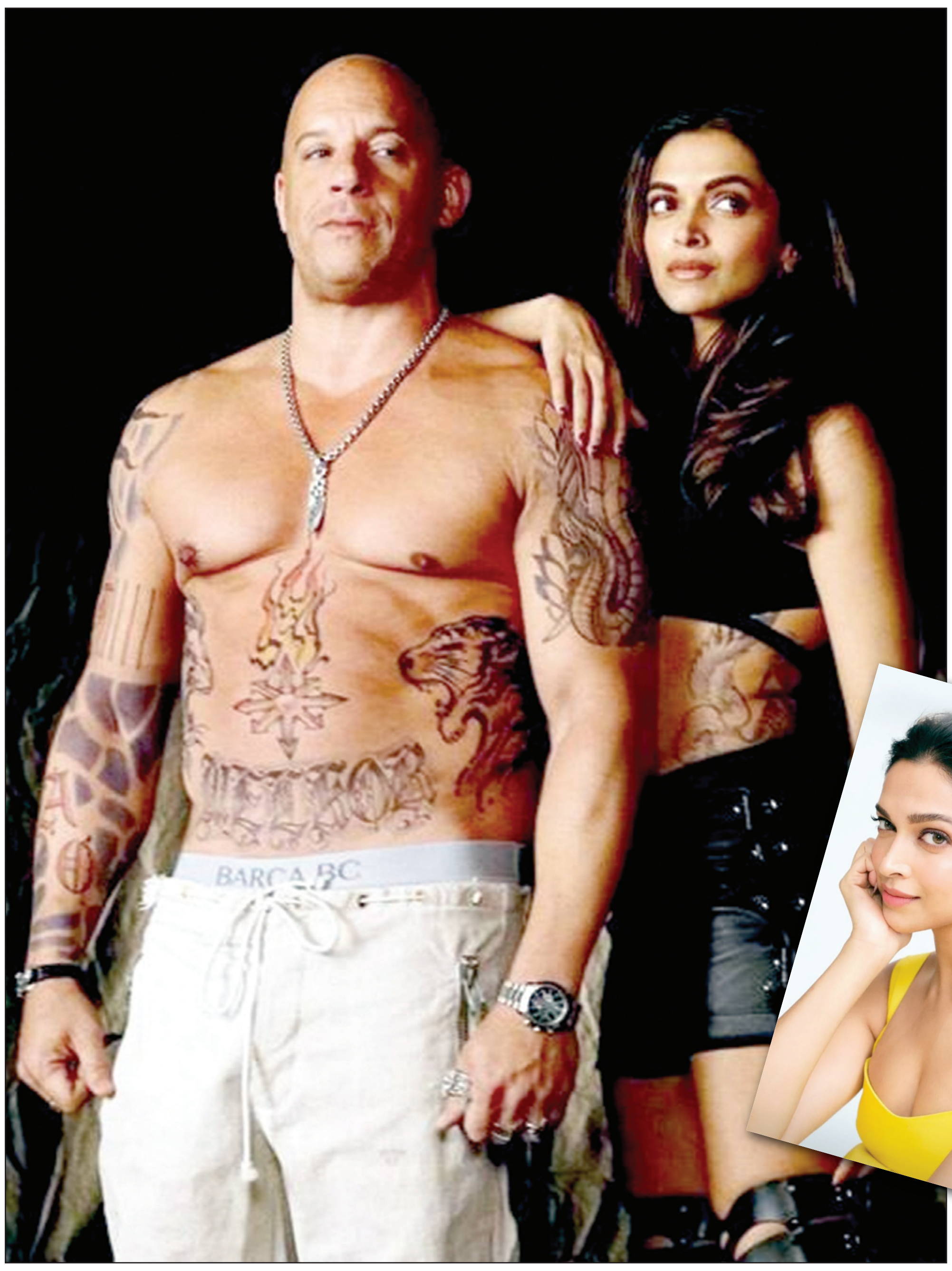

कल्कि... से आउट होते ही दीपिका पादुकोण के हाथ लगा जैकपॉट!

9 साल बाद विन डीज़ल संग करेंगी ये हॉलीवुड फिल्म?

ऐसा लग रहा है कि दीपिका पादुकोण के 'कल्कि 2898 एडी 2' से बाहर होते ही जैकपॉट हाथ लगा है। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका को हॉलीवुड फिल्म मिलने की खबर है। माना जा रहा है कि दीपिका की ये अगली हॉलीवुड फिल्म विन डीज़ल के साथ हो सकती है।

हाल ही में खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण की बढ़ती डिमांड के चलते उन्हें प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' से संदीप रेड्डी वांगा ने बाहर कर दिया था। इस खबर ने हर सुनने वालों को काफी हैरान किया था। अब पिछले दिनों दीपिका के 'कल्कि 2898 एडी' से बाहर होने की खबर ने भी सबको हक्का-बक्का कर दिया। ये खबर प्रोडक्शन हाउस ने खुद शेयर की थी। अब कहा जा रहा है कि इन फिल्मों से आउट हो चुकीं दीपिका को बड़ी हॉलीवुड फिल्म हाथ लगी है।

माना जा रहा है कि दीपिका हॉलीवुड में करीब 9 साल बाद वापसी करने जा रही हैं। चर्चा है कि वो विन डीज़ल के साथ 'XXX' फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म कर सकती हैं। दरअसल हॉलीवुड स्टार विन डीज़ल ने खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है जिसे देखकर फैन्स मान रहे हैं कि इसमें दीपिका होगीं।

पोस्ट में XXX के नए पार्ट का जिक्र

विन डिज़ल ने इस पोस्ट मेंददद के नए पार्ट का जिक्र किया। इसी के साथ ऐसा इशारा है कि इस बार फिल्म की शूटिंग मुंबई में होसकती है। उन्होंने पोस्ट में लिखा है, 'शेयर करने के लिए बहुत कुछ है,ऐसी आइकॉनिक कहानियां जो किसी गहरे एहसास से जुड़ी हैं। एक ग्लोबल ऑडियंस जो सचमुच इस कलाकार के जीवन का आशीर्वाद रहा है। आर्बर किंग में ग्रूट की वापसी, वो कुख्यात न्यूयॉर्क जासूस, कौल्डर्स ओथ, मुंबई में जेंडर का अगला साहसिक काम, लॉस एंजिल्स में स्ट्रीट रेसर्स का फिर से मिलना।' हालांकि, इसे लेकर दीपिका या विन डीजल ने खुलकर कुछ भी नहीं कहा है।

विन डीज़ल के साथ 2017 में आई थी पहली फिल्म

दीपिका पादुकोण इससे पहले विन डीजल के साथ साल 2017 मेंहॉलीवुड फिल्म ददद: ठर्शीीप ेष दरपवशी उरसश में नजर आई थीं। इस फिल्म से उन्होंने हॉलीवुड में डेब्यू किया था।इस फिल्म में उन्होंने विन डीजल के साथ वो स्क्रीन शेयर करती दिखी थीं और दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लोगों ने काफी पसंद किया था।

'कल्कि 2989 एडी' से क्यों हुईं बाहर

बता दें कि पिछले कुछ समय से ऐसी चर्चा रही है कि दीपिका ने फिल्म के लिए काफी भारी-भरकम डिमांड कर दी थी और फीस बढ़ाने की भी बात कही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनका कहना था कि वो शूटिंग सिर्फ 5-7 घंटे ही करेंगी। इसी के साथ उन्होंने अपनी करीब 25 लोगों की टीम के लिए 5-स्टार होटल, रहना-खाना और सारे खर्च मेकर्स को उठाने की मांग भी रखी थी। कहा गया है कि मेकर्स ने पहले तो उनकी डिमांड में कुछ कम करने की रिक्वेस्ट की लेकिन जब बात नहीं बनी तो उन्हें फिल्म से हटाना पड़ा।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' की शूटिंग शुरू

बता दें कि फिलहाल दीपिका के हाथ में इस वक्त एक और प्रोजेक्ट है। उन्होंने 'कल्कि 2989 एडी'से आउट होने के अगले ही दिन एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें शाहरुख के हाथों में उनका हाथ था। इसी के साथ उन्होंने फिल्म 'किंग' की शूटिंग को लेकर अपडेट दिया था। उन्होंने बताया है कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ सुहाना खान भी नजर आएंगी । इसके अलावा फिल्म में जैकी श्रॉफ, अनिल कपूर, अभिषेक बच्चन भी नजर और शाहरुख के साथ ये दीपिकाकी छठी फिल्म है। इसके अलावा दीपिका पादुकोण के पास इस समय एटली कुमार और साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म '22x6' भी है। इस मूवी में दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन ऑनस्क्रीन नजर आएंगी।

श्वेता तिवारी का ग्लैमरस स्टाइल, गाउन में शेयर की खूबसूरत तस्वीर

टीवी सीरियल और टीवी सीरीज में 44 साल की उम्र में अपना जलवा दिखाने वाली श्वेता तिवारी किसी परिचय की मोहताज नहीं है। एक्ट्रेस भले ही 44 की है, लेकिन उनकी फिटनेस 24 साल की एक्ट्रेस को मात दे रही है। एक्ट्रेस की ग्लैमरस ब्यूटी को देखकर सोशल मीडिया पर हर कोई यही जानना चाहता है कि एक्ट्रेस अपनी ब्यूटी को कैसे मेंटेन करती हैं। अब एक्ट्रेस ने एक बार फिर अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है।

श्वेता तिवारी ने इंस्टाग्राम पर खूबसूरत और बोल्ड फोटोज पोस्ट की हैं जिसमें वे स्किन टाइट ब्लू हाई स्लिट कट गाउन में दिख रही हैं। एक्ट्रेस के पूरे गाउन पर हैवी वर्क है। एक्ट्रेस का लुक चमकीला है। अपने लुक को पूरा करने के लिए श्वेता ने बालों को लाइट कर्ल के साथ स्टाइल किया है और मिनिमल मेकअप लिया है। एक्ट्रेस का लुक उनकी टाइमलेस ब्यूटी को दर्शाता है। फैंस भी एक्ट्रेस के लुक के कायल हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, तिवारी जी...छा गईं आप तो। एक दूसरे यूजर ने लिखा, आप इस उम्र में भी इतनी युवा लग रही हैं! वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस टीवी सीरीज डू यू वन्ना पार्टनर में नजर आ रही हैं। सीरीज 12 सितंबर को अमेजन प्राइम पर रिलीज हो चुकी है। सीरीज में श्वेता के अलावा तमन्ना भाटिया, टीवी एक्टर नकुल मेहता, जावेद जाफरी, और नीरज काबी हैं। सीरीज में आपको आठ एपिसोड देखने को मिलेंगे, जिनकी अवधि 30-40 मिनट है।

एक्ट्रेस ने कई सीरीज, टीवी सीरियल और फिल्मों में काम किया है। एक्ट्रेस ने 'हम तुम एंड देम', 'अपनी बोली अपना देस', 'हमार सइयां हिंदुस्तानी', 'सिंघन अगेन', 'मित्रदा द ना चलदा', 'आबरा का डाबरा', 'बिन बुलाए बाराती', और 'मदहोशी' जैसी फिल्मों में काम किया है।

टीना दत्ता का नवरात्रि लुक देखकर मंत्रमुग्ध हुए फैंस

टीवी सीरियल उतरन की इच्छा यानी टीना दत्ता टीवी सीरियल से लेकर वेब सीरीज में अपना कमाल दिखा रही हैं। एक्ट्रेस ने 'कर्म फलदाता शनि देव', 'हम रहें या ना रहें' और 'डायन' जैसे टीवी सीरियल में काम किया है, लेकिन अब एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर छा गई हैं। नवरात्रि शुरू होने के बाद से ही उनके नए-नए ट्रेडिशनल लुक देखने को मिल रहे हैं। आज का नया लुक देखने के बाद तो फैंस उनकी नजर उतारने के लिए मजबूर हो गए हैं। टीवी एक्ट्रेस टीना ने नवरात्रि के चौथे दिन का अपना ट्रेडिशनल और बंगाली संस्कृति को दर्शाता लुक शेयर किया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर किया है, जिसमें वो गहरे लाल रंग की साड़ी में हैं, जिस पर गोल्डन प्रिंट के बड़े-बड़े डिजाइन हैं। एक्ट्रेस ने गोल्ड की ज्वेलरी से खुद को सलीके से सजा रखा है। एक्ट्रेस की बड़ी नथ ने उनके लुक में चार-चांद लगा दिए हैं।

एक्ट्रेस ने लगातार 10 फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की है और फोटो पर लिखा- दुग्गा-दुग्गा। एक्ट्रेस के लुक में ग्रेस और शांति दोनों हैं, चेहरे पर एक स्थिर भाव है, जो किसी को भी मंत्रमुग्ध कर सकता है। टीना का लुक देखकर लग रहा है कि जैसे मां लक्ष्मी खुद भक्तों को दर्शन देने के लिए धरती पर आ गई हैं।फोटोज के साथ एक्ट्रेस ने बांग्ला में कैप्शन लिखा है- दुर्गा पूजा के सौजन्य सेअंतरात्मा को आत्मसात करते हुए, मुझे अपनी लय मिल गई। भक्ति से भरा हृदय, और उत्सव से भरी आत्मा...दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं!फैंस भी एक्ट्रेस के लुक को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, आपको दुल्हन के रूप में देखने के लिए इंतजार नहीं कर पा रही, इस दुर्गा पूजा में मैं मां दुर्गा से प्रार्थना कर रही हूं कि आपको अपना जीवनसाथी मिल जाए। एक दूसरे यूजर ने लिखा, आप खूबसूरती का दूसरा नाम हैं, टीना...दुर्गा मां आप पर कृपा बनाए रखे।

बबीता जी ने अपनी माँ के साथ मनाया जन्मदिन

टीवी के पॉपुलर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में बबीता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दत्ता हमेशा अपनी स्टाइलिश और ग्लैमरस तस्वीरों को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया, जिसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। उनका खुशमिजाज अंदाज लोगों का दिल जीत रहा है। अब फैंस उनकी इन तस्वीरों पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं।

मोस्ट पॉपुलर सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा में बबीता जी का रोल प्ले करने वाली मुनमुन दत्ता 38 साल की हो गईं हैं। मुनमुन दत्ता जन्म 28 सितंबर 1987 को दुर्गापुर में हुआ था। हाल ही में मुनमुन ने अपने बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। हाल ही में मुनमुन ने अपने बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। उनके लुक की बात करें तो उन्होंने रेड कलर की ड्रेस पहनी हुई है साथ ही सटल मेकअप किया है और हेयर ओपन रखे हैं जिसमें वो खूबसूरत दिख रही हैं। मुनमुन के केक पर मून लिखा हुआ था जो कि देखने में काफी सुंदर लग रहा था।

मुनमुन की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उनके फैंस कॉमेंट के जरिए उन्हें बर्थडे विशेज दे रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन–देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। आज आप पुरस्कृत होगे या सराहे जाएगें। दाम्पत्य जीवन मे बहुत स्नेह बढेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। जब आप समूह में हों तो ध्यान रखें कि आप क्या कह रहे हैं, बिना ज़्यादा समझे–बूझे अचानक कहे गए शब्दों के चलते आप कड़ी आलोचना के शिकार हो सकते हैं। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज बहतर दिन हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. आज के इस ख़बसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। जीवनसाथी का साथ बढीया खाने का लुत्फ उठाएंगे ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। आप महसूस करेंगे कि आपके दोस्त सहयोगी स्वभाव के हैं– लेकिन बोलने में सावधानी बरतें। सावधान रहें, कोई आपसे अपना काम निकालकर अपना उल्लू सीधा कर सकता है। लेखक और मीडियाकर्मी बड़ी ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। कोई रोचक पुस्तक पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। नई योजनाएँ आकर्षक होंगी और अच्छी आमदनी का ज़रिया साबित होंगी। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। जीवनसाथी के साथ कुछ समय बिताए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। शाम ढलते–ढलते कोई काम का बोझ आप को चिंतित कर सकता हैं आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। घर में कुछ बदलाव आपको काफ़ी भावुक बना सकते हैं, लेकिन आप अपनी भावनाएँ उनके सामने ज़ाहिर करने में क़ामयाब रहेंगे जो आपके लिए ख़ास हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद उठाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दुःखी कर सकती है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के साथ अपनी बातों को साझा करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगे। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है । अच्छा दिन है, क्योंकि आपको अपने लक्ष्यों को पाने के लिए बेहतरीन मौक़े मिलेंगे। आईटी से जुड़े लोगों को विदेश से बुलावा आ सकता है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आज आपको जीवनसाथी के साथ पर्याप्त समय मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा–सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 सितंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी सायं 04:33 तक
नक्षत्र : मूल अहोरात्र
योग : सौभाग्य रात्रि 01:00 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:28 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:06 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:03 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 05:58 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– सरस्वती आवाहन, भद्रा सायं 04:32 से रात्रि 05:24 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सांगानेर के विकास कार्यों को धरातल पर मिल रहा मूर्तरूप : भजनलाल

जयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान से ही देश–प्रदेश का विकास होगा। हमारी प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे।शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी आस–पास के लोगों को चिन्हित करते हुए उन्हें योजनाओं से जोड़ें तथा सेवा पखवाड़ा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ–सबका विकास की भावना के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से सांगानेर के विकास कार्यों को धरातल पर मूर्तरूप मिल रहा है। इसी क्रम में नवरात्र के अवसर पर 29 सितंबर को सांगानेर क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण–शिलान्यास किया जाएगा। साथ ही, सांगानेर के क्षेत्रवासियों के साथ भविष्य के विकास कार्यों की योजना पर चर्चा भी की जाएगी।

इससे पहले मुख्यमंत्री निवास पर सांगानेर क्षेत्र के लोगों ने मन की बात कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को सुना। इस अवसर पर नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, उप महापौर पुनीत कर्णावट सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

सीएम भजनलाल ने कामधेनु गौशाला में किया गौ–पूजन

डीग, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में गौ माता को विशेष महत्व दिया गया है तथा गाय को देवत्व का प्रतीक माना गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गौ संरक्षण और संवर्धन की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठाते हुए पंजीकृत गौशाला के लिए मिलने वाले अनुदान को बढ़ाकर 50 रुपये प्रति गाय प्रतिदिन और छोटे बछड़ों के लिए 25 रुपये प्रतिदिन किया है।शर्मा रविवार को डीग जिले के गुहाना स्थित श्री जड़खोर गौ–धाम में आयोजित श्री कृष्ण बलराम गौ–आराधन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बजट वर्ष 2025–26 में प्रदेश के लघु एवं सीमान्त किसानों को बैलों से खेती करने पर प्रोत्साहन राशि के रूप में 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष देने का प्रावधान किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से पूरे देश में सनातन संस्कृति का उत्थान हो रहा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर तथा महाकाल कॉरिडोर का निर्माण हमारी विरासत को मजबूत कर रहे हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने खाटूश्याम जी मंदिर, पूंछरी का लौठा सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास के लिए बजट में प्रावधान किए हैं। साथ ही हमारी सरकार भगवान श्री कृष्ण के जीवन से जुड़े स्थलों को श्रीकृष्ण गमन पथ के रूप में विकसित कर रही है।

राजस्थान में 500 करोड़ का साइबर घोटाला उजागर

जयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जिले में चल रहे ऑपरेशन साइबर संग्राम के तहत अलवर पुलिस ने एक सनसनीखेज साइबर ठगी रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसमें बैंककर्मियों की सीधे तौर पर मिलीभगत सामने आई है। यह संगठित गिरोह सैकड़ों करंट/कॉर्पोरेट खातों (म्यूल अकाउंट्स) को ऊंचे कमीशन पर साइबर अपराधियों को बेच रहा था, जिससे 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम दिया गया।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि थाना वैशाली नगर की टीम ने अपनी कार्रवाई को तेज करते हुए इस मामले में 4 बैंक कर्मियों और 1 मास्टरमाइंड सहित 6 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की कुल संख्या 16 हो गई है।

पुलिस जांच में पता चला है कि इन म्यूल अकाउंट्स में 500 करोड़ रुपये से अधिक के स्कैम फंड का लेन–देन हुआ है। इन खातों के खिलाफ अकेले एनसीआरपी पोर्टल पर 4,000 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हैं। गिरफ्तार हुए 6 नए आरोपियों में मास्टरमाइंड वरूण पटवा (40) निवासी हिरणमगरी उदयपुर हाल गुरुग्राम, हरियाणा व सतीश कुमार जाट (35) निवासी उकलाना जिला हिसार हरियाणा है। चारों बैंककर्मी एक्सिस बैंक हिसार में कार्यरत है, जिनमे साहिल अग्रवाल (33) व गुलशन पंजाबी (33) निवासी नरवाल जिला जींद सेल्स मैनेजर, आसु शर्मा (23) निवासी खेड़ाचोपड़ा हिसार मर्चेंट इंक्वारी बिजनेस (चखइ) और आंचल जाट (24) निवासी उकलाना हिसार सेल्स ऑफिसर है। बैंक कर्मी ग्राहकों को कमीशन देकर, फर्जी फर्मों के नाम, पते और टर्नओवर के आधार पर करंट अकाउंट खुलवाते थे। ये अकाउंट्स मास्टर माइंड और दलाल द्वारा व्हाट्सएप/टेलीग्राम ग्रुप्स में साइबर ठगों को बेचे जाते थे।

पाली में ग्राम पंचायत अधिकारी डेढ़ लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

पाली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। एसीबी मुख्यालय के निर्देशन में एसीबी पाली द्वितीय इकाई ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पाली जिले की जैतपुरा ग्राम पंचायत के प्रशासक अरूण कुमार को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।जानकारी के अनुसार, अरूण कुमार, जो ग्राम पंचायत जाणुदा पंचायत समिति मारवाड़ जंक्शन में पदस्थ हैं, कुल 2,70,000 रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे थे। इस राशि की पहली किश्त के रूप में 1,50,000 रुपये लेते समय उन्हें पकड़ लिया गया।

एसीबी अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कदम के रूप में की गई है और मामले की आगे की जांच जारी है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी पाली द्वितीय को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी से उसके रहवासीय मकान का पट्टा बनाने की ऐवज में अरूण कुमार, प्रशासक ग्राम पंचायत जाणुदा पंचायत समिति मारवाड जंक्शन जिला पाली द्वारा 2,70,000 रुपए (दो लाख सत्तर हजार रूपये) रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया ग्रीन फिट मैराथन का फ्लैग ऑफ

जयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जीतने की चाह और एक दूसरे से ज्यादा फिट दिखने की होड़ के साथ 5000 से अधिक लोगों ने हेल्दी हार्ट और एन्वॉयरमेंट प्रोटेक्शन सन्देश के साथ मोशन ब्रेन्स की और से आयोजित दूसरी ग्रीन फिट मैराथन में उत्साह के साथ कदमताल की। डिप्टी सीएम, दिया कुमारी ने विद्याधर नगर स्थित सन एंड मून कॉम्प्लेक्स से ग्रीन फिट मैराथन के 3 किलोमीटर फन रन मैराथन का फ्लैग ऑफ किया। डिप्टी सीएम, दिया कुमारी ने इस अवसर पर फिट इंडिया अभियान और स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत स्वस्थ तन से स्वस्थ मन और अपने चारों ओर स्वच्छता रख कर एन्वॉयरमेंट प्रोटेक्शन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य और ग्रीन एन्वॉयरमेंट के लिए हम सभी को तेज गति से चलना, दौड़ना और व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने मोशन ब्रेन्स के इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर बॉलीवुड सिंगर, रविंद्र उपाध्याय ने सभी प्रतिभागियों को अपने लाइव म्यूजिक परफॉरमेंस से मोटीवेट किया।

मैरी कॉम के घर में चोरी सीसीटीवी फुटेज से हुआ खुलासा

फरीदाबाद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार मुक्केबाज और छह बार की वर्ल्ड चैंपियन मैरी कॉम के फरीदाबाद स्थित घर पर चोरी का मामला सामने आया है। चोरी का मामला सामने आने के बाद से ही क्षेत्र में हडकंप मचा हुआ है।मैरी कॉम के घर हुई चोरी की घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ गई है, जिसमें स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है कि 6–7 लोग घर से सामान चोरी कर ले जा रहे हैं। पुलिस ने जल्द ही मामले को सुलझाने का दावा किया है।

मैरी कॉम फरीदाबाद के सेक्टर 46 के मकान नंबर 300 में पिछले 3 साल से रह रही हैं। पड़ोसियों के मुताबिक पिछले दो सप्ताह से वह घर से बाहर हैं। जानकारी के मुताबिक वह मेघालय एक इवेंट में भाग लेने के लिए गई हुई है । चोरी की घटना 24 तारीख की सुबह हुई थी। पड़ोसियों को इसका पता तब चला, जब उन्होंने 26 तारीख को सीसीटीवी फुटेज देखी। सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि 6–7 लोग मैरी कॉम के मकान में घुसे और वहां से सामान चोरी कर फरार हो गए । इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस और मैरी कॉम को इसकी सूचना दी ।

नई जीएसटी दरों का गरीब एवं मध्यम वर्ग को होगा सबसे ज्यादा लाभ : कृष्ण लाल पंवार

चंडीगढ़, 28 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी की दरों को घटाकर ऐतिहासिक फैसला लिया गया है। इसका सबसे ज्यादा फायदा देश के गरीब एवं मध्यम वर्ग को होगा। इस बदलाव से एक ओर जहां रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में कमी हुई है वहीं दूसरी ओर छोटे उपकरण व वाहनों की कीमत भी कम हुई है। जिन लोगों ने वाहन बुक किए थे, अब उन्हें वही वाहन कम कीमत पर मिल रहे हैं। इसके लिए लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया है।कृष्ण लाल पंवार रविवार को पानीपत में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने नई जीएसटी दरों को लेकर व्यापारियों से चर्चा भी की।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की ओर से नई जीएसटी दरों को लागू कर दिया गया है। इसके साथ ही लोगों को घटी हुई कीमतों का लाभ भी मिलना शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत जीएसटी स्लैब्स को सरल करते हुए अब मुख्य रूप से कुछ सामान को 0 प्रतिशत श्रेणी में भी लाया गया है, यानी वे पूरी तरह से कर मुक्त होंगी। इसके अलावा मुख्यत दो जीएसटी स्लैब्स 5 प्रतिशत व 18 प्रतिशत बनाए गए हैं।

सरकार किसानों को पानी से वंचित कर रही है : कुमारी सैलजा

सिरसा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। स्वयं को किसान हितेषी होने का दावा करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की बात सुनने के बजाए उनके जख्मों पर नमक छिड़कने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। कही किसान खाद को लेकर भटक रहा है तो कहीं जलभराव से फसलें खराब हो रही है तो कही पर सेम समस्या के चलते भूमि बंजर ही रही है। हरियाणा के अंमित छोर पर बसे सिरसा जिला के डबवाली क्षेत्र के अनेक गांव आज भी टेल तक पानी न पहुंचने को लेकर परेशान है, धरनारत है पर सरकार कोई सुनवाई नहीं कर रही है। किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों को मौके पर भेजकर सीधी बातचीत की जाए। कांग्रेस किसानों के साथ खड़ी है। अगर सरकार ने जल्द ही किसानों की जायज मांगों को पूरा नहीं किया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि सिरसा जिले के डबवाली क्षेत्र सहित अनेक गांवों के किसान पिछले कई महीनों से पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। प्रदेश सरकार बार–बार यह दावा करती है कि नहरों का पानी अंतिम छोर तक पहुंच रहा है, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है।

जीएसटी सुधारों से साकार होगा एक राष्ट्र- एक कर का सपना : नायब सैनी

चंडीगढ़, 28 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री, नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए गत 22 सितंबर को जीएसटी सुधार लागू किए हैं। जीएसटी की इस नई प्रणाली से हरियाणा की जनता को लगभग चार हजार करोड़ रुपये का लाभ होगा। ये सुधार आत्मनिर्भर भारत- आत्मनिर्भर हरियाणा बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे।मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम में आबकारी एवं कराधान विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित जीएसटी बचत उत्सव कार्यक्रम में उद्यमियों के साथ सीधा संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी उद्यमियों को नवरात्रों के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि जी.एस.टी. में सुधार करने की घोषणा प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर की थी और मात्र एक महीने के भीतर वह घोषणा पूरी हो चुकी है। इससे पता चलता है कि जो मोदी जी की गारंटी है, वह अवश्य पूरी होती है। उन्होंने कहा कि दशकों तक देश की जनता अलग–अलग टैक्स के जाल में उलझी हुई थी। हमारे देश में दर्जनों टैक्स थे। इनसे देशवासियों और कंपनियों को कई परेशानियां होती थीं। प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश दर्जनों करों के जाल से मुक्त हुआ। एक राष्ट्र -एक कर का सपना साकार हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी का आह्वान किया है, आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना की है और अभी अपनी जापान यात्रा के दौरान मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड का विजन रखा है। उसे साकार करने में भी ये सुधार महत्वपूर्ण साबित होंगे। इनसे रोजमर्रा इस्तेमाल के उपभोक्ता सामान सस्ते हुए हैं। इसलिए मध्यम वर्ग की बचत बढ़ी है और आगामी त्योहारों के सीजन में खरीदारी से बाजार को बड़ा लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में कर आधार का विस्तार हुआ है और जी.एस.टी. संग्रह में वृद्धि हुई है। हरियाणा का नेट एस.जी.एस.टी. संग्रह 2018–19 के 18,910 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024–25 में 39,743 करोड़ रुपये हो गया। यह 110 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने जी.एस.टी. परिषद द्वारा लिये गये प्रमुख निर्णयों का जिक्र करते हुए कहा कि अब देश में जी.एस.टी. की सिर्फ दो ही मानक दरें रहेंगी। एक 5 प्रतिशत और दूसरी 18 प्रतिशत। इसके अलावा, अहितकारी वस्तुओं के लिए विशेष दर 40 प्रतिशत रखी

गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024–25 में, हरियाणा कुल सकल जी.एस.टी. संग्रह में देश के प्रमुख राज्यों में 5वें स्थान पर रहा।

उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा सामान्य रूप से उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर जी.एस.टी. दरों को कम कर दिया गया है और कुछ पर इसे बिल्कुल समाप्त कर दिया गया है। लोगों पर टैक्स का बोझ और कम करने के लिए सेस को भी खत्म कर दिया गया है। पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है। जी.एस.टी. परिषद ने वर्तमान सुधारों में कृषि और किसान दोनों का ध्यान रखा है। फसल अवशेष प्रबंधन में उपयोग होने वाले कृषि उपकरणों पर जी.एस.टी. दरें कम की गई हैं। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने जीएसटी बचत उत्सव–2025 सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत,नरेंद्र मोदी द्वारा जीएसटी स्लैब में किया गया सुधार आम नागरिकों के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव लाने वाला है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जीएसटी सुधार से देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि नए जीएसटी दरों को लागू करने में व्यापारियों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा। उनकी रिकवरी पूरी तरह सुनिश्चित है। उन्होंने व्यापारियों से आह्वान किया कि वे इस लाभ को आम उपभोक्ता तक अवश्य पहुंचाएं, ताकि प्रधानमंत्री की इस ऐतिहासिक पहल का वास्तविक फायदा हर परिवार को मिल सके।

आबकारी एवं कराधान विभाग की आयुक्त एवं सचिव, आशिमा बराड़ ने मुख्यमंत्री, नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि जीएसटी की नई स्लैब प्रणाली सभी व्यापारियों, उद्योगपतियों एवं आम उपभोक्ताओं के हित में है। कर सुधारों को लेकर प्रदेश के सभी जिलों में 29 सितम्बर तक जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति को जीएसटी बचत का लाभ मिल सके। इस अवसर पर पटौदी से विधायक, बिमला चौधरी, सोहना से विधायक, तेजपाल तंवर, गुरुग्राम से विधायक, मुकेश शर्मा, गुरुग्राम नगर निगम की महापौर , राजरानी मल्होत्रा, आबकारी एवं कराधान आयुक्त, विनय प्रताप सिंह, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार, राजीव जेटली सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अररिया में गृह मंत्री अमित शाह ने उठाया घुसपैठ का मुद्दा

चुनाव जीते तो चुन चुनकर बाहर निकालेंगे

अररिया (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह शनिवार को अररिया जिले के फारबिसगंज स्थित हवाई फील्ड मैदान में पहुंचे। वे हेलीकॉप्टर से आए और नौ जिलों से जुटे करीब पांच हजार कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरा और उन्हें पार्टी का असली मालिक बताया।

शाह ने अपने भाषण में कहा कि जहां लालू प्रसाद यादव और राहुल गांधी जैसे नेताओं की पार्टियां केवल नेताओं के आधार पर चुनाव जीतने की कोशिश करती हैं, वहीं भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसे चुनाव जिताने का दम नेताओं में नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं में होता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अन्य दलों के लिए चुनाव सिर्फ अपनी पार्टी को जिताने का अवसर होता है, लेकिन भाजपा के लिए यह चुनाव घुसपैठियों को बाहर करने का अभियान है। उन्होंने वादा किया कि अगर कार्यकर्ता एनडीए को एक-तिहाई बहुमत से जिताते हैं तो वे घुसपैठियों को ढूंढ-ढूंढकर बाहर करेंगे।

अमित शाह ने यह भी कहा कि यह चुनाव बिहार को बाढ़ की समस्या से मुक्ति दिलाने का चुनाव है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि इस बार बिहार में चार दिवाली मनाई जाए। पहली दिवाली तब होगी जब भगवान राम अयोध्या लौटेंगे। दूसरी दिवाली तब मनी जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीविका दीदियों के खातों में दस-दस हजार रुपये भेजे। तीसरी दिवाली तब मनाई गई जब जीएसटी में तीन सौ पचास वस्तुओं के दाम घटाए गए। चौथी दिवाली तब मनाई जाएगी जब 160 से अधिक सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित होगी और सरकार बनेगी।

अमित शाह ने आगे कहा कि 2020 के विधानसभा चुनाव में किशनगंज को छोड़कर हम सभी जिलों में नंबर वन पर रहे थे। बस एक कसर छूट गई थी, लेकिन इस बार किशनगंज में ही हम जीतेंगे। गृह मंत्री ने आगे कहा कि इस बार कांग्रेस के लिए यह चुनाव पूरे बिहार से घुसपैठियों को खदेड़ने का चुनाव है। मैं वादा करता हूँ कि इस बार एनडीए की सरकार बनवाकर हम बिहार से घुसपैठियों को निकाल फेंकेंगे।

अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी चाहते हैं कि घुसपैठियों को वोट का अधिकार मिले। सीमांचल वालों, बताओ घुसपैठियों को वोट का अधिकार मिलना चाहिए क्या? राहुल बाबा कान खोलकर सुन लो, बिहार और देश से चुन-चुनकर घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे। यह चुनाव बिहार से घुसपैठियों को बाहर निकालने का चुनाव है। पीएम मोदी ने पूर्णिया की धरती से ही मखाना बोर्ड की घोषणा की। भागलपुर में विद्युत संयंत्र का शिलान्यास किया। पूर्णिया में एयरपोर्ट दिया। बिहटा के अलावा 6 एयरपोर्ट और बनाएंगे। कोसी लिंक परियोजना की घोषणा की है, जिससे कोसी क्षेत्र के लोगों को बाढ़ की समस्या से राहत मिलेगी। इन लोगों ने कुछ काम नहीं किया। बिहार में एनडीए सरकार ने सामाजिक पेंशन को 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए किया है।

बिहार पुलिस का मेगा ऑपरेशन, दो करोड़ का गांजा जब्त, चालक गिरफ्तार

सीवान (एजेंसियां)। सीवान जिले के मैरवा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शनिवार तड़के बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डीसीएम ट्रक से 329 किलो गांजा बरामद किया। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग दो करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

मैरवा थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध ट्रक नेपाल से गांजा लेकर पूर्वी चंपारण की ओर जा रहा है। इसके आधार पर थाना मोड़ पर वाहन जांच के दौरान पुलिस ने ट्रक को रोका। ट्रक चालक भागने की कोशिश में था, लेकिन पुलिस ने सूझबूझ से उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान ट्रक में बने तहखाने से 329 किलो गांजा बरामद हुआ।

गिरफ्तार चालक की पहचान मोतिहारी जिले के सुगौली थाना क्षेत्र निवासी महेंद्र सोनी के पुत्र ताराचंद्र कुमार के रूप में की गई है।

इस घटना ने पुलिस की सतर्कता पर सवाल भी खड़े कर दिए हैं, क्योंकि चर्चा है कि धरनी छापर चेकपोस्ट पर विधिवत जांच के बावजूद ट्रक मैरवा तक कैसे पहुंच गया।

गौरतलब है कि इससे पहले वर्ष 2022 में भी मैरवा पुलिस ने लगभग 50 लाख रुपये मूल्य का गांजा बरामद किया था। थाना प्रभारी संजीत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार चालक से पूछताछ जारी है और गांजा तस्करी के नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी ताकि नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाया जा सके।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने किया मां चामुंडा देवी का दर्शन, सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। देश के नवनियुक्त उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन रविवार को पहली बार बिहार पहुंचे। इस दौरान वे मुजफ्फरपुर जिले के कटरा प्रखंड स्थित प्रसिद्ध मां चामुंडा मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे।

उपराष्ट्रपति दिल्ली से सीधे पटना आए थे। वहां आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वे हेलिकॉप्टर से मुजफ्फरपुर के कटरा पहुंचे। उनके आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।मंदिर परिसर को सुरक्षा के घेरे में बदल दिया गया था। मंदिर से करीब तीन किलोमीटर दूर एनएच-527 सी के पास अस्थायी हेलीपैड बनाया गया था।

वहीं से कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच उनका काफिला मंदिर पहुंचा, जहां उन्होंने मां चामुंडा देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

मंदिर प्रशासन ने जानकारी दी कि सी.पी. राधाकृष्णन इससे पहले वर्ष 2010 में भी इस मंदिर में आए थे। उस समय वे भाजपा की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य थे और पटना में एक रैली में शामिल होने के बाद यहां पहुंचे थे। तब भी उन्होंने पूजा-अर्चना कर मन्नत मांगी थी। मंदिर समिति के सचिव ने बताया कि उपराष्ट्रपति ने 2010 में जो संकल्प लिया था, वह अब पूरा हुआ है। इस बार वे देश के उपराष्ट्रपति के रूप में मंदिर आए, जिससे क्षेत्र के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

उन्मेष साहित्य महोत्सव में उपराष्ट्रपति ने की शिरकत, कहा-

विविधता में भी एकता धर्म से संभव

पटना (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति ने कहा, यूरोप के एक गणमान्य व्यक्ति ने मुझसे पूछा कि भारत बिना किसी साझा भाषा के एकजुट कैसे है। मैंने उत्तर दिया कि यहां लोग भले ही अलग-अलग भाषाओं में बोलते हैं, लेकिन धर्म की अवधारणा ने सबको जोड़े रखा है। उन्होंने यह धारणा भी खारिज की कि 'लोकतंत्र पश्चिमी अवधारणा' है। उन्होंने कहा, 2500 साल पहले यही बिहार की धरती एक ओर शक्तिशाली मौर्य साम्राज्य का साक्षी बनी, तो दूसरी ओर वैशाली जैसी प्राचीन गणतंत्र का जन्म भी यहीं हुआ। यह बातें पटना में आयोजित उन्मेष

अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव के दौरान उपराष्ट्रपति के द्वारा कही गई हैं।

अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'उन्मेष' नए विचारों, कथाओं और दृष्टिकोणों के जागरण का प्रतीक है, जो भाषा, संस्कृति, भूगोल और विचारधारा की खाइयों को पाटता है। उन्होंने विश्वास जताया कि उन्मेष आने वाली पीढ़ियों के लेखकों, विचारकों और पाठकों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन काल में यही भूमि भगवान बुद्ध और महावीर के आध्यात्मिक जागरण की साक्षी रही। नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय जैसे विद्या केंद्रों ने दूर-दराज से विद्वानों को आकर्षित किया।

राधाकृष्णन ने चंपारण सत्याग्रह की भी याद दिलाई और कहा कि बिहार की लोक संस्कृति, जैसे मधुबनी पेंटिंग और छठ महापर्व, अद्वितीय पहचान रखते हैं। देश के उपराष्ट्रपति बनने के बाद राधाकृष्णन का यह बिहार का पहला दौरा था। पटना एयरपोर्ट पर उनका स्वागत राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने खान को पुराना मित्र बताया और कहा कि जब दोनों संसद सदस्य थे, तभी से उनका साथ रहा है।

समारोह स्थल पर जाते समय उपराष्ट्रपति ने जेपी (लोकनायक जयप्रकाश नारायण) की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को याद किया। उन्होंने कहा, मैंने 19 वर्ष की उम्र में लोकनायक के संपूर्ण क्रांति आंदोलन में खुद को झोंक दिया था। बाद में उस आंदोलन का जिला महासचिव भी बना। उपराष्ट्रपति ने यह भी याद किया कि उनका राजनीतिक जीवन तमिलनाडु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के रूप में शुरू हुआ था।

बिहार में गिरा निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज, छह मजदूर घायल

पटना (एजेंसियां)। नालंदा के हरनौत में रविवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। इसमें छह मजूदर घायल हो गए। घायलों को फौरन अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इनका इलाज चल रहा है।

बताया जा रहा है कि हरनौत बाजार से रेल कारखाना तक बन रहा रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) ढलाई के दौरान अचानक धराशायी हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है। लोग आरओबी की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं। मामले में साइट इंचार्ज अभिषेक ने बताया कि जैक

स्लिप करने की वजह से यह हादसा हुआ है। वरीय अधिकारियों को घटना की जानकारी दे दी गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार दोपहर करीब चार बजे आरपीएस कॉलेज के सामने निर्माणाधीन आरओबी की ऊपरी सतह का कंक्रीट ढलाई कार्य चल रहा था। दर्जनों मजदूर और तकनीकी स्टाफ पुल पर काम में व्यस्त थे जब अचानक नीचे का सपोर्ट सिस्टम और सेटिंग पाइप धंसने लगे। मजदूर कुछ समझ पाते, इससे पहले ही पूरा आरओबी धड़ाम की आवाज के साथ नीचे गिर गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से घायल मजदूरों को कल्याण बिघा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

स्थानीय निवासियों ने निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पुल का निर्माण शुरू से ही मानकों के अनुसार नहीं हो रहा था। जमीन के अंदर पाया (पिलर) का निर्माण भी कई जगहों पर गलत तरीके से किया गया है। राहगीरों के लिए अस्थायी रास्ते का भी उचित प्रबंध नहीं किया गया था, जिससे पहले भी छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होती रहती थीं। थाना प्रभारी अमरदीप कुमार ने कहा कि ढलाई कार्य के दौरान पुल गिरने से छह मजदूर घायल हुए हैं। सभी घायलों का उचित इलाज कराया जा रहा है। घटना की जांच की जा रही है।

रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण 66 करोड़ रुपये की लागत से की जा रही है। जिसकी लंबाई 1332 मी. है। आरओबी का निर्माण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है। रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य टेंडर बाबा हंस कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड पटना के द्वारा कराया जा रहा है।

विधायक विजय कुमार मंडल पर फूटा जनता का गुस्सा, लालू यादव से शिकायत का वीडियो वायरल

रोहतास (एजेंसियां)। रोहतास जिले के दिनारा विधानसभा क्षेत्र से राजद विधायक विजय कुमार मंडल की मुश्किलें लगातार बढ़ती दिखाई दे रही हैं। हाल ही में जनसंपर्क अभियान के दौरान विधायक को कई जगहों पर ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। अब दिनारा विधानसभा क्षेत्र की जनता ने पटना में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मिलकर विधायक के खिलाफ शिकायत की है। इससे आगामी चुनाव में विजय कुमार मंडल के टिकट कटने की संभावना बढ़ गई है।

राजद विधायक विजय कुमार मंडल को लेकर लालू यादव से शिकायत करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि दिनारा विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में ग्रामीण लालू यादव के आवास पर पहुंचे और स्थानीय विधायक के खिलाफ शिकायत की। वायरल वीडियो में ग्रामीण लालू यादव से विजय कुमार मंडल की जगह किसी अन्य को टिकट देने की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं, लेकिन विजय कुमार मंडल को दिनारा से टिकट मिला तो मामला गड़बड़ हो सकता है। ग्रामीणों ने इस शिकायत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है, जिसकी पुष्टि मीडिया ने नहीं की है।

इसके पहले भी दिनारा में विधायक विजय कुमार मंडल को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा था। स्थानीय लोगों ने गांव की एक सड़क को लेकर विधायक के काफिले को घेर लिया और उनके साथ तीखी बहस की। लगातार विरोध और वायरल वीडियो से साफ है कि दिनारा की जनता अपने विधायक से नाराज नजर आ रही है।

2005 से पहले भय का माहौल था, आज शांति और विकास है : सीएम नीतीश

गोपालगंज (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और सांसद संजय झा रविवार को गोपालगंज पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने सबेया फील्ड में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और योजनाओं के लाभुकों से सीधा संवाद स्थापित किया।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान कुल 1599 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने राज्य के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि सरकार जनहित में लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने लाभुकों से बातचीत के दौरान उनकी समस्याएं और सुझाव सुने और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी बड़ी संख्या में यहां पहुंचे हैं, इसके लिए मैं आपका स्वागत करता हूं। उन्होंने बताया कि 24 नवंबर 2005 को बिहार में एनडीए की सरकार बनी थी और तब से लगातार राज्य के विकास और लोगों के उत्थान के लिए काम किया जा रहा है। नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 से पहले बिहार में भय और अराजकता का माहौल था। लोग शाम ढलते ही घरों से निकलने से डरते थे। पढ़ाई-लिखाई और स्वास्थ्य सेवाएं बेहद खराब स्थिति में थीं। सड़कों और बिजली की भी भारी कमी थी। सरकार में आने के बाद हमने हर क्षेत्र में सुधार शुरू किया। आज राज्य में शांति, भाईचारे और आपसी सद्भाव का माहौल है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव किए गए। लाखों शिक्षकों की बहाली हुई, नए स्कूल खुले और अब सरकारी स्कूलों की स्थिति भी पहले से बहुत बेहतर हो गई है। पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एक-दो मरीज आते थे, अब हर महीने हजारों लोग इलाज के लिए पहुंचते हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी बढ़ाई गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सड़क और पुलों के निर्माण पर लगातार काम हुआ है। हर घर तक बिजली, नल का जल और शौचालय जैसी सुविधाएं पहुंचाई गई। सात निश्चय और सात निश्चय-2 योजनाओं के तहत युवाओं को नौकरी और रोजगार देने पर विशेष ध्यान दिया गया। अब तक 49 लाख से ज्यादा युवाओं को रोजगार या नौकरी दी जा चुकी है। लक्ष्य है कि अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को रोजगार मिले।

महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर नीतीश कुमार ने कहा कि पंचायत और नगर निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण देने से लेकर पुलिस और सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया। आज राज्य में 1 करोड़ 40 लाख महिलाएं जीविका समूहों से जुड़ी हैं। शहरी क्षेत्रों में भी अब ये समूह बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय और अन्य वंचित तबकों के लिए भी लगातार काम हुआ है। मदरसों को मान्यता दी गई, शिक्षकों को वेतन मिला और गरीब परिवारों को आर्थिक मदद देने की योजना शुरू की गई।

नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार का बजट अब 3 लाख 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि 2005 में यह सिर्फ 28 हजार करोड़ था। केंद्र सरकार से भी लगातार सहयोग मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से बिहार में कई बड़े विकास कार्य शुरू हुए हैं, जिनमें ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, मखाना बोर्ड और खाद्य प्रसंस्करण संस्थान की स्थापना शामिल है।

गोपालगंज जिले में किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, छात्रावास और अस्पताल स्थापित किए गए हैं। सड़कों, पुलों, तटबंधों और मंदिरों के विकास पर भी काम हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर कई नई योजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी सरकार की उपलब्धियों पर कहा कि यह कार्यक्रम राज्य के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, सांसद संजय झा ने क्षेत्र के विकास के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम का मंच संचालन भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गिरी ने किया। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, जनक राम, भाजपा के पूर्व विधायक मिथिलेश तिवारी, रामसेवक सिंह और जदयू जिलाध्यक्ष आदित्य शंकर शाही ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और अधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com